@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 28 मार्च 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 127 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिलीप घोष और सुप्रिया श्रीनेत पर चुनाव आयोग सख्त

नई दिल्ली, 27 मार्च। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा की लोकसभा उम्मीदवार कंगना रनौत के खिलाफ टिप्पणी को लेकर चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। इस बाबत आयोग ने भाजपा सांसद दिलीप घोष और कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही आयोग ने दोनों नेताओं से इस नोटिस पर 29 मार्च 2024 शाम 5 बजे तक जवाब देने को भी कहा है। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना की एक तस्वीर के साथ एक आपत्तिजनक पोस्ट साझा की थी। जब उनके पोस्ट को लेकर बवाल मचा तो कांग्रेस प्रवक्ता ने पोस्ट हटा ली और दावा किया कि उनके इंस्टा के अकाउंट पर कई लोगों का एक्सेस है। इसमें से किसी व्यक्ति ने घृणित और आपत्तिजनक पोस्ट किया था। हालांकि भाजपा नेताओं ने उनके पोस्ट का स्क्रीनशॉट शेयर कर टीएमसी पर हमला बोला था। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता और सांसद दिलीप घोष के एक वीडियो क्लिप में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मजाक उड़ाते हुए विवादित टिप्पणी की थी। इसे लेकर टीएसमी कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेता को आड़े हाथों लिया था। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोष को नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा है। वहीं दिलीप घोष ने भी मांफी मांग ली है। भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर की गई अपनी टिप्पणी के लिए बुधवार को माफी मांग ली।

छापे में न पैसा मिला, न सबूत, सीएम 28 मार्च को कोर्ट में करेंगे खुलासा: सुनीता केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 मार्च। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मुख्यमंत्री को आपकी चिंता है। उन्होंने शराब घोटाले पर कहा कि 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल कोर्ट में खुलासा करेंगे। आगे कहा कि अरविंद जी ने मुझे एक बात और कही, इस शो कॉल्ड शराब घोटाले में दो साल में कई जगह रेड मारी। लेकिन एक भी पैसा नहीं मिला। सिसौदिया जी के यहां, संजय जी के यहां रेड मारी, हमारे यहां रेड मारी लेकिन उन्हें एक भी पैसा नहीं है। मेरा शरीर जेल में है लेकिन मेरी आत्मा आप लोगों के बीच है। आप लोग आंखे बंद कीजिए और महसूस कीजिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि कल शाम मैंने अरविंद जी से जेल में मुलाकात की। दो दिन पहले उन्होंने दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को संदेश भेजा था कि पानी और सीवर की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस बात पर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री पर केस कर दिया, क्या वे दिल्ली को तबाह करना चाहते हैं? आगे कहा कि अरविंद जी ने मुझसे कहा कि इस शराब घोटाले की जांच में ईडी ने पिछले दो साल में 250 से ज्यादा छापेमारी की। अभी तक किसी भी

छापेमारी में पैसा बरामद नहीं हुआ। आगे कहा कि इसका खुलासा वे 28 मार्च को अदालत में करेंगे। वे इसका सबूत भी देंगे। जानकारी के लिए बता दें कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल उनसे मिलने मंगलवार को भी ईडी दफ्तर पहुंचीं। उससे पहले रविवार को भी उन्होंने मुलाकात की थी। जब से केजरीवाल ईडी की हिरासत में गए हैं तभी से वह हर दिन शाम को उनसे मुलाकात करने जाती हैं। बीती शाम को भी सुनीता केजरीवाल ने मुलाकात की थी। पीएमएलए मामलों में विशेष अदालत ने केजरीवाल के वकीलों के अलावा उनकी पत्नी सुनीता और केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार को हर दिन शाम 6-7 के बीच आधे घंटे के लिए उनसे मिलने की अनुमति दी थी। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने जेल से जनता के लिए अपना संदेश अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के माध्यम से ही सुनाया था। इस संदेश में उन्होंने जल्द जेल से बाहर आने का भरोसा दिखाया। साथ ही, आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं से दिल्ली सरकार की योजनाओं को आगे चालू रखने की बात भी कही थी। लेकिन जिस तरह उन्होंने अपना संदेश देने के लिए किसी दूसरे नेता की बजाय अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को चुना है, उससे यह संकेत मिल गए कि यदि अरविंद केजरीवाल को जेल जाने के कारण इस्तीफा देना पड़ता है, तो मुख्यमंत्री पद पर सुनीता केजरीवाल ही उनकी पहली पसंद हो सकती हैं।

सैनिकों की पारंपरिक तैनाती पर ही संबंध सामान्य होंगे

कुआलालंपुर (मलयेशिया), 27 मार्च। विदेश मंत्री एस जयशंकर अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए सुर्खियों में रहते हैं। पूर्व राजनयिक जयशंकर ने ताजा घटनाक्रम में भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने की शर्तों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि चीन के साथ रिश्ते केवल तभी सामान्य होंगे, जब दोनों देशों के सैनिक अपनी पारंपरिक पोजिशन पर वापस जाएंगे। बुधवार को उन्होंने कहा कि चीन के साथ द्विपक्षीय संबंध केवल उसी स्थिति में सामान्य होंगे जब हम सैनिकों की पारंपरिक तैनाती वाली स्थिति में पहुंच जाएंगे। विदेश मंत्री ने कहा कि बीजिंग के साथ संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भी यही शर्त होगी। जयशंकर ने मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में कहा, भारतवासियों के प्रति मेरा पहला कर्तव्य सीमा की सुरक्षा करना है। मैं इस पर कभी समझौता नहीं कर सकता। उन्होंने प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत के दौरान चीन के साथ भारत के संबंधों की वर्तमान स्थिति पर एक सवाल के जवाब में कहा, हर देश अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध चाहता है। उन्होंने कहा कि हर रिश्ते को किसी न किसी आधार पर स्थापित करना पड़ता है। हम अभी भी चीनियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। मैं अपने समकक्ष से बात करता हूं। हम समय-समय पर मिलते रहते हैं। हमारे सैन्य कमांडर एक-दूसरे से बातचीत करते हैं, लेकिन हम बिल्कुल स्पष्ट हैं कि भारत और चीन के बीच एक समझौता था। विदेश मंत्री के मुताबिक, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सेना न लाने की परंपरा है।

पूरे दमखम के साथ लड़ूंगी चुनाव, अखिलेश यादव का धन्यवाद: रुचि वीरा

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुरादाबाद, 27 मार्च। काफी उठापटक के बाद सपा की तरफ से आजम खां की करीबी पूर्व विधायक रुचि वीरा ने बुधवार को सांसद डॉ. एसटी हसन के नामांकन को रद्द करने का पत्र सौंप दिया। साथ ही सपा की अधिकृत प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया। बिजनौर की रहने वाली पूर्व विधायक रुचि वीरा ने बुधवार की दोपहर करीब दो बजे अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके साथ उन्होंने सांसद डॉ. एसटी हसन का नामांकन रद्द करने के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पत्र जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंप दिया। इस प्रक्रिया के साथ सांसद एसटी हसन का नामांकन तकनीकी तौर पर निरस्त हो गया है। इस दौरान पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष शाने अली शानू सहित अन्य लोग मौजूद थे। हालांकि जिले के अधिकारियों का कहना था कि डीएम मानवेंद्र सिंह अभी नामांकन पत्रों की जांच करेंगे। नियमानुसार डीएम ही 28 मार्च को नामांकन पत्रों की स्थिति अपनी रिपोर्ट के माध्यम से स्पष्ट करेंगे।

नामांकन दाखिल करने के बाद पूर्व विधायक रुचि वीरा बाहर निकलीं और उन्होंने कहा कि सबसे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और आजम खां को थैंक्स बोलना चाहूंगी। उन्होंने कहा कि मैं ही मुरादाबाद से गठबंधन की प्रत्याशी हूं। पूरे दमखम के साथ चुनाव लड़ूंगी। मुरादाबाद के लोगों का दिल जीतने आई हूं। यहां राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उनको चुनाव लड़ने के लिए भेजा है। डॉ. एसटी हसन भी मेरे बड़े भाई हैं। इस बारे में मैं इससे ज्यादा कुछ नहीं कहूंगी। पुतला फूंकने के बारे में पूछने पर पूर्व विधायक ने कहा कि कुछ उन्मादी लोगों ने ऐसा कार्य किया होगा लेकिन उनको जानकारी नहीं है। पार्टी के लोगों का कहना है कि 2022 में रुचि वीरा बिजनौर में 2014 से 17 तक सपा की विधायक रहीं। इसके बाद वह 2022 में बसपा से चुनाव लड़ीं लेकिन चुनाव हार गई थीं। 2023 में बसपा ने रुचि वीरा को बाहर का रास्ता दिखा दिया। इसके बाद उन्होंने फिर सपा का दामन थाम लिया। रुचि वीरा को आजम खां का सबसे करीबी माना जाता है। सांसद डॉ. एसटी हसन मंगलवार को जब नामांकन पत्र भरने के लिए घर से निकले तो समर्थकों ने कहा कि उनका टिकट बदल गया है लेकिन पार्टी के किसी पदाधिकारी ने उनको कॉल नहीं की थी।

पूर्व मुख्यमंत्री की बेटी कविता को तिहाड़ के जेल नंबर 6 में रखा गया

नई दिल्ली, 27 मार्च। तेलंगाना में कभी सत्ताधारी दल रही भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता को तिहाड़ जेल में रखा गया है। ईडी की जांच के दायरे में आने के बाद हैदराबाद से दिल्ली लाई गईं कविता को अदालत के आदेश के बाद तिहाड़ भेजा गया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि कविता ने जेल में पहली रात बिताई और उन्हें जेल का खाना परोसा गया। कविता को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले में कई और हाईप्रोफाइल लोग सलाखों के पीछे हैं। कविता की जेल के बारे में तिहाड़ के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने पहली रात महिलाओं के लिए अलग से बनाए गए जेल नंबर छह में बिताई। उन्हें दो अन्य महिला कैदियों के साथ रखा गया है। जेल के एक सूत्र ने बताया कि कविता को खाने में दाल-चावल मिला। मंगलवार रात अन्य कैदियों को भी यही खाना परोसा गया। बुधवार सुबह कविता को नाश्ते के साथ चाय मिली। बता दें कि अदालत के आदेश के मुताबिक कविता नौ अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में रहेंगी। अदालत ने सुनवाई के दौरान यह स्वीकार किया कि उन्हें रिहा किए जाने पर मुकदमे के गवाहों को प्रभावित किए जाने और सबूतों के साथ छेड़छाड़ की भी प्रबल संभावना है। सूत्रों के मुताबिक मेडिकल जांच के दौरान कविता का ब्लडप्रेशर मामूली रूप से कम पाया गया। हालांकि, बाद में यह सामान्य हो गया और उन्हें सेल में भेज दिया गया। जेल मैनुअल के मुताबिक कविता को एक गद्दा, चप्पल, कपड़े, चादल और कंबल मिला है। उन्हें जरूरी दवाएं भी दी गई हैं। अदालत के आदेश के अनुसार 46 वर्षीय कविता को घर का बना खाना भी दिया जा सकता है।

मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पैसे नहीं: निर्मला सीतारमण

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 27 मार्च। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि सभी प्रमुख राजनीतिक दलों ने चुनावी बॉन्ड भुनाए हैं। किसी को कुछ भी कहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है क्योंकि यह कानूनी था और कानून के मुताबिक है। वहीं उन्होंने लोकसभा चुनाव से टिकट को लेकर कहा कि मैंने टिकट को अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि उन्होंने चुनाव लड़ने के भाजपा के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, क्योंकि उनके पास लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त पैसा नहीं है। उन्होंने कहा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें आंध्र प्रदेश या तमिलनाडु से चुनाव लड़ने का विकल्प दिया था। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते या दस दिनों तक सोचने के बाद, मैं कहा नहीं..मेरे पास चुनाव लड़ने के लिए उस तरह का पैसा नहीं है। एक निजी कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि निर्मला सीतारमण ने कहा कि चुनावी बॉन्ड के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुद्देनजर चुनावी फंडिंग के लिए

बेहतर प्रणाली लाने के लिए और अधिक बहस की जरूरत है। मंत्री ने कहा कि कानून, जिसे अब सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है, संसद द्वारा पारित किया गया था और बॉन्ड उस समय प्रचलित कानून के मुताबिक खरीदे गए थे। निर्मला सीतारमण ने कहा कि वही पार्टी जो अब कहती है कि यह एक घोटाला है, यह एक घोटाला है, उसने भी बॉन्ड के जरिए पैसा लिया था। मुझे बताएं कि किसी को बोलने का क्या नैतिक अधिकार है क्योंकि यह तब कानून था। चुनावी बॉन्ड की प्रणाली अभी भी पिछली प्रणाली से बेहतर थी, हम अब उसी स्थिति में हैं। हमें कुछ बेहतर करने की जरूरत है, लेकिन बहुत अधिक काम करने की जरूरत है। गौरतलब है कि पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की शीर्ष अदालत की पीठ ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना संविधान के तहत सूचना के अधिकार और भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन करती है।

कांग्रेस ने जारी की उम्मीदवारों की आठवीं सूची

नई दिल्ली, 27 मार्च। कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की आठवीं सूची जारी की है। इसमें चार राज्यों की 14 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया है। कांग्रेस ने अपनी आठवीं लिस्ट में चार राज्यों की 14 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का एलान किया है। इसमें उत्तर प्रदेश और तेलंगाना की चार लोकसभा सीट, मध्य प्रदेश और झारखंड की तीन-तीन लोकसभा सीटें शामिल हैं। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में गुना से राव यादवेंद्र सिंह, दामोह से तारवीर सिंह लोधी, विदिशा से प्रताप भानु शर्मा, झारखंड में खुंटी से कालीचरण मुंडा, लोहरदगा से सुखदेव भगत, हजारीबाग सीट से जय प्रकाशभाई पटेल को उम्मीदवार बनाया है।

डॉली शर्मा बनीं यूपी में कांग्रेस की पहली महिला प्रत्याशी

नई दिल्ली, 27 मार्च। कांग्रेस ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर बुधवार रात अपनी आठवीं सूची जारी की। पार्टी ने 14 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की है, जिसमें यूपी के चार प्रत्याशी हैं। कांग्रेस ने गाजियाबाद से डॉली शर्मा, सीतापुर से नकुल दुबे, महाराजगंज से वीरेन्द्र चौधरी और बुलंदशहर से शिवराम वाल्मीकि को टिकट दिया है। इससे पहले कांग्रेस ने बीते शनिवार (23 मार्च) को यूपी के नौ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। जिसमें पार्टी ने वाराणसी से अजय राय को पीएम मोदी के खिलाफ चुनावी मैदान में उतारा था। इसके अलावा झांसी से प्रदीप जैन को टिकट दिया गया है। इसके अलावा देवरिया से अखिलेस प्रताप सिंह, बाराबंकी से तनुज पुनिया, अमरोहा से दानिश अली, कानपुर से आलोक मिश्र, सहारनपुर से इमरान मसूद, फतेहपुर से रामनाथ शिकरवार और बांसगांव से सदन प्रसाद पर पार्टी ने भरोसा जताया है। बता दें कि इंडिया गठबंधन के तहत कांग्रेस को प्रदेश में 17 सीटे मिली हैं। पार्टी ने इससे पहले जारी सूची में यूपी से एक भी महिला उम्मीदवार को टिकट नहीं दिया था, लेकिन आज गाजियाबाद से डॉली शर्मा को मौका दिया है। इस बात को लेकर कांग्रेस की आचोलना भी हो रही थी क्योंकि पार्टी का दावा था कि उदयपुर चिंतन शिविर में लिए गए फैसले के मुताबिक 50 फीसदी टिकट एससी, ओबीसी और महिलाओं को दिए जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि पहले दिन अमेठी और रायबरेली से उम्मीदवारों के नाम पर कोई चर्चा नहीं हुई। ऐसे में इन दोनों सीटों के उम्मीदवारों को लेकर निगाहें लगी हुई हैं। इस सूची में भी रायबरेली और अमेठी को लेकर खुलासा नहीं हुआ है।

भारत के सबसे भ्रष्ट राजनीतिज्ञों को भाजपा में पनाह: जयराम रमेश

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 27 मार्च। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कांग्रेस पार्टी ने तीखा सवाल पूछा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि दल बदलने वाले नेताओं का भाजपा से जुड़ना ये दिखाता है कि देश के सबसे भ्रष्ट राजनेताओं को बीजेपी खुलेआम पनाह दे रही है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों का सामना कर रहे नेताओं का भाजपा में रेड कारपेट वेलकम दिखाता है कि बीजेपी में नेताओं के शामिल होने में उनका दागी होना कोई अड़चन नहीं। जयराम रमेश ने यह टिप्पणी अपनी पार्टी छोड़कर / विलय करने के बाद भाजपा में शामिल होने वाले- कर्नाटक के पूर्व मंत्री जी जनार्दन रेड्डी के संदर्भ में की। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले, राजनीतिक हित साधने के लिए देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई जा रही है। खनन उद्योगपति जी जनार्दन रेड्डी के फिर से भाजपा में शामिल होने को लेकर बुधवार को जयराम रमेश ने कहा कि अवैध खनन मामले में आरोपी गंगावती के पूर्व विधायक ने पिछले साल कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के साथ दो दशक पुराना नाता तोड़ते हुए कल्याण राज्य प्रगति पक्ष (चक्कक्क) का गठन किया था। बाद में रेड्डी ने केआरपीपी का भाजपा में विलय कर

दिया। उन्होंने पत्नी अरुणा लक्ष्मी और परिवार के कुछ सदस्यों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और अन्य नेताओं की उपस्थिति में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अहम राजनीतिक घटनाक्रम पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, भारत के सबसे भ्रष्ट राजनेताओं को भाजपा में समायोजित कर दिया गया है। ऐसे फैसलों के पीछे दो कारक हैं। पहला- भागीदारी यानी न्यूनतम सरकार और अधिकतम लूट और दूसरा सुरक्षा यानी भाजपा में शामिल होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग (आईटी) जैसी एजेंसियों की कार्रवाई से बचें। रमेश ने चुनावी बॉन्ड का जिक्र करते हुए भी केंद्र सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर सीधा हमला बोला। रमेश ने आरोप लगाया कि सरकार ने भारत में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार को सामान्य कर दिया है। बकौल रमेश, भाजपा को जो कॉरपोरेट चंदा मिलता है उससे वे सरकारों को गिराने की कोशिश करते हैं। पैसे की ताकत का बेशर्मी से इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस नेता के मुताबिक, प्रधानमंत्री का नारा है और हमेशा रहेगा - चंदा जमाऊंगा, धंधा करूंगा, सबको खिलाऊंगा।

पवार खेमे के चुनाव चिह्न से तुरही बजाने वाले कलाकारों पर संकट

मुंबई, 27 मार्च। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार लोकसभा चुनाव 2024 में विपक्षी दलों के गठबंधन की धुरी की तरह माने जा रहे हैं। भले ही पवार की पार्टी निर्वाचन आयोग की तरफ से मिले नए चुनाव चिह्न के साथ आगामी चुनावों की तैयारियों में जुटी है, लेकिन उनके चुनाव चिह्न के कारण महाराष्ट्र के कलाकारों का एक तबका चिंतित है। दरअसल, पवार खेमे को निर्वाचन आयोग ने तुहरी बजाने वाले इंसान का चुनाव चिह्न दिया है। ताजा घटनाक्रम में महाराष्ट्र के तुरही बजाने वाले कलाकार इस बात को लेकर चिंतित हैं कि चुनावी माहौल में उनकी आमदनी प्रभावित हो सकती है। ऐसा आदर्श आचार संहिता के कारण होने की आशंका है। छत्रपति संभाजीनगर में पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाने वाले तुरही वादकों को धंधा चौपट होने का डर है। आम चुनाव और शादी का सीजन एक ही समय होने के कारण उन्हें इस बात की आशंका है कि शायद उन्हें शादियों एवं अन्य कार्यक्रमों में तुरही बजाने के काम पर नहीं रखा जाएगा। बता दें कि तुरही अंग्रेजी के 'सी' अक्षर की शक्ल में होती है। मेहमानों का स्वागत करने के लिए इसे बजाया जाता है। पहले तुरही राजाओं के आगमन पर बजाया जाता था। तुरही बजाने वाले कलाकारों के पेशे से जुड़े जयसिंह होलिये के मुताबिक यह पारंपरिक वाद्ययंत्र है। महाराष्ट्र में शादी और दूसरे समारोहों में इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर होता है। उन्होंने कहा, इस साल लोकसभा चुनाव और शादी का सीजन एक ही समय पर होने के कारण हमें डर है कि इस साल हमारा धंधा चौपट न हो जाए। एक अन्य तुरही वादक बाबूराव गुराव के मुताबिक, हमारे रोजमर्रा के जीवन में इस्तेमाल होने वाली चीज चुनावी निशान के रूप में राजनीतिक दलों की पहचान बन चुके हैं। हम इनसे बच नहीं सकते। हालांकि, उन्हें इस बात का भरोसा नहीं है कि एक प्रमुख राजनीतिक दल से जुड़ाव होने के कारण क्या शादियों और अन्य पारिवारिक कार्यक्रमों में तुरही को बजाने पर अंकुश लगेगा? उन्होंने कहा, राजनीतिक कार्यक्रमों के कारण हमारा धंधा छूट सकता है। आम तौर पर तुरही वादकों को सभी राजनीतिक दल चुनाव रैलियों में बुलाते हैं। लेकिन, अब हमें डर है कि शायद सभी राजनीतिक दलों से ऐसे ऑर्डर नहीं मिलें।

महा विकास अघाडी में सीट बंटवारे को लेकर छिड़ी रार

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 27 मार्च। लोकसभा चुनाव को लेकर तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। जहां एक तरफ भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अबतक 400 से अधिक उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतार दिया है। वहीं दूसरी ओर, इंडिया गठबंधन और तमाम अन्य गठबंधनों के बीच सीट बंटवारों को लेकर अभी भी मंथन का दौरा जारी है। इस बीच, उद्धव गुट के नेता अनिल देसाई ने कहा कि पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने दक्षिण मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में मेरा नाम घोषित किया है। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा कि हम उद्धव गुट के एकतरफा फैसला का विरोध करते हैं। शिवसेना(यूबीटी) नेता अनिल देसाई ने कहा कि पार्टी को जीत दिलाने के लिए मैं हर क्षेत्र में शामिल छह विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करूंगा। मैं मतदाताओं से मिलूंगा और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में पूछूंगा। साथ ही लोगों से उनकी उम्मीदों के बारे में भी चर्चा करूंगा। मुझे उम्मीद है कि हम इस लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करेंगे। इस बीच, शरद गुट के नेता जीतेंद्र आव्हाड ने कहा कि हमने सामान्य चर्चा की। शरद पवार महाराष्ट्र की राजनीतिक स्थिति के बारे में सभी से सुनना चाहते थे। इस दौरान हमने उन पांच सीटों पर गहन चर्चा की, जिस पर हमारी जीत

निश्चित है। अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। आखिरी फैसला जयंत पाटिल और शरद पवार की मीटिंग के बाद सामने आएगा। भिवंडी सीट पर अभी भी चर्चा जारी है, इस पर शरद पवार फैसला लेंगे। सीट बंटवारे पर बोलते हुए उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने बुधवार को कहा कि महा विकास अघाड़ी ने आखिरी तक प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी का इंतजार किया। हालांकि उनकी घोषणा के बाद भी हम इंतजार कर रहे थे। राउत ने कहा कि उनकी पार्टी का मानना है कि अब भी वीबीए के साथ बातचीत की जा सकती है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना सेना (यूबीटी) ने बुधवार को राज्य में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए 17 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की और कहा कि वह राज्य में कुल 22 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। डॉ बी आर आंबेडकर के पोते प्रकाश आंबेडकर ने चुनाव के चरण के लिए आठ उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की, जिनमें अकोला निर्वाचन क्षेत्र से खुद भी शामिल हैं। प्रकाश आंबेडकर ने एमवीए सहयोगियों - कांग्रेस, राकांपा (शरदचंद्र पवार), शिव सेना (यूबीटी) पर वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने के लिए अपने संगठन का इस्तेमाल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र, जिसमें 48 लोकसभा सीटें हैं, जो उत्तर प्रदेश (80) के बाद दूसरी सबसे बड़ी सीट है, 19 अप्रैल से शुरू होने वाले पांच चरणों में मतदान होगा। कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने कहा कि आज शिवसेना यूबीटी ने मुंबई की चार सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। उन्होंने एक सीट कांग्रेस के लिए छोड़ी है। इस तरह के फैसले का विरोध करता हूं। मैं शिवसेना (यूबीटी) का भी विरोध करता हूं। कांग्रेस नेतृत्व ने शिवसेना के साथ बातचीत की। उत्तर पश्चिम मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) ने जो उम्मीदवार खड़ा किया है, उन पर भ्रष्टाचारा के आरोप है। मैं ऐसे लोगों का प्रचार नहीं करूंगा।

नेपाल के मेयर की बेटी गोवा से लापता, दो दिन बाद भी कोई सुराग नहीं

काठमांडू। धनगढी उपमहानगरपालिका के मेयर गोपाल हमाल की बड़ी बेटी पिछले दो दिनों से गोवा से लापता है। ओशो के ध्यान शिविर में शामिल होने के लिए गई आरती हमाल से परिवार वालों का कोई भी संपर्क नहीं हो पा रहा है। पिता ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है।

धनगढी के मेयर गोपाल हमाल ने फेसबुक पर एक अपील जारी करते हुए अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने का आग्रह किया है। उन्होंने फेसबुक पोस्ट पर लिखा है कि उनकी बड़ी बेटी आरती हमाल गोवा में ओशो ध्यान शिविर में शामिल होने गई थी, लेकिन दो दिनों से उससे संपर्क नहीं हो पा रहा है। उन्होंने गोवा सरकार और गोवा पुलिस से अपनी बेटी को ढूंढने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने यह भी बताया है कि उनकी छोटी बेटी और दामाद उसे ढूंढने के लिए गोवा पहुंच चुके हैं। दो दिनों से लापता आरती को ढूंढने के लिए मेयर हमाल ने काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास के माध्यम से गोवा पुलिस से संपर्क किया है। उन्होंने बताया कि बेटी की अंतिम लोकेशन गोवा की जोरबा वाइब आस्विन ब्रिज है। दूतावास की पहल के बाद गोवा पुलिस ने गुमशुदगी का रिपोर्ट दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

हूती के हमलों से फिलिपिनो चालक दल को बचाने पर राष्ट्रपति ने भारत का जताया आभार

मनीला। फिलीपींस के राष्ट्रपति ने भारत का आभार व्यक्त किया है। दरअसल, इस महीने अदन की खाड़ी में हूती विद्रोहियों द्वारा एक व्यापारिक जहाज के चालक दल को पकड़ लिया गया था। छह मार्च को भारतीय नौसेना की चिकित्सा टीम ने एमवी कॉन्फिडेंस के सभी चालक दल के सदस्यों को बचाया और उन्हें महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान की। भारत की तेज और निर्णायक कार्रवाई पर फिलिपिनो राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने अपना आभार प्रकट किया।

द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ऑपरेशन के दौरान दो फिलिपिनो सहित चालक दल के तीन सदस्यों की मौत हो गई। हमले में जीवित बचे सभी फिलिपिनो सदस्यों को वापस भेज अपने देश भेज दिया गया। राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि एमवी टू कॉन्फिडेंस घटना में शामिल फिलिपिनो नाविकों को बचाने के लिए भारत की त्वरित कार्रवाई के लिए मैं भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि मैं हमारे द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उत्सुक हूं।

जयशंकर का फिलीपींस दौरा

बता दें, सिंगापुर दौरा खत्म कर केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर मंगलवार को फिलीपींस पहुंचे हैं। फिलीपींस के विदेश मंत्री एनरिके मनालो के साथ जयशंकर ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि भारत अपनी राष्ट्रीय संप्रभुत्ता को बनाए रखने के लिए फिलीपींस का समर्थन करता है। जयशंकर ने कहा कि मनीला में मनालो के साथ उन्होंने चर्चा की, जो बहुत अच्छी रही। उन्होंने कहा कि मैं इस अवसर पर फिलीपींस की राष्ट्रीय संप्रभुता को बनाए रखने के लिए भारत के समर्थन को दोहराता हूं। हर देश को अपनी संप्रभुता को बनाए रखने और उसे लागू करने का पूरा अधिकार है।

मॉस्को आतंकी हमले को लेकर रूसी खुफिया प्रमुख ने किया बड़ा दावा; इन देशों पर साधा निशाना

मॉस्को। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) के प्रमुख अलेक्जेंडर बोर्टनिकोव ने मॉस्को आतंकी हमले को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। क्रोकस सिटी हॉल हमले की चल रही जांच के बीच बोर्टनिकोव ने मंगलवार को कहा कि हमले के पीछे अमेरिका, ब्रिटेन और यूक्रेन का हाथ है। मॉस्को में आयोजित एक बैठक में बोर्टनिकोव कहा, अभी हम हमारे पास जो मौजूद तथ्यात्मक जानकारी है उसी के आधार पर बात कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन यह साबित करने की कोशिश कर रहा है कि वह 'काफी सक्षम' है। अपनी क्षमता साबित करने के लिए उसने घात आतंकी कुकृत्य को अंजाम दिया। उन्होंने फिर दोहराया कि यूक्रेन, ब्रिटेन और अमेरिका ने पूर्व में भी रूस में इस तरह के हमले करवा चुके हैं। बोर्टनिकोव ने कहा, रूस में ड्रोन से हमले हुए, समुद्र में बिना चालक वाली नावों पर हमले किए गए, हमारे क्षेत्र में तोड़फोड़ करने वालों और आतंकवादी संगठनों के समूहों से घुसपैठ कराई गई। उन्होंने बताया कि पश्चिम और यूक्रेन हमारे देश को अधिक नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। 22 मार्च को मॉस्को शहर के पास एक उपनगर में स्थित क्रोकस सिटी कॉन्सर्ट हॉल में घुसकर आतंकियों ने गोलीबारी और विस्फोट किया था। इस आतंकी हमले में 139 लोगों की मारे गए और 182 अन्य घायल हुए हैं। इस्लामिक स्टेट ने इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली थी। रूस के सुरक्षा बलों ने आतंकी हमले में शामिल होने के संदेह में कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें चार बंदूकधारी भी शामिल हैं। हमले के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आरोप लगाया था कि हमारी शुरुआती जानकारी के अनुसार यूक्रेन आतंकवादियों को हमारी सीमा में घुसाने के लिए रास्ता बनाया था। साथ ही पुतिन ने हमले में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें दंडित करने की कसम खाई थी। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा था कि मॉस्को के बाहर कॉन्सर्ट हॉल पर हुए हमले के लिए कट्टरपंथी इस्लामवादी जिम्मेदार हैं, लेकिन यूक्रेन को इस जघन्य अपराध से अलग नहीं किया जा सकता है।

बाल्टीमोर हादसे में लापता छह लोगों की मृत मान लिया गया, तलाशी अभियान समाप्त, बाइडेन ने दुख जताया

वाशिंगटन। अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर में पटाप्सको नदी पर बने ऐतिहासिक फ्रांसिस स्कॉट ब्रिज (पुल) से एक मालवाहक जहाज टकरा गया। इसके बाद पलक झपकते ही यह ब्रिज ढह गया। इस हादसे के दौरान कई लोग और कारें नदी में गिर गईं। इस दौरान लापता छह लोगों की नदी में तलाश की गई। कोई पता न चलने पर आखिरकार उन्हें मृत मान लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी कोस्ट गार्ड ने लापता छह लोगों की तलाश को समाप्त करने की घोषणा की है। रियर एडमिरल शैनन गिलरेथ ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अब इस बात की कम ही उम्मीदें हैं कि हादसे के बाद लापता हुए छह लोग जीवित होंगे। मैरीलैंड के गवर्नर वेस मूर के अनुसार, मालवाहक जहाज के चालक ने हादसे से पहले मदद भी मांगी थी। आशंका जताई

जा रही है कि बिजली की समस्या के कारण मालवाहक जहाज पुल से टकराया होगा, जिस वजह से यह हादसा हुआ। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक दुर्घटना है। हमारी प्रार्थनाएं इस हादसे में शामिल सभी लोगों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद बाल्टीमोर बंदरगाह में जहाज यातायात को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है।

रूस की जेल में बंद अमेरिकी पत्रकार की गिरफ्तारी की अवधि बढ़ाई

मॉस्को। मॉस्को की एक अदालत ने एक साल पहले गिरफ्तार किए गए वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार इवान गर्शकोविच को कम से कम 30 जून तक जेल में रखने का आदेश दिया। उन्हें जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। अदालत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अमेरिका के 32 वर्षीय नागरिक को रिपोर्टिंग के सिलसिले में की गई यात्रा के दौरान साल 2023 में मार्च के आखिर में गिरफ्तार किया गया था। वह लगभग एक साल से जेल में हैं और अब अदालत ने 30 जून तक उनकी गिरफ्तारी की अवधि बढ़ा दी है। गर्शकोविच और उनके नियोक्ता ने आरोपों को खारिज कर दिया। अमेरिकी सरकार ने भी कहा कि उन्हें गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। रूस के एकातेरिनबर्ग शहर में उनको गिरफ्तार किया गया था, लेकिन अधिकारियों ने यह नहीं बताया था कि जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किए गए पत्रकार के खिलाफ यदि कोई सबूत है तो वह क्या है। मॉस्को की लेफोतोर्वा जेल में गर्शकोविच को रखा गया है, जो अपनी कठोर परिस्थितियों के लिए कुख्यात है। विश्लेषकों ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ सैन्य अभियान से वाशिंगटन और मास्को के बीच उपजे तनाव के चलते रूस अपने यहां जेल में बंद अमेरिकियों को सौदेबाजी के साधन के रूप में इस्तेमाल कर सकता है। रूस ने हाल ही में अमेरिका के दो नागरिकों को गिरफ्तार किया था, जिसमें डब्ल्यूएनबीए स्टार ब्रिटनी ग्रिनर भी शामिल हैं। गर्शकोविच सितंबर 1986 के बाद से रूस में जासूसी के आरोप में गिरफ्तार होने वाले पहले अमेरिकी पत्रकार हैं। 1986 में यूएस न्यूज और वर्ल्ड रिपोर्ट के मॉस्को संवाददाता निकोलस डैनिलॉफ को केजीबी ने गिरफ्तार किया था। 20 दिन बाद उन्हें संयुक्त राष्ट्र मिशन में सोवियत संघ के एक कर्मचारी की रिहाई के बदले छोड़ा गया था। इस कर्मचारी को एफबीआई ने जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया था।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती हमला, पांच चीनी नागरिकों सहित छह मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर-पख्तूनख्वा में चीनी नागरिकों वाली बस में विस्फोटक से भरे एक वाहन ने को टक्कर मारने से कम से कम पांच चीनी नागरिकों सहित छह व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी अधिकारियों ने दी।

ये चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि प्रांत के शांगला जिले के बिशम इलाके में हुई घटना में कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय हुई जब इस्लामाबाद से कोहिस्तान जा रही एक

बस को विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुहम्मद अली गंडापुर ने घटना और मरने वालों की संख्या की पुष्टि की और कहा कि यह संभवत- एक आत्मघाती हमला था। गंडापुर ने मीडिया को बताया, हमले में पांच चीनी नागरिक और उनका पाकिस्तानी चालक मारा गया। अभी तक किसी भी समूह ने इस हमले की

जिम्मेदारी नहीं ली है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी यहां स्थित चीनी दूतावास पहुंचे और चीनी राजदूत जियांग जैदोंग से मुलाकात की। उन्होंने संवेदना व्यक्त की और राजदूत को यह भी आश्वासन दिया कि पाकिस्तान सरकार दोषियों को न्याय के कटघरे में लाएगी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमले की कड़ी निंदा की और चीनी नागरिकों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक बयान में कहा, पाकिस्तान विरोधी तत्व पाकिस्तान-चीन दोस्ती को नुकसान पहुंचाने में कभी सफल नहीं होंगे। जरदारी ने चीनी नागरिकों के परिवारों और पड़ोसी देश की सरकार के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की। इस बीच, पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी हमले की जगह पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू की। उन्होंने शवों को निकालने में भी मदद की।

जानकारी के मुताबिक बिशम थाना प्रभारी (एसएचओ) बख्त जहीर के हवाले से बताया कि घटनास्थल पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और शवों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। एसएचओ ने कहा, हम जांच करेंगे कि आत्मघाती हमलावर का वाहन कहां से और कैसे आया और यह कैसे हुआ। शांगला, कोहिस्तान के करीब है, जहां 2021 में एक आतंकवादी हमले में नौ चीनी समेत 13 लोग मारे गए थे। साठ अरब अमेरिकी डॉलर वाले चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के तत्वावधान में चल रही कई परियोजनाओं पर हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में काम कर रहे हैं।

मलयेशिया के विदेश मंत्री से मिले जयशंकर, आपसी रिश्तों समेत इन मुद्दों पर चर्चा

कुआलालंपुर । भारत और मलयेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों में मजबूती आ रही है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद मलयेशिया के विदेश मंत्रालय द्वारा यह आधिकारिक बयान जारी किया गया है। दरअसल बुद्धवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मलयेशिया में अपने समकक्ष मोहम्मद बिन हाजी के साथ मुलाकात की। इस दौरान पारस्परिक हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की गई।

आपको बता दें कि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर सिंगापुर, फिलीपींस और मलयेशिया के दौरे पर हैं। इस यात्रा का तीसरा और आखिरी चरण मलयेशिया है। इससे पहले फिलीपींस और सिंगापुर में भी जयशंकर द्वारा यात्राएं और सार्थक मुलाकातें की गई हैं।

मुलाकात में इन मुद्दों पर चर्चा बभारत और मलयेशिया के विदेश मंत्रियों ने सातवीं संयुक्त आयोग की बैठक आयोजित कराने पर भी चर्चा की। इससे पहले हसन द्वारा पदभार संभालने के बाद दिसंबर 2023 में दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की मुलाकात हुई थी। इस बार इस यात्रा का उद्देश्य भारत और मलयेशिया के बीच सहयोग को मजबूत करना है। इसके साथ ही साझा चुनौतियों और अवसरों की समझ को बढ़ाना है। मलेशिया के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, 2023 में भारत ने मलयेशिया के 12वें सबसे बड़े वैश्विक व्यापार भागीदार की भूमिका अदा की थी। यह व्यापार कुल मिलाकार 16.53 बिलियन डॉलर था।

भारत ने निभाया वादा, भूटान को पांच अरब डॉलर की मदद भेजी; अब इस परियोजना पर होगा काम

थिम्फू। भूटान की मदद के लिए भारत की तरफ से 5 अरब डॉलर की दूसरी किश्त भेजी गई है। इस किश्त की मदद से भूटान में ग्यालसुंग परियोजना से संबंधित बुनियादी ढांचे का विकास होगा। भूटान में भारत के राजदूत सुधाकर दलेला ने भूटान के विदेश मंत्री ल्योनपो डी.एन. धुंगयेल से मुलाकात कर किश्त सौंपी। भूटान में भारतीय दूतावास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि इस किश्त के साथ ही भारत ने भूटान के साथ हुए समझौते के तहत शाही सरकार के लिए कुल दस अरब रुपये जारी कर दिए हैं। इससे पहले 28 जनवरी 2024 को भी भारत ने भूटान के लिए पांच अरब रुपये की किश्त जारी की थी। दरअसल भारत और भूटान के बीच जनवरी 2024 में एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे। इस एमओयू के अनुसार भारत द्वारा भूटान को 15 अरब रुपये की मदद की जाएगी। यह अतिरिक्त मदद भूटान के ग्यालसंग में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दी जा रही है। जनवरी 2023 में भी भारत ने डेसुंग फॉर ग्यालसंग कार्यक्रम के लिए दो अरब रुपये का अनुदान दिया था। भूटान में भारतीय दूतावास ने

अपने आधिकारिक बयान में कहा कि भूटान के साथ साझेदारी करना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस एमओयू का मुख्य उद्देश्य भूटान के युवाओं की क्षमताओं को विकसित करना और उन्हें राष्ट्र-निर्माण के लिए सक्षम बनाना है।

पीएम मोदी ने किया था भूटान दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 और 23 मार्च को भूटान की यात्रा की थी। इस दौरान उन्होंने थिम्पू को विकास कार्यों में भारत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और उसे अगले पांच साल में 10,000 करोड़ रुपये की सहायता मुहैया करने का संकल्प लिया। पीएम मोदी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे के साथ थिम्पू में भारत के सहयोग से निर्मित महिलाओं और बच्चों के लिए एक आधुनिक अस्पताल का उद्घाटन भी किया था।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में चुनाव के दौरान भारतीय छात्र के खिलाफ नफरती अभियान शुरू

लंदन। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में छात्र संघ चुनाव हो रहे हैं। मैं भी चुनाव में खड़ा हो रहा हूं। वोटिंग से ठीक 12 घंटे पहले बहुत ही सुनियोजित तरीके से मेरे खिलाफ अभियान चलाया गया। मुझे उन्होंने इधर-उधर से कुछ करके भाजपा से जोड़ दिया। मुझे फासीवादी बताया गया। मेरे खिलाफ यहां नफरती अभियान चलाया जा रहा हैज्यह आरोप है सत्यम सुराणा का। सुराणा वही भारतीय छात्र है, जिसने पिछले साल ब्रिटेन में स्थित भारतीय उच्चायोग पर हुए चरमपंथी हमलों को चुनौती देते हुए सड़क से तिरंगा उठाया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सुराणा का जन्म पुणे में हुआ था। सुराणा ने कुछ महीने बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की और फिर लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एलएलएम के लिए दाखिला ले लिया। इस साल सुराणा का एमएलएम खत्म हो जाएगा।

मामले की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि फरवरी और मार्च की शुरुआत में एलएसई चुनाव घोषित किए गए थे। मैंने महासचिव पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। 14-15 मार्च को मैंने देखा कि

मेरे पोस्टर फाड़े जा रहे हैं। मैंने अधिकारियों से शिकायत की। पोस्टर बदल दिए गए लेकिन थोड़ी देर बाद उन पोस्टर पर मेरे चेहरे पर क्रॉस का निशान बना हुआ था। इसमें लिखा था कि सत्यम के अलावा कोई भी। 17 मार्च की दोपहर एलएसई के सभी ग्रुप्स में एक संदेश था, जिसमें दावा किया गया कि सत्यम भाजपा समर्थक है। वह फासीवादी व्यक्ति है। वह इस्लामोफोबिक है। वह ट्रांसफोबिक है। कट्टरपंथियों ने सोशल मीडिया से मेरे कुछ पोस्टों का भी स्क्रीनशॉट ले लिया, जिसके बुनियाद पर वे मुझे फासीवादी कह रहे हैं। सत्यम ने बताया कि मेरे घोषणा पत्र में कोई भी राजनीतिक मुद्दा नहीं था। मेरे पास सिर्फ परिसर के वास्तविक मुद्दे थे। शुरुआत में मुझे जबरदस्त समर्थन मिला। लेकिन अब इन सभी चीजों से मेरे जीतने के चांस कम हो गए। मैं अपनी पूरी टीम के साथ हर विभाग में गया। मैंने पूरा परिसर घूमा। मेरे घोषणापत्र में कहा गया है कि कैसे चीजों में सुधार की जरूरत है, जैसे एलएसई परिसर में सब्सिडी वाले भोजन की व्यवस्था, शिकायत निवारण पोर्टल की आवश्यकता आदि। हमें समर्थन मिल रहा था और लोग कह रहे थे।

बीते 10 वर्षों में 38400 प्रवासियों की डूबने की वजह से गई जान, यूएन रिपोर्ट में चौंकाने वाले आंकड़े

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन की तरफ से एक रिपोर्ट जारी की गई है। इस रिपोर्ट के में बताया गया है कि बीते 10 वर्षों में 64,000 प्रवासियों की मृत्यु हुई है। इनमें से करीब 38,400 प्रवासियों की मौत समुद्र में डूबने से हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भूमध्य सागर में सबसे ज्यादा 27,000 प्रवासियों की मौतें हुई हैं।

खतरनाक भूमध्य सागर में मारे गए 27,000 प्रवासी

भूमध्य सागर के रास्ते कई प्रवासी उत्तरी अमेरिका से दक्षिणी यूरोप जाने की कोशिश करते हैं।

आईओएम के डेटा विश्लेषक एंड्रिया गार्सिया बोरजा ने बताया कि भूमध्य सागर खतरनाक क्षेत्र है और यहां यात्राएं करना बेहद जोखिम भरा साबित होता है। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों की तुलना में भूमध्य सागर के आंकड़ों को काफी गहनता से देखा गया है। उनके मुताबिक सहारा रेगिस्तान जैसे क्षेत्रों की निगरानी करना कठिन था क्योंकि वहां का विश्वसनीय डेटा आना मुश्किल था।

वर्ष 2023 में प्रवासन मार्गों पर 8,500 लोगों की मौत

आधे से अधिक मामलों में, आईओएम प्रवासी का लिंग या उम्र जानने में असमर्थ रहा। जिन जगहों में प्रवासी की पहचान की जा सकती है, वहां एक-तिहाई से अधिक प्रवासी संघर्ष वाले देशों या बड़ी शरणार्थी आबादी वाले देशों से आए थे। यह रिपोर्ट बताती है कि 2023 में दुनिया भर के प्रवासन मार्गों पर 8,500 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। आईओएम का कहना है कि इस लिहाज से साल 2023 सबसे खतरनाक साल कहा जा सकता है। साल 2024 के आंकड़े भी चिंताजनक हो सकते हैं।

आईओएम के अनुसार इन रास्तों पर मजबूत बचाव क्षमताएं और सुरक्षित प्रवासन मार्ग की बेहद आवश्यकता है। समुद्र में, संकट में फंसे प्रवासियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून की अधिक सहायता की आवश्यकता है।

पश्तून कार्यकर्ता का दावा:'मॉस्को आंतकी हमले के तार पाकिस्तान में हुए धमाकों से जुड़े, बहुत कुछ होने वाला है'

इस्लामाबाद। पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि न केवल पाकिस्तान बल्कि पूरी दुनिया खतरे में है। दरअसल उन्होंने आरोप लगाया है कि मॉस्को में हुए आतंकी हमले और खैबर पख्तूनख्वा के शांगला जिले में हुए हमले के बीच एक जैसे संबंध प्रतीत हो रहे हैं।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला

बता दें कि खैबर-पख्तूनख्वा में मंगलवार को विस्फोटक से भरे एक वाहन ने एक बस को टक्कर मार दी थी। इस दौरान बस में सवार कम से कम छह पांच नागरिकों की मौत हो गई थी। चीनी नागरिक दासू जलविद्युत परियोजना पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि शांगला जिले के बिशम इलाके में हुई घटना

में कई अन्य घायल हो गए। घटना उस समय हुई, जब इस्लामाबाद से कोहिस्तान जा रही एक बस को सामने से आ रहे एक वाहन ने टक्कर मार दी।

पाकिस्तान और मॉस्को में एक जैसा हमला- अफरीदी

पश्तून तहफ्फुज मूवमेंट के सदस्य फजल-उर-रहमान अफरीदी का कहना है कि पाकिस्तान और मॉस्कों में हुए आतंकी हमले एक जैसे प्रतीत हो रहे हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान सरकार के ही कुछ लोगों द्वारा प्रशिक्षित आतंकवादियों और आईएसआईएस को साथ लेकर से ऐसी आतंकी घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा है।

भूकंप के तेज झटकों से हिला फिजी, 6.4 की तीव्रता के साथ कांपी धरती; फिलहाल नुकसान की सूचना नहीं

फिजी। फिजी में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप सुवा में आया और इसका असर काफी दूर तक रहा। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 6.4 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के झटके सुबह छह बजकर 58 मिनट पर दर्ज किए गए। फिलहाल किसी भी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

क्यों आता है भूकंप?

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

जानें क्या है भूंकप के केंद्र और तीव्रता का मतलब?

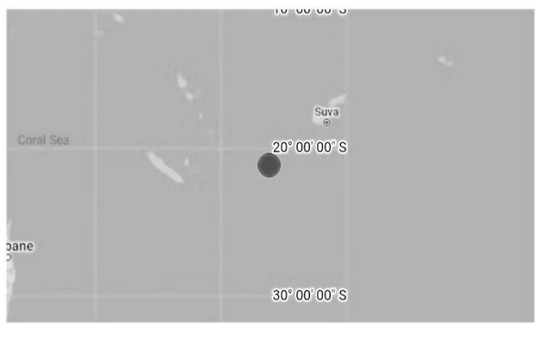

भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है। फिर भी यदि रिक्टर स्केल पर 7 या इससे अधिक की तीव्रता वाला भूकंप है तो आसपास के 40 किमी के दायरे में झटका तेज होता है। लेकिन यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि भूकंपीय आवृत्ति ऊपर की तरफ है या दायरे में। यदि कंपन की आवृत्ति ऊपर को है तो कम क्षेत्र प्रभावित होगा।

कैसे मापा जाता है भूकंप की तिव्रता और क्या है मापने का पैमाना?

भूंकप की जांच रिक्टर स्केल से होती है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। भूकंप को इसके केंद्र यानी एपीसेंटर से मापा जाता है। भूकंप के दौरान धरती के भीतर से जो ऊर्जा निकलती है, उसकी तीव्रता को इससे मापा जाता है। इसी तीव्रता से भूकंप के झटके की भयावहता का अंदाजा होता है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बचपन बचाओ आंदोलन ने बर्बरता की शिकार नाबालिग घरेलू सहायिका को मुक्त कराया

नई दिल्ली। एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन जिसे बचपन बचाओ आंदोलन के नाम से जाना जाता है, ने होली के दिन बर्बरता की शिकार एक नाबालिग घरेलू सहायिका को मुक्त कराया। बच्ची की शिकायत पर आरोपित के खिलाफ गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। मामला दर्ज करने के बाद पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी की रहने वाली इस बच्ची को चिकित्सा जांच के लिए ले जाया गया जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे अस्पताल में भर्ती कर लिया। बचपन बचाओ आंदोलन के अनुसार उन्हें सोमवार को किसी ने फोन कर सूचित किया कि गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में एक घरेलू सहायिका के साथ बर्बरता की गई है और उसकी स्थिति गंभीर है। सूचना के बाद बचपन बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और बच्ची को मुक्त कराया। कार्यकर्ताओं ने पाया कि बच्ची के दोनों हाथ सूजे हुए थे और उसके कान एवं चेहरे सहित शरीर का हर हिस्सा जख्मी था। उसकी पीठ पर बेलन से मारा गया था जिसकी वजह से वो बोल नहीं पा रही थी। गर्दन पर जले एवं कटे के निशान भी थे। दाएं पैर में खौलता हुआ पानी डाला गया था जिसकी वजह बच्ची के पैर जल गए थे। बाएं पैर में जख्म था जो पिटाई की वजह से फट गया था और एक जगह टांग में हड्डियों से खून रिस रहा था।

बचपन बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता उसे लेकर इंदिरापुरम थाने पहुंचे और उसकी नियोक्ता रीना शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। बच्ची पिछले एक साल से यहां काम कर रही थी। बच्ची ने बताया कि होली की रात रीना शर्मा ने उन्हें बेरहमी से पीटा और मदद के लिए पुकार लगाने पर वह उसके सीने पर बैठ गई।

उत्तर- पूर्वी दिल्ली में एक रेस्तरां मालिक की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर- पूर्वी दिल्ली में स्थित न्यू उस्मानपुर इलाके में अज्ञात हमलावरों ने एक रेस्तरां के 32 वर्षीय मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। रेस्तरां मालिक संजय सिंह जब मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को रेस्तरां से लौट रहे थे तो उस दौरान हमलावरों ने उनके घर के पास हमला कर दिया। सिंह पर हत्या का एक मामला दर्ज है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सिंह के एक दोस्त ने उन्हें सड़क पर घायल स्थिति में पड़े हुए देखा और उनके छोटे भाई नितिन को इस बारे में जानकारी दी। नितिन एक डेयरी का मालिक है। अधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही नितिन घटनास्थल पर पहुंचा और सिंह को हनुमान मंदिर वाली गली के पास खून से लथपथ पाया। पुलिस के अनुसार, सिंह के सिर, दाहिने कंधे, कोहनी और पेट में चोट लगी थी। उन्हें जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि घटनास्थल पर सात कारतूस के खोखे, 7.65 मिमी का एक कारतूस सहित अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद हुआ है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि सिंह के खिलाफ रविंदर नाम के एक व्यक्ति की हत्या का मामला दर्ज था। दोनों एक ही इलाके में रहते थे। अधिकारी ने कहा, 'पुलिस सिंह की हत्या करने वालों की पहचान करने के प्रयास कर रही है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।' उन्होंने कहा कि इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं पर जांच की जाएगी।

पूरे सप्ताह छाए रहेंगे बादल, तापमान बढ़ेगा तो वहीं होगी हल्की बूंदाबांदी

नई दिल्ली। राजधानी में होली के मौके पर जहां एक-दो जगह बारिश की बूंदे गिरीं वहीं आने वाले दिनों में पिश्चमी विझोभ के चलते मौसम खुशनुमा बना रहेगा। वीरवार को भी जहां कुछ जगहों पर बूंदाबांदी के आसार हैं तो वहीं बुधवार को भी आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्लीवासियों के लिए मौसम अच्छा रहा और 34.6 डिग्री तापमान के बावजूद बाहर बादलों का डेरा होने से तेज धूप का असर भी ज्यादा नहीं रहा। हां, न्यूनतम तापमान भी बढ़कर 17.7 डिग्री दर्ज किया गया और यह बुधवार को बढ़ेगा लेकिन आंशिक तौर पर बादल छाए रहने से तेज धूप नहीं दिखेगी। मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि आने वाले सप्ताह में गरमी का असर ज्यादा नहीं दिखेगा। वीरवार, शुक्रवार को भी हल्की बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। हांलाकि तापमान 35-36 डिग्री और न्यूनतम 19 तक पहुंचने के आसार हैं। इससे गरमी तो लगेगी लेकिन तेज धूप से उसका असर कम जरूर महसूस होगा। मंगलवार को हवा का स्तर भी मध्यम दर्जे में 134 दर्ज किया गया।

दिल्ली में एक बार फिर ED का एक्शन, आप के एक और नेता दिपक सिंघला के आवास पर छापेमारी

नई दिल्ली। दिल्ली में एक बार फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम एक्शन में है। आज बुधवार को ईडी की टीम आम आदमी पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी दीपक सिंघला के घर रेड डाली है। सिंघवा विश्वास नगर से आप के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। सीएम केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद सिंघवा दूसरे आम आदमी के नेता हैं जिनके आवास पर रेड हुई है। इससे पहले आप के विधायक गुलाब सिंह यादव के आवास पर भी 23 मार्च को रेड की गई थी।

सुनीता केजरीवाल बोलीं- छापे में न पैसा मिला, न सबूत; सीएम 28 मार्च को कोर्ट में करेंगे खुलासा

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मुख्यमंत्री जी को आपकी चिंता है। उन्होंने शराब घोटाले पर कहा कि 28 मार्च को अरविंद केजरीवाल कोर्ट में खुलासा करेंगे।

28 मार्च को सीएम कोर्ट में करेंगे खुलासा

आगे कहा कि अरविंद जी ने मुझे एक बात और कही, इस शो कॉल्ड शराब घोटाले में दो साल में कई जगह रेड मारी। लेकिन एक भी पैसा नहीं मिला। सिसौदिया जी के यहां, संजय जी के यहां रेड मारी, हमारे यहां रेड मारी लेकिन उन्हें एक भी पैसा नहीं है। मेरा शरीर जेल में है लेकिन मेरी आत्मा आप लोगों के बीच है। आप लोग आंखे बंद कीजिए और महसूस कीजिए।

पत्नी सुनीता बोलीं- जेल से आतिशी को भेजा था संदेश

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने कहा कि कल शाम मैंने अरविंद जी से जेल में मुलाकात की। दो दिन पहले उन्होंने दिल्ली की जल मंत्री आतिशी को संदेश भेजा था कि पानी और सीवर की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। इस बात पर केंद्र सरकार ने मुख्यमंत्री पर केस कर दिया, क्या वे दिल्ली को तबाह करना चाहते हैं?

आगे कहा कि अरविंद जी ने मुझसे कहा कि इस शराब घोटाले की जांच में ईडी ने पिछले दो साल में 250 से ज्यादा छापेमारी की। अभी तक किसी भी छापेमारी में पैसा

बरामद नहीं हुआ। आगे कहा कि इसका खुलासा वे 28 मार्च को अदालत में करेंगे। वे इसका सबूत भी देंगे।

हर दिन ईडी दफ्तर जाती हैं सुनीता केजरीवाल

जानकारी के लिए बता दें कि अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल उनसे मिलने मंगलवार को भी ईडी दफ्तर पहुंचीं। उससे पहले रविवार को भी उन्होंने मुलाकात की थी। जब से केजरीवाल ईडी की हिरासत में गए हैं तभी से वह हर दिन शाम को उनसे मुलाकात करने जाती हैं। बीती शाम को भी सुनीता केजरीवाल ने मुलाकात की थी।

कोर्ट ने दी है मिलने की अनुमति

पीएमएलए मामलों में विशेष अदालत ने केजरीवाल के वकीलों के अलावा उनकी पत्नी सुनीता और केजरीवाल के निजी सहायक बिभव कुमार को हर दिन शाम 6-7 के बीच आधे घंटे के लिए उनसे मिलने की अनुमति दी थी।

जानें सीएम का क्या था पहला संदेश

इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने जेल से जनता के लिए अपना संदेश अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल के माध्यम से ही सुनाया था। इस संदेश में उन्होंने जल्द जेल से बाहर आने का भरोसा दिखाया। साथ ही, आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं से दिल्ली सरकार की योजनाओं को आगे चालू रखने की बात भी कही थी।

लेकिन जिस तरह उन्होंने अपना संदेश देने के लिए किसी दूसरे नेता की बजाय अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को चुना है, उससे यह संकेत मिल रहा है कि यदि अरविंद केजरीवाल को जेल जाने के कारण इस्तीफा देना पड़ता है, तो मुख्यमंत्री पद पर सुनीता केजरीवाल ही उनकी पहली पसंद हो सकती हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ उतरे वकील, शिकायत पर हाईकोर्ट का दो टूक जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी की लीगल सेल दिल्ली की सभी कोर्ट में प्रदर्शन करेगी। जिसके खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से इसकी शिकायत की गई है। शिकायत पर हाईकोर्ट ने टिप्पणी की है। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में उन्हें ईडी की हिरासत में भेजने के ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई टल गई है।

वकीलों के प्रदर्शन पर कोर्ट का दो टूक जवाब

हाईकोर्ट ने कहा कि इससे बेहतर समझ कायम होगी। कुछ नहीं होगा। बहुत से लोग बहुत सी बातें कहते हैं। अगर वे अदालत परिसर में प्रदर्शन आयोजित करते हैं, तो वे इसे अपने जोखिम पर करेंगे। इसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे। कोर्ट जाने का अधिकार मौलिक अधिकार है। किसी को रोका नहीं जा सकता। अगर आम लोगों को कोई रोकेगा तो बहुत गंभीर परिणाम होंगे।

आम आदमी पार्टी की लीगल

सेल की ओर से दिल्ली की सभी कोर्ट में विरोध प्रदर्शन के आह्वान के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश से शिकायत की थी। वकील के एक पत्र में कहा गया था कि राजनीतिक दलों के लिए अदालत परिसर को युद्ध के मैदान के रूप में इस्तेमाल करना पेशेवर नैतिकता का घोर कदाचार है। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के नियमों का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों के निर्देशों का भी उल्लंघन है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे वकील

जानकारी के लिए बता दें कि शराब उत्पाद शुल्क नीति मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ आम आदमी पार्टी की लीगल सेल ने आज दोपहर 12.30 बजे दिल्ली की अदालतों में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया है। वहीं दूसरी तरफ हाईकोर्ट प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्तारी और ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई हुई। ईडी ने कोर्ट से और समय मांगा है। फिलहाल, सुनवाई को टाल दिया गया है। बता दें कि 20 जुलाई, 2022 को उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा की गई शिकायत पर सीबीआई ने दर्ज किया गया था। यह आरोप लगाया गया है कि साजिश के तहत नीति में जानबूझकर छोड़ी गई या बनाई गई खामियां शामिल थीं। ये खामियां कथित तौर पर निविदा प्रक्रिया के बाद कुछ शराब लाइसेंसधारियों और साजिशकर्ताओं को फायदा पहुंचाने के लिए थीं। इस मामले में सिसौदिया और आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह पहले से ही जेल में हैं। 15 मार्च 2024 को ईडी ने मामले में भारत राष्ट्र समिति के विधायक और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी के.कविता को भी गिरफ्तार किया था। इसके बाद ईडी ने 10वें समन पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर छापा मारा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सरोजनी नगर मार्केट, दुकानदारों, ग्राहकों से बांसुरी स्वराज ने मांगे बीजेपी घोषणापत्र के लिए सुझाव

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा के द्वारा लोकसभा चुनाव के लिए जनता से सुझाव लेने के लिए सुझाव वैन एवं सुझाव पेटिकाएं रोजाना दिल्ली की सातों संसदीय क्षेत्रों में चलाई जा रही हैं और आर.डब्लू.ए. एवं व्यपारिक संगठनों के सहयोग से सुझाव लिए जा रहे हैं। भाजपा की चुनाव घोषणापत्र कमेटी की

बैठक बुधवार को प्रदेश कार्यालय में समिति अध्यक्ष जगदीश मुखी की अध्यक्षता में होगी जिसमें प्रदेश एवं जिला घोषणापत्र समितियों के प्रतिनिधी सम्मलित होंगे। आज नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने सरोजिनी नगर मार्किट में दुकानदारों की एसोसिएशनों पदाधिकारियों, दुकानदारों एवं खरीदारी कर रहे ग्राहकों से भाजपा के संकल्प पत्र के सुझाव मांगे। बांसुरी स्वराज ने कहा कि हम अपने संकल्प पत्र को भी जन आपेक्षाओं पर आधारित कर बनाएंगे।

लोकतंत्र बचाने के लिए महारैली में शामिल होंगे 'इंडिया' के प्रमुख नेता, 'आप' ने तेज की तैयारी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के समर्थन और लोकतंत्र को बचाने के लिए 31 मार्च को रामलीला मैदान में होने वाली इंडिया गठबंधन की महारैली ऐतिहासिक होगी। 'आप' के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली के अंदर छात्र-युवा, आरडब्ल्यूए, एनजीओ, सामाजिक संगठनों को रैली में पहुंचने के लिए निमंत्रण दिया जा रहा है। 27 मार्च को दिल्ली के सभी पोलिंग स्टेशनों पर पदाधिकारी एवं पार्षद जनता के साथ बैठक करेंगे।

28 मार्च से 2600 टीमें घर-घर जाकर लोगों को रामलीला मैदान में आने के लिए निमंत्रण देंगी। मंत्रियों और विधायकों को ऑब्जर्वर बनाया गया है, जो विधानसभाओं में जाकर महारैली की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि आज अगर तानाशाह सरकार चुने हुए मुख्यमंत्री को उठा सकती है तो कल किसी भी आवाज उठाने वाले को उठा सकती हैं। अब यह लड़ाई देश के संविधान और लोकतंत्र से मोहब्बत करने वाले हर व्यक्ति की लड़ाई बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि इस महारैली में पूरे देश से इंडिया गठबंधन के सभी प्रमुख नेता शामिल होने के लिए आ रहे हैं। दिल्ली समेत दूसरे राज्यों के लोग लाखों की तादाद में 31 मार्च को सुबह 10 बजे रामलीला मैदान पहुंचेंगे। इसकी तैयारी के लिए हमने अपनी रणनीति तेज कर दी है। 31 मार्च तक हम लोगों के बीच जाएंगे और इस तानाशाही के खिलाफ रामलीला मैदान में आकर शांतिपूर्वक अपनी आवाज बुलंद करने के लिए आह्वान करेंगे।

राय ने बताया कि आज हम दिल्ली की 70 विधानसभाओं में सभी विधायक, पार्षद और विधानसभा, वार्ड, मंडल, बूथ के पदाधिकारियों के साथ महारैली की तैयारी को लेकर बैठक करेंगे। 27 मार्च को दिल्ली के 2.5 हजार से ज्यादा पोलिंग स्टेशन पर विधानसभा के पदाधिकारी और पार्षद जनता के साथ रैली की तैयारी को लेकर तैयारी बैठक करेंगे। 28 मार्च से हर मंडल की टीम पर एक प्रभारी क नियुक्त किया जा रहा है, यानि कुल 2600 मंडल प्रभारी की नियुक्ति की जाएगी। रैली के लिए हर मंडल पर एक प्रभारी होगा। ये सभी 2600 प्रभारी मंडल स्तर पर अपनी टीम बनाकर 28 मार्च से घर-घर जाकर लोगों को रामलीला मैदान में आने के लिए निमंत्रण देंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम दिल्ली के सभी छात्र, युवा,किसान और मजदूरों के सामाजिक संगठन, आरडब्ल्यूए और व्यापारिक संगठनों को भी इस तानाशाही के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए रामलीला मैदान पहुंचने के लिए निमंत्रण दे रहे हैं। हमारी सबसे अपील है कि आप लोग वहां पहुंचे क्योंकि आज अगर ये तानाशाह सरकार एक चुने हुए मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर सकती है तो कल इस दिल्ली के अंदर आवाज उठाने वाला कोई नहीं बचेगा।

ईडी की हिरासत से केजरीवाल के पत्र लिखे जाने के मामले में भाजपा ने जांच की मांग की

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मिलकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा ईडी की हिरासत से मंत्रियों को भेजे जा रहे पत्रों के मामले में जांच की मांग की। केजरीवाल को दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में 21 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और दिल्ली की एक अदालत ने उन्हें 28 मार्च तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया था।

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने संवाददाताओं से कहा कि दिल्ली पुलिस मुख्यालय में अरोड़ा के साथ मुलाकात में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने इस बारे में जांच कराने की मांग की कि क्या केजरीवाल द्वारा लिखे जा रहे पत्र वास्तविक हैं? भाजपा ने दिल्ली सरकार के मंत्रियों आतिशी और सौरभ भारद्वाज की भूमिका की भी जांच कराने की मांग की जिन्होंने पत्र प्राप्त करने का दावा किया है।

सचदेवा ने दावा किया, ''एक प्रक्रिया है जिसके तहत ईडी की हिरासत में से किसी व्यक्ति के इस

तरह के पत्र उचित प्रमाणन के बाद आ सकते हैं। जहां तक मेरी सूचना है, ये पत्र फर्जी हैं।' जल मंत्री आतिशी ने पिछले सप्ताह केजरीवाल का एक पत्र दिखाते हुए दावा किया था कि मुख्यमंत्री ने उन्हें शहर में पानी की आपूर्ति और सीवर से संबंधित मुद्दों का समाधान करने का निर्देश दिया है। स्वास्थ्य मंत्री भारद्वाज ने मंगलवार को दावा किया कि केजरीवाल ने उन्हें ईडी की हिरासत से निर्देश भेजे कि सरकारी अस्पतालों और मोहल्ला क्लीनिक में निशुल्क दवाएं उपलब्ध हों।

तंग आकर पति ने की पत्नी की हत्या

गाजियाबाद. गाजियाबाद के मसूरी थानाक्षेत्र के आकाश नगर में आए दिन के क्लेश से तंग आकर पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी दो दिन तक लाश के साथ कमरे में ही रहा। घर से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव कब्जे में लेने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस के मुताबिक, शनिवार को डायल-112 पर एक व्यक्ति ने आकाश नगर स्थित कमरे से दुर्गंध आने की सूचना दी थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दरवाजा बंद था। पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो वहां एक महिला का शव पड़ा मिला। शव 51 वर्षीय सुनीता का था, जबकि उसका पति भरत मौके से फरार था। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भिजवा दिया और खोजबीन के बाद भरत को पकड़ लिया। आरोपी द्वारा पूछताछ में पत्नी सुनीता की हत्या की बात कबूलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।एसीपी मसूरी नरेश कुमार ने बताया कि भरत मूलरूप से दिल्ली का रहने वाला है। सुनीता उसकी दूसरी पत्नी थी। भरत मसूरी थानाक्षेत्र स्थित एक शराब के ठेके पर काम करता है। वह आकाश नगर स्थित एक मकान में किराये पर कमरा लेकर रहता है। इस मकान में अन्य किरायेदार भी रहते हैं। भरत के बच्चे साहिबाबाद इलाके में रहते हैं।

NAME CHANGE
I, SHAHAJAD KHAN S/O SHARIF KHAN residing at E-431 SECOND FLOOR LEFT SIDE JAITPUR EXTN PART-2 BADARPUR DELHI-110044 have changed my name to SHAHZAD for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Nitika W/o Yatinder Khurana R/O 60/9,Third floor Non park Side Ramjas road Karol Bagh Central Delhi -110005 have changed my name from Nitika to Nitika Khurana for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Kawaljit singh S/o-Kundan Singh R/O B-129 2nd floor Tagore garden Extn, Tagore garden, west Delhi - 110027 have changed my name from Kawaljit singh to Kawaljeet Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as UMA DEVI alias GUDDI DEVI W/o JAWAHAR LAL, residing at S-208, Near Sai Mandir, PVC Market, Jawlaheri,Pashchim Vihar, West Delhi, Delhi - 110087 have changed my name and shall hereafter be known as GUDDI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, BINA DEVI wife of JC-778801A Rank-NB SUB Name- VED PRAKASH R/O VILL-HALUHERA, PO-MUSEPUR, TEH-REWARI, DIST-REWARI, HARYANA-123401 have changed my name from BINA DEVI to BEENA DEVI for all future purposes vide affidavit dated 27/03/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I hitherto known as HAMIRA D/O MOHD ABU NASAR R/O B- 198, gali no. 4, near Mohammadi Masjid , Mandawali fazalpur, Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi -92 have changed my name and shall hereafter be known as HUMAIRA

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as VEENA DEVI ALIAS BABLI DEVI D/O MANGAL SINGH W/O JOGINDER SINGH R/O A-801, DABUA COLONY, FARIDABAD, FARIDABAD NIT, HARYANA-121001 have changed my name and shall hereafter be known as BABLI DEVI.

NAME CHANGE
I hitherto known as GEETA DEVI W/o MURARI LAL CHAUDHARY R/o 88/4, Street No.-1, Shakar Pur, Shakarpur, PO Laxmi Nagar, East Delhi, Delhi-110092, have changed my name and shall hereafter be known as GEETA CHAUDHARY.

NAME CHANGE
I, hitherto known as PARTAP BHATI alias PRATAP SINGH S/o SUKHPAL residing at House No. 801, 100 Feet Road, IDBI Bank, Shyam Colony, Ballabgarh, Faridabad, Haryana - 121004 have changed my name and shall hereafter be known as PRATAP SINGH.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED QASIM S/O HAFIZ MOHD SHAFI residing 5078 PHATAK BADAL BEG AJMERI GATE DELHI-110006 have changed my name to MOHD QASIM SHAFI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMAD JAFIR KHAN S/O ATAI WARIS KHAN residing 15 PATHAN TOLI ZAMANIA KASBA GHAZIPUR UP-232329 have changed my name to MOHAMMAD ZAFIR KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
I, GAGAN KUMAR PANDEY S/O DHARMENDER PANDEY residing at RZ K87 OLD T87 NANGAL RAYA DELHI-110046 have changed my name to GAGAN PANDEY for all future purpose.

NAME CHANGE
I, Manjeet Kaur W/o Kawaljeet Singh R/O B-129 2nd floor Tagore garden Extn, Tagore garden, west Delhi -110027 have changed my name from Manjeet Kaur to Manjit Kaur for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
Notice to public at large that my clients Mrs. Noor Akhtar & Sh. Bahid Hussain S/o Mr. Sabir Hussain R/o S-221/171, Vishnu Garden, Gali No.5, New Delhi have severed their relations and debarred their son Sahil Hussain and his wife from all their movable/immovable property because they are not under control of my clients. My clients' other family members and relatives also severed their relations with them. If anybody deals with them which is at his/her own risk & responsibility.
SUMIT GABA ADVOCATE
Ch.No.T-7, Tis Hazari Court, Delhi.

NAME CHANGE
I, RENU TIWARI W/o PARMESHWAR TIWARI residing at House No. B-71, Gali No. -02 , Chandan Park, Libaspur, Samai Pur, North West Delhi, Delhi - 110042 have changed the name of my minor Son ABEY JEET TIWARI aged 13 Years and he shall hereafter be known as ABHAYJEET TIWARI.

NAME CHANGE
I, SAMBASIVA RAO Father of No. 15330185M Rank-HAV Name-NARENDRA BITRAGUNTA presently residing at VPO-CHINAPULIVARRU, TEH-TENALI, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522257 have changed my name from SAMBASIVA RAO to BITRAGUNTA SAMBASIVA RAO for all future purposes vide Affidavit dated 27/03/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that my client Mr. Amrit Lal Khurana who is intending to purchase the 3rd Floor with roof rights, Built upon Plot No. WZ-345, area measuring 100 sq. yds., situated at Village Keshopur Colony Known as Sant Garh, M.B.S Nagar, New Delhi-110018 from Mrs. Shishpal Kaur owner vide General Power of Attorney, Notarized ATS and WILL dated 24.11.2011 executed by Mr. Manpreet Singh and same property to be financed by Hinduja Housing Finance Ltd. having its Office Address at 203, 2nd floor Plot no 01, United Plaza community Centre Karkardooma Delhi-110092. If any person(s) objection for subject property, then kindly may contact the undersigned along with original property document, within a week from date of this notice on below mentioned address, failing which, the claim as per aforesaid shall be treated as null and void in respect of the subject property.
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

PUBLIC NOTICE
My clients Moolchand Anuragi And His Wife Lalta Both r/o House No s-32/238 Soniya Gandhi Camp, Pul Pehladpur, Badarpur, South Delhi, Delhi-110044. Have severed all relations and disowned their son Rahul and his wife Kaushal from their all movable-immovable property due to disobedience. My clients shall not be responsible for his any civil and criminal liabilities.
Sagar Saxena Advocate
CHEMBER NO. 606,
SAKET COURT NEW DELHI-110017

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMARI wife of JC-736003L Rank-NB SUB Name-NEELESH KUMAR R/O VILL-GODERANA, POST-GANESH NAGAR, TEH-MADHOGARH, DIST-JALOUN, UTTAR PRADESH-285121 have changed my name from SANTOSH KUMARI to SANTOSH DEVI for all future purposes, in my husband's service record my date of birth wrongly mentioned as 06/06/1984 instead of my correct date of birth as 07/06/1984 vide affidavit dated 22/03/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, B PUNNAMA Mother of No. 15330185M Rank-HAV Name-NARENDRA BITRAGUNTA presently residing at VPO-CHINAPULIVARRU, TEH-TENALI, DIST-GUNTUR, ANDHRA PRADESH-522257, have changed my name from B PUNNAMA to BITRAGUNTA BASWA PUNNAMMA for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1960 instead of my correct date of birth as 01/01/1964 vide affidavit dated 27/03/2024 before Notary Public, Delhi.

सूचना
बड़े पैमाने पर जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्रीचंद वर्मा एमसीडी नंबर वाली संपत्ति 53 क्षेत्रफल 144 वर्ग गज, खसरा नं. 155 ग्राम गढ़ी, तहसील महरौली, नई दिल्ली के आबादी लाल डोरा (1908-9) में स्थित के मालिक हैं। बिक्री विलेख दिनांक 11.01.1996 द्वारा श्री बद्री प्रसाद उर्फ बद्दी पुत्र स्व. श्री मैदा द्वारा श्री श्रीचंद वर्मा पुत्र बद्री प्रसाद उर्फ बद्दी के पक्ष में निष्पादित किया गया। (Doc. No. 337, खंड संख्या 9032, पृष्ठ संख्या 62-67, एसआर-III), प्रारंभ में, श्री बद्दी पुत्र श्री मैदा उक्त संपत्ति राजस्व रिकॉर्ड और लाल डोरा प्रमाणपत्र दिनांक 22/12/1982 के अनुसार है इसके मालिक थे। अंत में, विक्रय विलेख दिनांक 11.01.1996 को मेरे उपर्युक्त ग्राहक के पक्ष में निष्पादित किया गया, जो अपनी वास्तविक आवश्यकताओं के लिए उक्त अचल संपत्ति को आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के पास गिरवी रखना चाहता है। जिस किसी को भी उक्त बंधक पर कोई आपत्ति है या किसी का उक्त संपत्ति पर दावा या अधिकार या हित है, तो वह 7 दिनों के भीतर आपत्ति के साथ अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करेगा, ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि इस संपत्ति पर कोई आपत्ति या दावा नहीं है।
नई दिल्ली
दिनांक: 26/3/2024
प्रज्ञा भूषण वकील
Enrl No. D/721/02
कार्यालय: L-27,GF, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली-48 Mob: 9968006418

MISSING

I, SILVESTER DANIEL S/O DANIEL ROBINSON R/O D-535/1 GALI NO-11 KUTUB VIHAR PHASE-II NEAR DWARKA SECTOR-19, NEW DELHI MOB NO 9315634682 AGE-44YRS ने हाजिर थाना आकर तहरीर कराया की मेरी GIRL-FRIEND SUHANI D/O MUNNI DEVI R/O FLAT NO 626, POCKET-D NEW HIGH-WAY APARTMENT LOK NAYAKPURAM BAKHARWALA NEW DELHI MOB NO-9355355199 AGE-49 YRS जो दिनांक 25/01/2024 को समय करीब 11:30 रू.पर घर से बिना बताये चली गई है जो अभी तक घर वापिस नहीं आई है जो अपने साथ अपनी माता जी MUNNI DEVI AGE-82 YRS को लेकर गई है जिसकी तलाश मैंने अपने तौर पर कर ली है जिसका कोई पता नही लगा है। मेरी GIRLFRIEND का हुलिया इस प्रकार है। कद 5'4" रंग गोरा जिस्म पतला चेहरा लम्बा है। पहने हुये कपड़ों व जूतों के बारे में मुझे पता नहीं है जो मेरी GIRLFRIEND की MOTHER का हुलिया इस प्रकार है। कद -5'4" रंग गोरा जिस्म पतला, चेहरा लम्बा है। व पहने हुये कण्डय जूतों के बारे में मुझे पता नहीं है जो मेरी GIRLFRIEND & उनकी MOTHER MUNNI DEVI की MISSING REPORT लिखी जाये जिसका MISSING ZIP NET NO-MODMDK 2024/16 और GD NO.0026, MISSING REPORT दर्ज COMPUTERISE करके नकल रपट बराये मुनासिब कार्यवाही बा हुक्म जनाब SHO साहब SI KRISHAN NO. D-746 साहब के हवाले की गई, जो मुनासिब कार्यवाही अमल में लायेंगे। इन दोनों के बारे में सूचित करने वाले को ?10000 का इनाम दिया जाएगा
शिकायतकर्ता
Silvester Daniel Advocate Dwarka court
New delhi MOB NO 9315634682

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री अशद अली पुत्र श्री हसीबुर्रहमान, लेआउट प्लान में स्थित, खसरा संख्या 19/18 के बाहर, संपत्ति संख्या 63-ए, माप क्षेत्र 60 वर्ग गज की फ्रीहोल्ड आवासीय निर्मित पहली मंजिल सेलिंग लेवल तक के मालिक हैं। गली नंबर 5, रशीद मार्केट, ग्राम खुरेजी खास, इलाक़ा शाहदरा, दिल्ली-110051 के क्षेत्र में। सद्गुण द्वारा, बिक्री विलेख दिनांक 25.08.2023 को दस्तावेज़ संख्या 7998, खंड संख्या 10801, पृष्ठ संख्या 79-87, दिनांक 25.08.2023, एसआरओ-VIII, नई दिल्ली के रूप में, नीचे उल्लिखित दस्तावेजों की श्रृंखला में उपलब्ध नहीं हैं यानी मृत्यु प्रमाण पत्र और स्वर्गीय श्री लक्ष्मण दास की एसएमसी 31.05.2018, अब हमारा ग्राहक घोषणा कर रहा है कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और डीसीबी बैंक लिमिटेड शाखा करोल बाग नई दिल्ली द्वारा उसी संपत्ति का वित्तपोषण किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010,
Contact at-09958871432

भ्रष्टाचार के आरोपों पर बाल कल्याण परिषद महासचिव की छुट्टी

चंडीगढ़। भ्रष्टाचार के आरोपों में हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव रंजीता मेहता को हटा दिया गया है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उन्हें पद से हटाने के आदेश जारी कर दिए। रंजीता पर भ्रष्टाचार के आरोपित को बचाने का आरोप है, जिसके चलते कुछ दिनों पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी उनसे इस्तीफा मांग लिया था लेकिन उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया और पद पर बनी रही। इसके बाद सत्ता में आए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी उन्हें हटाने की सिफारिश कर दी, जिसके बाद राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने उनकी सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए हैं। राज्यपाल की ओर से जारी आदेशों में कहा गया है कि रंजीता मेहता की 13 मई, 2022 को हरियाणा बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव के रूप में की गई नियुक्ति के आदेश तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाते हैं। अगले आदेश तक महिला एवं बाल कल्याण विभाग ही राज्य बाल कल्याण परिषद के कामों को देखेगा।

रणजीत चौटाला ने रानियां विधायक पद से दिया इस्तीफा, हिसार से बने भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार

चंडीगढ़। हिसार लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रणजीत सिंह चौटाला ने मंगलवार की शाम विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। हरियाणा विधानसभा में अब सिरसा जिले की रानियां सीट भी रिक्त मानी जाएगी। रणजीत सिंह अक्टूबर, 2019 में सिरसा जिले की रानियां विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक निर्वाचित हुए थे। रविवार की रात वह औपचारिक तौर पर भाजपा में शामिल हुए हैं। रणजीत सिंह नवंबर, 2019 में बनी मनोहर लाल के नेतृत्व वाली भाजपा-जजपा गठबंधन सरकार में भी कैबिनेट मंत्री बनाये गए थे। वह अब तक नायब सैनी सरकार में भी मंत्री रहे हैं। उन्हें दोनों बार ऊर्जा और जेल विभाग आवंटित किये गए।

दलबदल कानून से बचने के लिए रणजीत सिंह ने मंगलवार की शाम विधायक पद से इस्तीफा दे दिया। हरियाणा विधानसभा के स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता के अनुसार रणजीत सिंह का इस्तीफा विधानसभा के सचिवालय में पहुंच चुका है। अध्ययन के बाद इस बारे में कोई फैसला लिया जाएगा।

प्रदेश में बढ़ते नशे को लेकर एचयूडब्लयूजे ने जताई गहरी चिंता

रोहतक। प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे नशे को लेकर हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की है। नशे पर रोक के लिए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर इस बारे जरुरी कदम उठाने की मांग की है।

यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन कथूरिया ने बताया कि प्रदेश में बढ़ रहे नशे के चलते युवाओं की जिंदगी खराब हो रही है और नशे के चलते मौत के मामले में लगातार वृद्धि हो रही है। यहां तक की प्रदेश के दस जिलों में तो नशे के मामलों में जबरदस्त बढोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब, राजस्थान व दिल्ली की सीमा से लगते दस जिले टॉप टेन में शामिल है। नशे को लेकर दर्ज आंकडे भी साबित कर रहे है कि हर रोज नशे के मामले में बढोतरी हो रही है, हालांकि प्रदेश सरकार ने नशे को रोकने के लिए कई कदम तो उठाएं, लेकिन कारगर साबित नहीं हुए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सिरसा, रोहतक, हिसार, फतेहाबाद, अंबाला, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत, सोनीपत और नूंह नशे का गढ़ बन चुके है। इन जिलों में नशे का कारोबार फल फूल रहा है। खासकर पंजाब के साथ लगती सीमा वाले जिलों में युवा सिंथेटिक नशा कर रहे हैं। हरियाणा में नशे की बढ़ती मांग के चलते तस्कर सभी प्रकार के नशे की खेप की खेप सप्लाई कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा में पंजाब के अलावा दिल्ली और राजस्थान के रास्ते नशे की सप्लाई हो रही है। मनमोहन कथूरिया ने कहा कि प्रदेश में नशे की रोकथाम के लिए जल्द ही पूरे प्रदेश में जागरुकता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार से भी नशे की रोकथाम के लिए कड़े इंतजाम करने की मांग की।

दुष्कर्म का आरोपी किया गिरफ्तार कर जेल भेजा

सोनीपत। थाना खरखौदा की पुलिस ने एक महिला के साथ दुष्कर्म करने की घटना में संलिप्त आरोपी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी सुभान निवासी खरखौदा जिला सोनीपत का रहने वाला है। जिला सोनीपत निवासी एक पीड़ित महिला ने थाना खरखौदा में 25 मार्च को शिकायत दी थी कि सुभान निवासी खरखौदा ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस दर्ज किया थाना खरखौदा की जांच अधिकारी एएसआई रेखा ने अपनी पुलिस टीम के साथ कार्रवाई करते हुये न्यायालय के आदेशानुसार मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करवाकर महिला विशेषज्ञ व लीगल ऐड से काउंसलिंग करवाई गई। दूसरी तरफ घटना मे संलिप्त आरोपी सुभान को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है।

कुरुक्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं से मिले मुख्यमंत्री व नवीन जिंदल

कुरूक्षेत्र। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, जबकि भाजपा के पास विकसित भारत और विकसित हरियाणा का लक्ष्य है। नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं से नवीन जिंदल को रिकार्ड मतों से जिताने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री नायब सैनी कुरुक्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल के साथ कुरुक्षेत्र में आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह में पहुंचे थे। यहां पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री नायब सैनी और भाजपा उम्मीदवार का जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने देश और प्रदेश में अनेक ऐतिहासिक काम किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश व प्रदेश को एक नई दिशा मिली है।

उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक तीव्र गति से बन रहा है, जिससे फाटक बंद होने की समस्या से लोगों को छुटकारा मिल पाएगा।

भाजपा उम्मीदवार नवीन जिंदल ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों से काफी प्रभावित हूं।

इस मौके पर पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व मंत्री संदीप सिंह, करण देव कम्बोज, डॉ पवन सैनी, जगमोहन आनंद, प्रवीन अत्रि, धर्मवीर मिर्ज़ापुर चेयरमैन, जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर, अध्यक्ष व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के महापर्व में हर व्यक्ति दे अपना योगदान : आरके सिंह

सिरसा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आरके सिंह के आदेशानुसार एवं स्वीप अभियान के नोडल अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त डा. विवेक भारती के मार्गदर्शन में जिला में लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर मतदाता जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वीप मास्टर ट्रेनर नरेश ग्रोवर ने राजकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय छात्राओं को मतदाता का महत्व बताया। लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वयं भी अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने के लिए जागरुक किया।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में शतप्रतिशत मतदान का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हम सभी का कर्तव्य बनता है कि वे पात्र मतदाताओं को अपने मत का प्रयोग करने व अपना वोट बनवाने बारे प्रेरित करें। इस दौरान महाविद्यालय का प्रांगण में उपस्थित स्टॉफ व छात्राओं को मतदात की शपथ भी दिलवाई गई। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रधानाचार्य हरजिंदर सिंह, मंजू गेरा, हितेश कुमार, वीना रानी, कुमारी अभिलाषा मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने पोलिंग बूथों का किया निरीक्षण

सिरसा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त आरके सिंह ने लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर जिला के गांव सुखचैन में पहुंचकर मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बूथ पर सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएं होनी चाहिए। बूथ पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था हो, जहां रैंप नहीं बने हैं वहां पर तुरंत प्रभाव से रैंप बनवाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बताया कि मतदान के लिए बुजुर्गों और दिव्यांगों की सहायता के लिए संबंधित बीएलओ की देखरेख में वॉलिंटियर मौजूद रहेंगे। उन्होंने पूरे स्कूल प्रांगण की अच्छी तरह से साफ-सफाई करने के निर्देश दिए।जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने कहा कि मतदान केंद्रों पर सुविधाओं की कोई कमी नहीं होनी चाहिए। दिव्यांग व बुजुर्ग

मतदाताओं के लिए रैंप सुविधा, महिलाओं व पुरुषों के लिए अलग-अलग शौचालय, पेयजल, टेबल व कुर्सियां आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। मतदान केंद्रों के अंदर रोशनी के लिए बिजली की व्यवस्था करवाई जाए। मतदाता को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं आनी चाहिए और मतदान केंद्रों में जहां कही भी कमी नजर आए, उसे शीघ्रता से दूर कर उसकी रिपोर्ट जिला निर्वाचन कार्यालय को भेजी जाए।

चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी सजग व सतर्क होकर करें कार्य

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त ने कहा कि दिव्यांग वोटरों की सुविधा के लिए व्हीलचेयर एवं वॉलिंटियर्स की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। चुनाव एक महत्वपूर्ण कार्य है, इसलिए संबंधित अधिकारी व कर्मचारी अपनी चुनाव ड्यूटी का निर्वहन पूरी तरह से सजग व सतर्क रहते हुए करें। उन्होंने कहा कि समय रहते सभी आवश्यक प्रबंधों को पूरा करें, ताकि मौके पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व पारदर्शी चुनाव करवाना हम सबकी सामूहिक जिम्मेवारी है, इसलिए चुनाव प्रक्रिया से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए सभी अधिकारी आपसी तालमेल, योजनाबद्ध व गंभीरता से अपना दायित्व निभाएं।

जठेडी के मोनू हत्याकांड मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। गैंगस्टर जठेड़ी काला के गांव में फाग के दिन हुए युवक के हत्या कांड मामले में पुलिस दो हत्या आरोपी गिरफ्तार कर लिए हैं। राई थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी तुषार उर्फ अंकित व ऋतिक उर्फ कोनी हैं दोनों गांव जठेडी जिला सोनीपत के रहने वाले हैं। गांव जठेड़ी में रंजिश को लेकर जितेंद्र उर्फ मोनू की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई थी पुलिस ने मृतक जितेंद्र के भाई समुंदर की शिकायत पर हत्या का केस दर्ज कर तुरंत कार्रवाई करते हुए दो हत्या के आरोपी गिरफ्तार किए। थाना राई के प्रभारी इंस्पेक्टर उमेश कुमार ने अपनी पुलिस टीम के साथ आरोपियों की खोजबीन करते हुए घटना में संलिप्त दो आरोपियों तुषार उर्फ अंकित व ऋतिक उर्फ कोनी पुत्र दोनों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से घटना में प्रयुक्त दो चाकू भी बरामद किये हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आप कार्यकर्ता सडक़ों पर आए

रोहतक। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता सडक़ पर उतरे और भाजपा कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान भाजपा कार्यालय पर भारी पुलिस बल मौजूद रहा। आप पार्टी कार्यकर्ता हेलमेंट पहने हुए थे।

पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग ढांडा ने कहा कि पूरे देश में इस बात को लेकर गुस्सा है कि रात के अंधेरे में कायरतापूर्ण तरीके से बिना किसी सुबूत के अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करके जेल में डाला है। ये इतिहास में पहली बार है कि किसी सिटिंग मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करके जेल में बंद किया गया है, जिसके खिलाफ एक पैसे का भी सुबूत भाजपा और किसी एजेंसी के पास नहीं है। इसलिए भाजपा की इस साजिश का देश भर में विरोध हो रहा है और ईडी की कार्रवाई का। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपए लगाकर भाजपा ने हर शहर में दफ्तर बनाए हैं, ये दरअसल कोयले की दलाली और शराब घोटाले के मुख्य अभियुक्त का दिया हुआ 60 करोड़ रुपए का चंदा है और पाकिस्तानी कंपनियों से आया हुआ चंदा है।

ये इतिहास में पहली बार है कि किसी सिटिंग मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करके जेल में बंद किया गया है, जिसके खिलाफ एक पैसे का भी सुबूत भाजपा और किसी एजेंसी के पास नहीं है।

भाजपा ने पता नहीं किस साजिश की एवज में ये चंदा लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब चुनाव आचार संहिता लागू होती है तो सारी एजेंसियां और पुलिस चुनाव आयोग को रिपोर्ट करती हैं, लेकिन चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद भी चुनाव आयोग बैठे बैठे देख रहा है। भाजपा के इशारे पर ईडी विरोधी नेताओं को गिरफ्तार कर रही है और पुलिस हमारे नेताओं पर अत्याचार कर रही है।

ये सारी बातें इशारा कर रही हैं कि देश तानाशाही की तरफ जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक भी एफआईआर में अरविंद केजरीवाल का नाम नहीं है। इसलिए अरविंद केजरीवाल को एक राजनीतिक साजिश के तहत गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता की आवाज सबसे बड़ी होती है, इस बार जनता इनको इनकी सही जगह दिखा देगी।

उन्होंने कहा कि 31 मार्च को दिल्ली में इंडिया गठबंधन की महारैली भी होगी। इस अवसर पर बिजेंद्र हुड्डा, जगवीर हुड्डा, शिव मोहन गुप्ता, करण सिंह धनकड़, अरुण कटारिया, डॉ. परमेल, नितिन वर्मा, अरुण हुड्डा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

लव जिहाद मामले में हिन्दू संगठनों ने थाने पर किया प्रदर्शन

यमुनानगर। लव जिहाद मामले में घर से लापता हुई लड़की के लेकर पुलिस द्वारा कार्रवाई एक लापरवाही के खिलाफ हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने थाना सदर यमुनानगर में प्रदर्शन किया और पुलिस विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सर्व जागरण मंच के संयोजक उदयवीर शास्त्री ने बताया कि करेड़ा क्षेत्र में रहने वाली एक कॉलेज की छात्रा 17 मार्च को घर से लापता हो गई थी। जिसको लेकर परिजन द्वारा ढूंढने का बड़ा प्रयास किया और उसके बाद उन्होंने सदर थाना यमुनानगर में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। लेकिन एक हफ्ते बीत जाने के बाद भी पुलिस द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने बताया कि गरीब परिवार की बेटी को बहला फुसलाकर ले जाने का परिजन ने गांव टोडरपुर के मुस्लिम समुदाय के वाई वाकमुस्तफा पर लगाया है। घर में मिले लड़की के मोबाइल में भी तांत्रिक से संबंधित कुछ जानकारियां मिली है। उन्होंने कहा कि 19 मार्च को बिलासपुर क्षेत्र से थाना पुलिस है। जो उनकी लड़की को अगवा कर ले गया है। हिन्दू संगठन के लोगों ने पुलिस को 48 घंटे में सारी जांच

प्रभारी सदर यमुनानगर को एक पत्र मिला था जिसमें लड़की की तरफ से लिखा गया था कि उसके परिजन से उसे सुरक्षा की जरूरत है। वही परिजन का कहना था कि पत्र में किए गए हस्ताक्षर उनकी बेटी के नहीं है। यह उस मुस्लिम युवक की साजिश करने और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि 48 घंटे तक अगर पुलिस इस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं करती तो एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस मौके पर हिंदू संगठन के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

दो पक्षों के विवाद में एक के पुश्तैनी दुकान, मकान को असामाजिक तत्वों ने किया ध्वस्त

रोहतक। रेलवे रोड पर पुश्तैनी जमीन को लेकर दो पक्षों में चल रहे विवाद में एक परिवार के पुश्तैनी दुकान व मकान को असामाजिक तत्वों ने अलसुबह ध्वस्त कर दिया। सूचना मिलने पर पूर्व सीएम भूपेन्द्र सिंह हुड्डा, विधायक भारत भूषण बतरा व रोहतक टेड्रर्स एसोसिएशन के प्रधान हेमंत बख्शी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर पीडित परिजनों से बातचीत की। इस दौरान पूर्व सीएम को मौके पर देखकर पुलिस अधिकारी चुपचाप वहां से निकल गए। हुड्डा ने मौके पर रेज के महानिरीक्षक से फोन पर बातचीत की और तुंरत असामाजिक तत्वों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हुड्डा ने पुलिस प्रशासन पर भी मिलीभगत का आरोप लगाया। बाद में मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों को पूर्व सीएम ने खरी-खोटी भी सुनाई। दुकान व मकान को तोडने के विरोध में पीडित दुकानदार व

परिजन रेलवे रोड पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए। पीडित दुकानदारों का अरोप है कि वह पिछले साठ-सत्तर साल से यहां पर रह रहे है और कोर्ट से स्टे होने के बावजूद भी असामाजिक तत्वों द्वारा तोडफ़ोड़ की कारवाई की गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। दरअसल रेलवे रोड पर पुस्तैनी मकान को लेकर दो पक्षों में काफी लम्बे समय से विवाद चल रहा है।

बताया जा रहा है कि एक पक्ष द्वारा प्रोपर्टी का कुछ हिस्सा बेच दिया गया है, जबकि दूसरे पक्ष का आरोप है कि पहले पक्ष के पास कोई सबूत नहीं है और जो फर्जी कागजात के आधार पर जबरन प्रोपर्टी पर कब्जा करने का प्रयास कर रहे है। पीडित पक्ष का यह भी कहना है कि करीब दो महीने पहले भी असामाजिक तत्वों द्वारा घर में घुसकर उनके साथ मारपीट की और तोडफ़ोड़ की थी। असामाजिक तत्वों द्वारा की गई तोडफ़ोड़ की कारवाई से रेलवे रोड के व्यापारियों में जिला प्रशासन के खिलाफ भारी रोष है। पीडित दुकानदारों का कहना है कि जब तक असामाजिक तत्वों के खिलाफ उचित कार्रवाई नहीं की जाती है तब तक उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। बाद में पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष ग्रोवर भी मौके पर पहुंचे और दुकानदारों से इस बारे में पता किया और उचित जांच का आश्वासन दिया।

हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर ग्रामीणों ने किया पुलिस चौकी का घेराव

हिसार। हांसी के बरवाला रोड स्थित गांव भाटला में पिछले दिनों पेड़ से लटके मिले युवक के शव के मामले में आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग पर परिजनों और ग्रामीणों ने भाटला पुलिस चौकी के समक्ष धरना देकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने हत्या की वारदात को चार दिन बीत जाने के बावजूद एक भी आरोपित को गिरफ्तार नहीं किए जाने पर रोष व्यक्त किया।

ग्रामीणों का कहना था कि भाटला गांव में 23 मार्च को एक 19 वर्षीय युवक सचिन का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला था। पुलिस ने मृतक के ताऊ राजेंद्र के बयान पर सज्जन, राजबीर, महावीर, रोहतास, दिलबाग, बजरंग, साहिल, दीपक व अनिल के खिलाफ हत्या व अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं होने पर मंगलवार सुबह मृतक के परिजनों व काफी संख्या ग्रामीणों ने भाटला पुलिस चौकी पहुंच प्रदर्शन करते हुए चौकी का घेराव किया और हत्यारोपितों की

गिरफ्तारी की मांग की।

प्रेम प्रसंग चलते हुई थी युवक की मौत

मृतक सचिन का अपने ही गांव में अपनी ही जाति की एक लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इसी प्रेम प्रसंग के चलते सचिन ने युवती को चिट्ठी लिखी थी और उसी चिट्ठी को लेकर 18 मार्च को युवती के परिजनों ने सचिन के साथ मारपीट की थी। मारपीट की वारदात के बाद से सचिन अपने घर से लापता हो गया था और उसके बाद 23 मार्च को सुबह सचिन का शव एक पेड़ से लटका हुआ मिला था। इसके बाद मृतक सचिन के परिजनों ने लड़की के परिजनों पर सचिन की हत्या कर उसके शव को पेड़ पर लटकाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने मृतक सचिन के ताऊ राजेंद्र की शिकायत पर हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। वारदात के चार दिन बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर परिजनों ने पुलिस चौकी का घेराव कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

उधर, भाटला पुलिस चौकी प्रभारी एएसआई महेन्द्र सिंह का कहना है कि सचिन के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर मृतक के परिजन और ग्रामीण पुलिस चौकी आए थे। पुलिस चौकी में आए ग्रामीणों व महिलाओं को आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर वापस भेज दिया गया है।

तस्करी पर अंकुश लगाने तीन राज्यों की पुलिस ने किया मंथन

सोनीपत। आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत सोनीपत व राज्यों के साथ सटी सीमाओं अवैध रुप से शराब, ड्रग्स, नगदी तथा आपराधिक तत्वों पर काबू पाने के लिए एथनिक इंडिया में इंटर स्टेट बॉर्डर डिस्ट्रिक्ट्स की बैठक हुई। अध्यक्षता पुलिस आयुक्त बी. सतीश बालन व सोनीपत के उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने की है।

पुलिस आयुक्त बी. सतीश बालन ने कहा कि सोनीपत की सीमाएं दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश के साथ लगती हैं, इसमें उत्तर प्रदेश राज्य की सीमा के साथ अंतर्राज्यीय नाका लगाये गये हैं। इनमें खुर्मपुर, केजीपी जाखौली, जगदीशपुर, गढ़ मिर्कपुर चौकी के सामने तथा मिमारपुर चौकी के सामने और बेगा घाट शामिल हैं। दिल्ली के साथ लगते नाको में सोहटी,

कुंडल गढ़ी, झिंझौली, डबल नहर पुल नाहरी हलालपुर रोड, कतलूपुर, नाहरी, सफियाबाद, शिवपुरी, सबोली, कुंडली बॉर्डर और टी-प्वाईंट जाटी कलां नाका शामिल हैं। लोकसभा चुनाव-2024 घोषित हो चुके हैं, जिसके छठे चरण में हरियाणा के चुनाव हैं, जबकि उत्तर प्रदेश के बागपत में शुरुआती चरण में ही चुनाव होंगे।

सूचनाओं को सांझा करेंगे

पुलिस आयुक्त ने कहा कि अन्य राज्यों का सहयोग अपेक्षित है। उत्तर प्रदेश के साथ सोनीपत के लोगों का जुड़ाव है। राज्य में आपराधिक तत्वों की आवाजाही भी है। हमें आपस में हर प्रकार की सूचनाओं को सांझा करें। अवैध रूप से शराब की तस्करी तथा नशा और नगदी लाने-ले जाने पर भी लगाम लगानी होगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश व दिल्ली का सहयोग अपेक्षित है। सोनीपत पुलिस पूरी तरह से तैयार है।

उत्तर प्रदेश व दिल्ली से सहयोग अपेक्षित: उपायुक्त डा. मनोज

उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों का स्वागत किया। आदर्श आचार संहिता की अनुपालना के लिए एकजुटता के साथ काम करेंगे। उत्तर प्रदेश व दिल्ली से सहयोग अपेक्षित है।

मोस्ट वांटेड, बेल जंपर तथा पैरोल पर चल रहे अपराधियों की सूची भी सांझा की है। उत्तर प्रदेश तथा नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली की डीएम ने भी इसी प्रकार की पूर्ण जानकारी सांझा की।

कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड 86 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक,दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.90 डॉलर यानी 1.04 फीसदी की गिरावट के साथ 85.356 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.77 डॉलर यानी 0.94 फीसदी फिसलकर 80.05 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

दानी पोर्ट्स ने ओडिशा में गोपालपुर बंदरगाह खरीदा

नई दिल्ली। अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने कहा कि उसने ओडिशा में गोपालपुर पोर्ट लिमिटेड (जीपीएल) के अधिग्रहण के लिए एसपी ग्रुप की 56 प्रतिशत हिस्सेदारी और उड़ीसा स्टीवडोर्स लिमिटेड (ओएसएल) की 39 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के पक्के करार किए हैं।

एपीएसईजेड ने एक विज्ञप्ति में कहा, इस अधिग्रहण में कंपनी का मूल्यांकन 3,080 करोड़ रुपये किया गया है । यह सौदा वैधानिक अनुमोदनों के मिलने और कुछ अन्य शर्तों के पूरा होने पर लागू होगा।÷

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस सौदे में कंपनी के वर्तमान मूल्यांकन के आधार पर किए जाने वाले भुगतान के अलावा अदानी समूह की कंपनी को साढ़े पांच वर्ष के उपरांत 270 करोड़ रुपये का भुगतान भी करना होगा। यह भुगतान विक्रेताओं के साथ सहमति के अनुसार कुछ शर्तों के पूरा होने पर देय होगा।

गोपालपुर बंदरगाह भारत के पूर्वी तट पर स्थित है और इसकी क्षमता प्रति वर्ष 2 करोड़ टन (एमएमटीपीए) माल चढ़ाने-उतारने की है। ओडिशा सरकार ने 2006 में जीपीएल को 30 साल की रियायत दी है और उससे दो बार दस-दस साल के लिए बढ़ाया जा सकता है।

गोपालपुर बंदरगाह राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 16 के रास्ते कारोबार की दृष्टि से प्रमुख आंतरिक हिस्सों से अच्छी तरह जुड़ा है। यह बंदरगाह अपनी अगल रेल-लाइन के जरिएचेन्नई-हावड़ा मुख्य रेल लाइन से भी जुड़ा है।

भारत के चालू खाते घाटे में आई गिरावट, अक्टूबर-दिसंबर में 10.5 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली। भारत का चालू खाता घाटा वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में घटकर 10.5 अरब डॉलर रह गया है। यह भारत की जीडीपी का 1.2 प्रतिशत के बराबर है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी की गई प्रेस रिलीज में ये जानकारी दी गई।

लगातार कम हो रहा चालू खाता घाटा

वित्त वर्ष 2023-24 में तिमाही दर तिमाही चालू खाता घाटे में गिरावट देखने को मिल रही है। जुलाई-सितंबर में ये 11.4 अरब डॉलर या जीडीपी का 1.3 प्रतिशत था। वहीं, पिछले साल समान अवधि यानी अक्टूबर-दिसंबर 2022 में ये 16.8 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 2 प्रतिशत था। आरबीआई द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि आयतित माल पर सीमा शुल्क डेटा के समायोजन के कारण वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही का चालू खाता घाटा एक प्रतिशत से बढ़कर 1.3 प्रतिशत हो गया है। अप्रैल से दिसंबर की तिमाही में चालू खाता घाटा 1.2 प्रतिशत रहा है, जो कि एक वर्ष पहले 2.6 प्रतिशत पर था।

व्यापारिक घाटा बढ़ा

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में व्यापारिक घाटे में मामूली उछाल देखने को मिला है। यह बढ़कर 71.6 अरब डॉलर हो गया है, जो कि एक वर्ष पहले करीब 71.3 अरब डॉलर था। हालांकि, इस दौरान सेवाओं के निर्यात में 5.2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। आरबीआई द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया कि सेवाओं के निर्यात में बढ़ोतरी होने से चालू खाते घाटे में कमी आई है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा बताया गया कि भारत का व्यापारिक घाटा लगातार बढ़ रहा है। फरवरी 2024 में ये 18.71 अरब डॉलर रहा है। जनवरी में ये 17.49 अरब डॉलर था। जबकि, फरवरी 2023में व्यापारिक घाटा 16.57 अरब डॉलर रहा है। अप्रैल 2023-फरवरी 2024 के लिए, भारत का माल व्यापार अंतर 225.20 अरब डॉलर था, जो 2022-23 के पहले 11 महीनों में 245.94 अरब डॉलर से कम है। यह इस अवधि के दौरान साल-दर-साल आधार पर 8.43 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है।

एलआईसी विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के तौर पर उभरा

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड-2024 के तौर पर उभरा है। एलआईसी ने बाजार मूल्यांकन में एसबीआई को पछाड़कर 5वीं सबसे मूल्यवान भारतीय सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल की है।

एलआईसी के चेयरमैन सिद्धार्थ मोहंती ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि स्थानीय से वैश्विक प्रभुत्व तक दुनिया का नंबर वन सबसे मजबूत बीमा ब्रांड है। एलआईसी का ब्रांड मूल्य 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर स्थिर है। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम विश्व स्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के तौर पर उभरा है। एलआईसी का शेयर भाव 1,175 रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) बन गया है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस के अनुसार एलआईसी के बाद इस सूची में ताइवानी कैथे लाइफ इंश्योरेंस को दूसरे सबसे मजबूत ब्रांड के तौर पर दर्शाया गया है। कैथे लाइफ इंश्योरेंस का ब्रांड मूल्य नौ फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गया है। इसके बाद एनआरएमए इंश्योरेंस है, जिसका ब्रांड मूल्य 82 फीसदी बढ़कर 1.3 अरब डॉलर हो गया है।

एसएंडपी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत का जीडीपी अनुमान बढ़ाकर 6.8 फीसदी किया

नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.80 फीसदी कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने पिछले साल नवंबर में अगामी वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 6.40 फीसदी रहने का अनुमान जताया था।

ग्लोबल रेटिंग्स स्टैंडर्ड एंड पूअर्स (एसएंडपी) ने जारी एशिया प्रशांत के लिए अपने 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.8 फीसदी की दर से बढ़ेगी। पिछले साल नवंबर में रेटिंग एजेंसी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया था। हालांकि, यह चालू वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7.6 फीसदी वृद्धि दर के अनुमान से कम है।रेटिंग एजेंसी ने अपने 'इकोनॉमिक आउटलुक' में कहा कि एशियाई उभरती बाजार (ईएम) अर्थव्यवस्थाओं के लिए हम मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाते हैं। इनमें भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम अग्रणी हैं। एजेंसी ने प्रतिबंधात्मक ब्याज दरों को आर्थिक विकास के लिए एक बाधा के रूप में चिह्नित किया है। एसएंडपी ने उम्मीद जताया कि 31 मार्च, 2025 को समाप्त होने वाले अगामी वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.8 फीसदी रहेगी। एजेंसी ने वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ के अनुमान को 5-5 फीसदी पर बरकरार रखा है।

सरकार अगले दो-तीन दिन में किसानों से खरीदेगी पांच लाख टन प्याज

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज की खरीदारी करेगी। सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ (नेफेड) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ) को बफर जरूरत के लिए किसानों से सीधे प्याज की खरीद शुरू करने का निर्देश दिया है।

उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि नेफेड और एनसीसीएफ को बफर स्टॉक के लिए किसानों से 5 लाख टन प्याज की खरीद शुरू करने का निर्देश दिया गया है। सरकार ने प्याज निर्यात प्रतिबंध को आगे बढ़ाने की वजह से मंडी की कीमतों में संभावित गिरावट के बीच यह कदम उठाया है।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार ने किसानों को भरोसा दिलाया कि वह उनके हितों की रक्षा के लिए अगले 2-3 दिन में पांच लाख टन रबी प्याज की खरीद शुरू करेगी। दरअसल पिछले हफ्ते वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने प्याज निर्यात पर लागू प्रतिबंध को अगले आदेश तक के लिए बढ़ा दिया था। पहले प्याज निर्यात पर रोक 31 मार्च, 2024 तक वैध थी। उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार रबी सत्र 2023-24 (जुलाई-जून) में प्याज उत्पादन 20 फीसदी घटकर 190.5 लाख टन रहने का अनुमान है जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 237 लाख टन रहा था। देश में प्याज की उपलब्धता के लिए रबी प्याज अहम है क्योंकि सालाना उत्पादन में 72-75 फीसदी का योगदान देता है।

देश के बाहर पहली बार कारोबार फैलाने जा रहा अमूल

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी डेयरी कंपनी अमूल पहली बार भारत के बाहर दूध ब्रिकी करेगी। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) एक सप्ताह के भीतर अमेरिकी बाजार में दूध के चार किस्मों की पेशकश करेगा। इस पहल के जरिए कंपनी का उद्देश्य भारत बाहर बसे भारतीय और एशियाई लोगों की जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट पेश करना है।

अमेरिकी कंपनी के साथ किया समझौता

जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक जयेन मेहता ने समाचार एजेंसी पीटीआई से बातचीत करेत हुए कहा कि हम कई दशकों से डेयरी उत्पादों का निर्यात कर रहे हैं। यह पहली बार है कि हम भारत के बाहर ताजे दूध की पेशकश कर रहे हैं। आगे बताया कि जीसीएमएमएफ ने अमेरिकी बाजार में ताजा दूध पेश करने के लिए 108 साल पुराने सहकारी संगठन मिशिगन मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (एमएमपीए) के साथ समझौता किया है। उन्होंने कहा कि दूध संग्रह और प्रसंस्करण एमएमपीए करेगा, जबकि जीसीएमएमएफ विपणन और ब्रांडिंग करेगा।

अमेरिका के कौन-कौन से शहर में मिलेंगे अमूल के प्रोडक्ट्स?

मेहता ने कहा कि उत्पाद हमारा होगा। एक सप्ताह के भीतर अमूल ताजा, अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल स्लिम एन ट्रिम अमेरिकी बाजार में उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि ताजा दूध न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, शिकागो, वाशिंगटन, डलास और टेक्सास सहित अन्य शहरों में मिलेगा। जीसीएमएमएफ इस पहल के जरिए अनिवासी भारतीयों और एशियाई आबादी को लक्षित करेगा।

होली के बाद सस्ता हुआ सोना, चांदी में मामूली तेजी

नई दिल्ली। होली के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में गिरावट का रुख नजर आया। ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोने की कीमत में आज 300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई, जिसके कारण चेन्नई के अलावा ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 67 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे कारोबार करता रहा। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी का भाव 77,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। मुंबई में 24 कैरेट सोना 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 67,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 61,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट

सोना आज 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 66,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 66,760 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 61,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 66,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में कमजोरी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 66,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 61,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

भाई-बहन के बाद अब भांजा-भांजी ने भी बाबा कल्याणी को कोर्ट में घसीटा, 60,000 करोड़ की संपत्ति का मामला

नई दिल्ली। देश की बड़ी फोर्जिंग कंपनियों में शामिल भारत फोर्ज के चेयरमैन बाबा कल्याणी की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। पारिवारिक संपत्ति को लेकर उनका अपनी बहन सुगंधा हिरेमठ से विवाद चल रहा है। अब इसमें उनके भांजे और भांजी भी कूद गए हैं। फोर्जिंग उद्योग के दिग्गज नीलकंठ कल्याणी के नाती समीर हिरेमठ और नातिन पल्लवी स्वादी ने अपने मामा बाबा कल्याणी के खिलाफ पुणे सिविल कोर्ट में मुकदमा दायर किया है। वे पारिवारिक संपत्ति में करीब 11 फीसदी हिस्सेदारी मांग रहे हैं। इसमें भारत फोर्ज और कल्याणी स्टील में हिस्सेदारी भी शामिल है। साथ ही उन्होंने परिवार के पांच लोगों के खिलाफ भी दायर किया गया है। इनमें समीर हिरेमठ और नातिन पल्लवी स्वादी की मां सुगंधा हिरेमठ, उनके भाई गौरीशंकर कल्याणी, उनके बच्चे शीतल कल्याणी और विराज कल्याणी और बाबा के बेटे अमित कल्याणी शामिल हैं।

इस परिवार के पास कितनी संपत्ति है, इसकी वैल्यू का पता नहीं है। परिवार के पास पुणे, महाबलेश्वर और महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में काफी जमीन है। कल्याणी ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 62,834 करोड़ रुपये है। हिकल के मालिकाना हक को लेकर पहले ही सुगंधा और बाबा कल्याणी के बीच विवाद चल रहा है। हिकल देश की प्रमुख स्पेशिएलिटी केमिकल कंपनियों में शामिल है। 50 साल के समीर और 48 साल की पल्लवी ने अपनी याचिका में कहा कि फरवरी 2023 में नीलकंठ की पत्नी की मृत्यु के बाद बाबा कल्याणी उनकी वसीयत को लागू नहीं कर रहे हैं। उन्होंने आशंका जताई है कि बाबा कल्याणी परिवार की सभी संपत्तियों को अपने कब्जे में ले लेंगे और बाकी लोगों को संपत्ति से बेदखल कर देंगे। फोर्ब्स के अनुसार 75 साल के बाबा कल्याणी देश के अमीर लोगों में शामिल हैं। उनकी नेटवर्थ करीब चार अरब डॉलर है।

एलआईसी बीमा क्षेत्र में दुनिया का सबसे मजबूत नामः रिपोर्ट

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) अंतरराष्ट्रीयस्तर पर सबसे मजबूत बीमा ब्रांड के रूप में उभरी है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस 100 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, एलआईसी का ब्रांड मूल्य 9.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर बना हुआ है। साथ ही ब्रांड स्ट्रेंथ इंडेक्स स्कोर 88.3 और संबद्ध एएए ब्रांड स्ट्रेंथ रेटिंग भी है। ब्रांड फाइनेंस इंश्योरेंस के बयान के अनुसार, एलआईसी के बाद सूची में कैथे लाइफ इंश्योरेंस को दूसरे सबसे मजबूत ब्रांड के रूप में दर्शाया गया है। कैथे लाइफ इंश्योरेंस का ब्रांड मूल्य नौ फीसदी बढ़कर 4.9 अरब डॉलर हो गया है। इसके बाद एनआरएमए इंश्योरेंस है, जिसका ब्रांड मूल्य 82 फीसदी बढ़कर 1.3 अरब डॉलर हो गया है।

ग्लोबल लिस्ट में चीन का दबदबा

बयान के अनुसार, चीन के बीमा ब्रांड ने ग्लोबल रैंकिंग में अपना दबदबा बनाए रखा है। पिंग एन ब्रांड मूल्य में चार फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 33.6 अरब डॉलर के साथ अग्रणी है। इसके बाद चाइना लाइफ इंश्योरेंस और सीपीआईसी तीसरे और पांचवें स्थान पर हैं।

एलआईसी इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 में 39,090 करोड़ रुपये का उच्चतम पहले वर्ष का प्रीमियम संग्रह हासिल किया, जबकि एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस ने 15,197 करोड़ रुपये और 10,970 करोड़ रुपये का नया प्रीमियम संग्रह हासिल कर निजी क्षेत्र का नेतृत्व किया। सरकार ने अगस्त, 2022 से प्रभावी एलआईसी कर्मचारियों के लिए 17 फीसदी वेतन संशोधन को मंजूरी दी थी। इससे 1,10,000 से अधिक कर्मचारियों को लाभ हुआ। एलआईसी के शेयर भी 1,175 रुपये के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया, जिससे यह भारत की सबसे मूल्यवान सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) बन गई। इसने बाजार मूल्यांकन में एसबीआई को पछाड़कर पांचवीं सबसे मूल्यवान भारतीय सूचीबद्ध कंपनी के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली।

बिकवाली के दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, आईटी और बैंकिंग सेक्टर पर रहा सबसे अधिक दबाव

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन दबाव में कारोबार करता रहा। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। दिन में कई बार खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार का सपोर्ट करने की कोशिश की लेकिन बिकवाली का दबाव इतना अधिक था कि सेंसेक्स और निफ्टी लगातार लाल निशान में कारोबार करते रहे। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.50 प्रतिशत और निफ्टी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। ऑयल एंड गैस, रियल्टी और कैपिटल गुड्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी का जोर नजर आया। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.71 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की कमजोरी के बावजूद मिडकैप शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 382.52 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 382.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 23 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,090 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,422 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,538 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 130 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,230 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 707 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,523 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 434.97 अंक टूट कर 72,396.97 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाया, जिसकी वजह से ये सूचकांक कुछ हद तक रिकवर करके 72,705.29 अंक के स्तर तक पहुंचा। इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा गोता लगा दिया। पूरे दिन खरीदारों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से ये सूचकांक 468.91 अंक टूट कर 72,363.03 अंक तक गिरा। आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली खरीदारी के कारण सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 100 अंक की रिकवरी करके 361.64 अंक की गिरावट के साथ 72,470.30 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 148.85 अंक की गिरावट के साथ 21,947.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक करीब 60 अंक की रिकवरी करके 22,073.20 अंक तक पहुंचा।

अटल पेंशन योजना में न्यूनतम आठ फीसदी रिटर्न की गारंटी, कांग्रेस के आरोपों में दम नहीं : सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का डिजाइन सबसे अच्छा है, जो न्यूनतम आठ फीसदी रिटर्न की गारंटी देता है। उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर कहा कि यह एक सुविचारित और लाभकारी सुविधा है, जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है।

वित्त मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक बयान में कहा कि अटल पेंशन योजना को सर्वोत्तम विकल्प के आधार पर डिजाइन किया गया है, ताकि स्वचालित रूप से प्रीमियम भुगतान जारी रहे। यह एक सुविचारित और लाभकारी सुविधा है, जो ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में है।

उन्होंने कहा कि लोगों को हर साल योजना जारी रखने का निर्णय लेने के बजाय छोड़ने का निर्णय लेना होगा, इससे उनमें से कई लोग सही निर्णय लेते हैं और अपनी सेवानिवृत्ति के लिए बचत करते हैं।

इससे पहले जयराम रमेश ने अटल पेंशन योजना को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए आरोप लगाया था कि यह एक बहुत खराब तरीके से डिजाइन की गई 'योजना' और 'कागजी शेर' है। इसके लिए अधिकारियों को लोगों को धोखा देने और इसमें भाग लेने के लिए मजबूर करना पड़ता है।सीतारमण ने अटल पेंशन योजना पर कांग्रेस पार्टी के जयराम रमेश के आरोपों पर जवाब देते हुए कहा कि वे अच्छी पेंशन योजना को डिजाइन करने के बुनियादी सिद्धांतों से अनभिज्ञ है। निर्मला सीतारमण ने जयराम रमेश को जवाब देते हुए कहा कि इसे निश्चित आय पेंशन कहते हैं। उन्होंने तथ्यों की जांच करने की जहमत नहीं उठाई है। प्रचलित ब्याज दरों और रिटर्न की परवाह किए बिना एपीवाई के तहत न्यूनतम रिटर्न की गारंटी भारत सरकार द्वारा कम से कम 8 फीसदी दी जाती है।

उन्होंने कहा कि यह एक आकर्षक गारंटीकृत न्यूनतम रिटर्न है। वास्तविक रिटर्न में किसी भी कमी की भरपाई के लिए भारत सरकार पीएफआरडीए को सब्सिडी का भुगतान करती है। यदि एपीवाई के ग्राहकों के योगदान पर उच्च निवेश रिटर्न प्राप्त होता है, तो ग्राहकों को उच्च पेंशन का भुगतान किया जाएगा। इस योजना के लिए वर्तमान में रिटर्न 8 फीसदी से अधिक है। अटल पेंशन योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक जून, 2015 को की थी। इस योजना में देश के 18 से 40 वर्ष के युवा निवेश कर सकते हैं। इस योजना के तहत सभी उम्मीदवारों को हर महीने 210 रुपये का प्रीमियम देना होगा। इसके बाद 60 वर्ष की आयु पूरी होने पर योजना में निवेश करने वाले युवाओं को 1000 रुपये से लेकर 5000 तक की मानसिक पेंशन मिलेगी।

बढ़ती उम्र के साथ त्वचा रहेगी जवान, अगर डाइट में शामिल करेंगे कोलेजन रिच ये 5 फूड्स

बढ़ती उम्र के साथ त्वचा को जवां बनाए रखना है तो एजिंग प्रोसेस को धीमा करना सबसे जरूरी है। इसमें आपकी मदद करता है कोलेजन प्रोटीन जिससे न सिर्फ स्किन बल्कि आपकी ब्लड वेसल्स लिगामेंट्स और जॉइंट्स भी हेल्दी रहते हैं और आप लंबे समय तक फिट और खूबसूरत बने रहते हैं। आइए आपको बताते हैं ऐसे 5 फूड्स जिनमें यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है।

खानपान का असर चेहरे पर साफ दिखाई देता है। अगर आहार बढ़िया और संतुलित हो, तो त्वचा और बाल तो हेल्दी रहते ही हैं, साथ ही पर्सनैलिटी में भी निखार आता है। इस आर्टिकल में हम कुछ कोलेजन रिच फूड्स के बारे में बात करेंगे, जो बढ़ती उम्र के साथ स्किन के स्ट्रक्चर को बनाए रखने में बड़ी भूमिका निभाता है। आइए जान लीजिए ऐसे 5 फूड्स, जिन्हें डाइट में शामिल करने से आप एजिंग प्रोसेस को स्लो कर सकते हैं।

खट्टे फल

बॉडी में कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाने के लिए डॉक्टर्स खट्टे फल खाने की सलाह देते हैं। गर्मियों के मौसम में तो इनके सेवन के अनेक फायदे हैं। ऐसे में आप अपने आहार में नींबू, संतरा, अनानास, बेरीज और कीवी वगैरह शामिल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा फ्री रेडिकल डैमेज से बची रहती है, और कोलेजन के प्रोडक?शन को बढ़ाने में काफी मदद मिलती है।

हड्डी शोरबा

स्किन और टिशूज की मरम्मत और त्वचा पर निखार लाने के लिए हड्डी शोरबा या बोन ब्रोथ काफी फायदेमंद होता है। इसके सेवन से आप स्किन की खोई चमक काफी हद तक वापस ला सकते हैं। बता दें, यह चिकन या मटन आदि की हड्डी से बना सूप होता है, जो शरीर में कोलेजन की मात्रा को बढ़ता है, और स्किन को यंग बनाए रखता है।

मछली

ओमेगा 3 फैटी एसिड से भरपूर मछली के सेवन से भी कोलेजन बढ़ाने में मदद मिलती है। फिश की बोन्स और लिगामेंट में यह भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा यह आसानी से बॉडी में अवशोषित भी हो जाता है। कई शोध में भी इस बात की पुष्टि हो चुकी है। ऐसे में आप मछली को भी अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

बेरीज

विटामिन सी से भरपूर अलग-अलग बेरीज भी आपके शरीर में कोलेजन का प्रोडक्शन बढ़ाने में बड़ा रोल प्ले करती हैं। यह खाने में भी काफी टेस्टी होती हैं, और शरीर को भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स मुहैया कराकर इसे यंग बनाए रखने में भी काफी मदद करती हैं।

ब्रोकली

विटामिन सी से भरपूर ब्रोकली के सेवन से भी आपकी बॉडी में कोलेजन की कमी पूरी होती है। बढ़ती उम्र में अगर झुर्रियों से बचे रहना चाहते हैं, तो सलाद से लेकर खानपान के किसी भी रूप में आप इसे डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसके अलावा इसमें सल्फोराफेन नामक एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है, जो शरीर को सूजन से भी बचाता है।

भाजपा की राजनीतिक चाल और अरविंद केजरीवाल का कानूनी संघर्ष

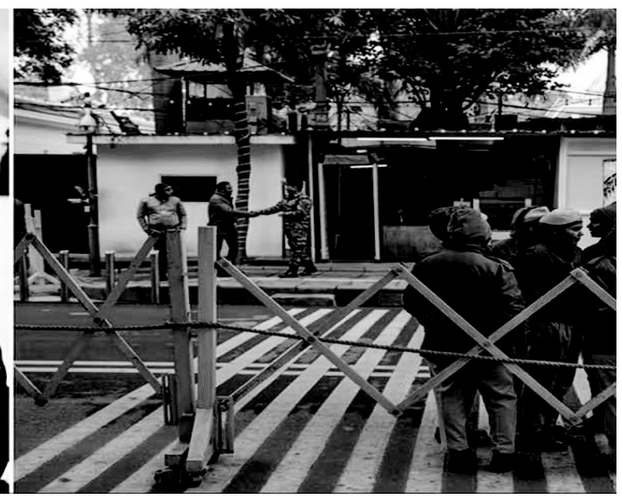

आम चुनाव नजदीक होने के कारण, केजरीवाल के लिए इस गिरफ्तारी से अधिक बुरा समय और क्या हो सकता है। केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के साथ जो समन का खेल खेल रहे थे, उसका परिणाम सामने आया। नरेंद्र मोदी का भूत अब आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहा है, जबकि भाजपा दिल्ली के राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की बात कर रही है, और उसका कहना है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से इसमें मदद मिलेगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अपनी गिरफ्तारी के खिलाफ अपनी अपील शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय से वापस ले ली। शीर्ष अदालत याचिका पर सुनवाई करने के लिए तैयार थी जब केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अपील वापस लेने की बाद की, जिसे सॉलिसिटर-जनरल तुषार मेहता ने कहा कि- केजरीवाल के वकील ने इसका इस्तेमाल %अदालत को गुमराह करने' के लिए किया था।

मेहता ने कहा, %मैंने ईडी से कहा था कि जब तक इस अदालत द्वारा मामले का निपटारा नहीं हो जाता, तब तक उसे रिमांड के लिए पेश न करें।' इससे पहले, सिंघवी ने कहा था कि याचिका वापस ली जा रही है %क्योंकि यह रिमांड से टकरा रही है।' इस नाटक के अलावा, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी आम आदमी पार्टी के लिए इससे अधिक महत्वपूर्ण मोड़ पर और क्या हो सकती थी। हालांकि यह महत्वपूर्ण बात है कि दिल्ली का मुख्यमंत्री कौन है, यह केजरीवाल की चिंताओं में सबसे नीचे है।भाजपा का कहना है कि यह एक %विशुद्ध रूप से कानूनी मामला' है, जबकि आप का कहना है कि कांग्रेस के साथ आप के गठबंधन के बाद दिल्ली की संसदीय सीटों पर भाजपा के सामने आप की चुनौती को रोकने के लिए यह उसकी एक %विशुद्ध राजनीतिक चाल' है। बता दें कि भाजपा को यकीन नहीं है कि वह दिल्ली की 7 लोकसभा सीटों को बरकरार रख पायेगी जो उसने 2014 और 2019 में जीती थीं।क्या होगा अगर अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए दिल्ली में बढ़त की संभावना के विपरीत स्थिति हो जाये? दिल्ली के मतदाता केजरीवाल को सहानुभूति के साथ-साथ वोट भी दे सकते हैं। संकट के इस समय में आम आदमी पार्टी काले बादलों की उम्मीद की किरण पर भरोसा कर रही है। कागज पर, यह संभव है कि दिल्ली के मतदाता प्रतिशोधात्मक ताकत के साथ भाजपा पर पलटवार करेंगे।बेशक, चिंता है कि आप दबाव में बिखर सकती है। वहां नेतृत्व शून्यता है। कई अन्य लोगों की तरह, केजरीवाल ने भी पार्टी प्रमुख के रूप में उनकी जगह लेने के लिए किसी को नहीं छोड़ा। योगेन्द्र यादव, किरण बेदी, प्रशांत भूषण और कुमार विश्वास आदि, सूची बहुत लंबी है। जब तक केजरीवाल अपना विकल्प नहीं खोज लेते -एक वफादार मंडली नहीं ढूंढ लेते या अपनी पत्नी को दिल्ली पर थोप नहीं देते, तब तक आप को नुकसान होगा। आप मंत्री आतिशी मार्लेना और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को समुचित फैसला लेना होगा।आम चुनाव नजदीक होने के कारण, केजरीवाल के लिए इस गिरफ्तारी से अधिक बुरा समय और क्या हो सकता है। केजरीवाल प्रवर्तन निदेशालय के साथ जो समन का खेल खेल रहे थे, उसका परिणाम सामने आया। नरेंद्र मोदी का भूत अब आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहा है, जबकि भाजपा दिल्ली के राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की बात कर रही है, और उसका कहना है कि अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से इसमें मदद मिलेगी।जैसे कि किसी ने लिखा, राज्य के मतदाता मूल रूप से इस समय एक जम्प बॉल हैं', जिसका अर्थ है कि केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद एक बड़ा हिस्सा अनिर्णयित मतदाताओं' का हो गया है। स्थिति से परिचित एक व्यक्ति ने कहा, नवीनीकृत दिल्ली शराब नीति सभी परेशानियों का कारण है। ऐसा कहा जा रहा है कि इस समय यह कल्पना करना कठिन है कि कौन किसे बाहर कर रहा है?कागज़ पर, मोदी का पलड़ा भारी है। लेकिन 4 जून को भाजपा के लिए दिल्ली में 7/7 होने की संभावना नहीं है। विशेषकर तब नहीं जब कांग्रेस मुश्किल में फंसी आम आदमी पार्टी के साथ मजबूती से खड़ी है और आप के साथ-साथ भाजपा भी बहुत प्रतिस्पर्धी है। इस बार नतीजे भाजपा के लिए उतने अच्छे नहीं होंगे जितने पहले हुआ करते थे। कांग्रेस-आप गठबंधन गेम-चेंजर साबित होगा, भले ही हालिया इतिहास भाजपा के पक्ष में रहा हो।

कांग्रेस के साथ, एक बड़ा मुस्लिम वोट होगा, जिसके आप को भी वोट देने की संभावना है। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद से, मुस्लिम मतदाता चाहे बारिश हो या धूप, कांग्रेस को वोट देने के लिए उत्सुक हैं। स्कूलों और स्वास्थ्य क्लीनिकों पर आप के संदेश उसके वोट-बैंक के साथ गूंजेंगे और भाजपा कथित तौर पर विपक्ष को समान अवसर से वंचित करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है।केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद संभावना है कि दौड़ की गतिशीलता केजरीवाल की पार्टी के अनुकूल होगी, हालांकि केजरीवाल की अनुपस्थिति महसूस की जायेगी क्योंकि कोई भी पार्टी अकेले अपनी उपलब्धियों के भरोसे नहीं रह सकती। साथ ही, मोदी की भाजपा बदली हुई स्थिति का लाभ उठाने के लिए खुद को तेजी से आगे लायेगी। जब तक आम आदमी पार्टी यह तय नहीं कर लेती कि क्या करना है और कैसे मुकाबला करना है और होना है, तब तक भाजपा निश्चिंत रहेगी।कुछ बिंदु पर, केजरीवाल ने गलत अनुमान लगाया। अब, आप को भ्रष्टाचार के रंग में रंग दिया गया है, जो कि अनुचितता की एक सामान्य बीमारी का लक्षण है जो राजनीति को परेशान कर रही है। अरविंद केजरीवाल का मुख्यमंत्री बने रहना और तिहाड़ से दिल्ली पर शासन करना एक मूर्खतापूर्ण प्रस्ताव है। मोदी सरकार दिल्ली को आप सरकार से मुक्त कराने के लिए मौके का फायदा उठायेगी।

आप को एक नये मुख्यमंत्री की पहचान करनी चाहिए और दिल्ली पर शासन जारी रखना चाहिए। केजरीवाल का तिहाड़ से दिल्ली का शासन चलाना केंद्रीय हस्तक्षेप के जोखिम से भरा है। यह आप के लिए व्यापक नेतृत्व आधार बनाने का भी एक अवसर है। भारतीय जनता पार्टी आरामदायक स्थिति में है क्योंकि उसका दिल्ली का सपना सच हो गया है। दिल्ली सरकार को घोटालों में दोषी ठहराने की पार्टी की रणनीति काम कर गई है।आबकारी नीति और दिल्ली जल बोर्ड' घोटाले पर की गई कार्रवाई भाजपा की योजना के अनुसार चली। बहुत ही राजनीतिक कारणों से, केजरीवाल हमेशा डीजेबी घोटाले' और आबकारी नीति' घोटाले दोनों में, मोदी सरकार के निशाने पर थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री को डीजेबी घोटाले' में भी समन जारी किया गया है। भारतीय जनता पार्टी की योजना केजरीवाल को भ्रष्टाचार के चेहरे' के रूप में चित्रित करने की है और केजरीवाल की गिरफ्तारी के साथ भाजपा का आधा काम हो गया है।इसके साथ ही, भाजपा ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को पूरी तरह से कानूनी मामला' करार दिया है। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी इसे पूरी तरह से राजनीतिक करार दे रही है। दिल्ली का नियंत्रण और शासन दांव पर होने के कारण, आप और गठबंधन सहयोगी कांग्रेस दोनों आशावादी हैं कि इंडिया गठबंधन दिल्ली लोकसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन करेगा।

संपादकीय

स्वतंत्र जांच जरूरी

कतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव व आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला नया नहीं है। खासकर चुनावी वेला में तो यह स्थिति चरम पर होती है। लेकिन इस टकराव का प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया के स्वाभाविक प्रभाव को बाधित करने वाला नहीं होनी चाहिए। युद्ध की तरह से राजनीति के भी अपने नियम होते हैं और मुकाबले के लिये बराबर का अवसर भी उपलब्ध कराया जाना चाहिए। साथ ही यह जरूरी है कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध को दूर करने के लिये संवाद की प्रक्रिया भी निरंतर चलती रहनी चाहिए, ताकि अनावश्यक गतिरोध को टाला जा सके। बीते गुरुवार को देश के मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस पार्टी की ओर से आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाए गए कि खाते फ्रीज करके पार्टी को आर्थिक रूप से पंगु बनाने की कोशिश सत्ता पक्ष की ओर से की जा रही है। यूं तो कांग्रेस पिछले पांच वर्षों में लगातार सत्ता पक्ष की रीतियों-नीतियों पर हमलावर रही है, लेकिन फिलहाल कांग्रेस द्वारा लगाए आरोपों की गंभीरता पर भी विचार किया जाना चाहिए। वैसे भी किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनावी प्रक्रिया को सुचारू और विश्वसनीय बनाने के लिये विपक्षी दलों को मुकाबले का बराबर अवसर तो मिलना ही चाहिए। निश्चित रूप से इससे चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता व प्रामाणिकता को संबल मिलता है। कांग्रेस का आरोप है कि मुख्य विपक्षी पार्टी को आयकर विभाग की कार्रवाई से वित्तीय संकट की ओर धकेला जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस पार्टी की मुद्दे को लेकर गंभीरता इस बात से भी उजागर होती है कि हाल-फिलहाल यह पहला अवसर है कि पार्टी के तीन शीर्ष नेता कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी व राहुल गांधी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में नजर आए। विशेष तौर पर ऐसी स्थिति में जब देश में चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी प्रक्रिया आरंभ हो चुकी है कांग्रेस के आक्षेप को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

निश्चित रूप से किसी भी लोकतंत्र की खूबसूरती इस बात में है कि सत्ता पक्ष विपक्षी राजनीतिक दलों को बराबर का मौका उपलब्ध कराये, जिससे चुनावी मुकाबला न्यायसंगत बना रह सके। यदि मुख्य विपक्षी दल यह आरोप लगाए कि ऐन चुनाव के वक्त पार्टी के खाते फ्रीज करके उसके चुनाव लड़ने और प्रचार करने में बाधा उत्पन्न हुई तो यह स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिये अच्छा नहीं है। निश्चित रूप से कांग्रेस के आरोपों की स्वतंत्र जांच की जानी चाहिए। पार्टी का कहना है कि खाते फ्रीज होने से पार्टी के समक्ष उत्पन्न आर्थिक तंगी से पार्टी न विज्ञापन दे सकती है और न ही अपने नेताओं के लिये हवाई टिकट बुक करा पा रही है। उसका यह भी कहना है कि उसे रैली आयोजित करवाने में परेशानी हो रही है। हालांकि, कांग्रेस के आरोपों से इतर सरकार व आयकर विभाग के अधिकारियों की अपनी दलीलें हैं। उल्लेखनीय है कि गत 13 मार्च को दिल्ली हाईकोर्ट ने आईटीएटी के उस आदेश को बरकरार रखा था, जिसमें सौ करोड़ से अधिक के बकाया कर की वसूली के लिये कांग्रेस पार्टी को आयकर विभाग से जारी नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने पार्टी को तब नये स्थगन आवेदन के साथ आईटीएटी का रुख करने की स्वतंत्रता दी थी। ऐसे में इस मुद्दे पर अंतिम राय बनाने से पहले सभी पक्षों के तर्कों पर विचार भी जरूरी है। सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता ने इन आरोपों को पार्टी की हताशा का परिणाम बताया है। यह भी कि कांग्रेस के आरोपों से भारतीय लोकतंत्र की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

टीकाकरण अभियान में अवरोध से बढ़ता संक्रामक बीमारियों का खतरा

लैसेंट ग्लोबल हेल्थ में हालिया प्रकाशित रिपोर्ट इस मायने में चिंतनीय और महत्वपूर्ण हो जाती है कि विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध का असर सामने आने लगा है। दुनिया के देशों के सामने खसरा, हेजा, हेपेटाइटिस सहित 14 से अधिक बीमारियों के फैलने का संकट उभरने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देषों में हेजे के कारण मौत का आंकड़ा लगभग दो गुणा हो गया है। तपेदिक नए वेरियंट में आने लगी है जिसमें लगातार खांसी नहीं होने के कारण तपेदिक का पता लगने तक काफी देरी होने लगी है। दरअसल कोरोना ने अपने साइड इफेक्ट इस हद तक छोड़ गया है कि उसका असर हमें प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से आने वाले कई सालों तक देखने का मिलेगा। कोरोना के कारण दुनिया के देशों में टीकाकरण अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। 2019 के अंतिम त्रैमास से 2020 तक कोरोना त्रासदी और उसके बाद कोरोना के नित नए वेरियंट के कारण स्वास्थ्य को लेकर चल रहे विभिन्न अभियानों पर सीधा सीधा असर पड़ा है। मजे की बात यह है कि उसका असर अब दिखाई देने लगा है। इंपिरियल कॉलेज लंदन के शोधार्थियों ने भारत सहित 112 देशों में किए गए अध्ययन में यह पाया है कि टीकाकरण में कोरोना काल में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के कारण 2030 तक दुनिया के देशों में खसरा सहित 14 बीमारियों के फैलने के कारण अतिरिक्त मौत होगी। एक अनुमान के कारण अकेले खसरे के कारण ही 40 हजार से अधिक जान जाने का अनुमान है। हैजे के कारण होने वाली मौतों के आंकड़ें सामने आये हैं। करीब करीब दो गुणी गति से हैजे के मामलें सामने आने लगे हैं। 2023 में सात लाख के करीब मामलें सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसीलिए चिंता जताई है।

दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी। हालात भयावह थे तो न भूतो न भविष्यति के हालात थे। सब कुछ ठहर जाने और दुनिया के किसी भी कोनों में नजर ड़ालों चारों और मौत का तांडव ही दिखाई देता था। सारी दुनिया का ध्यान इस त्रासदी से एक एक जान बचाना बड़ी प्राथमिकता थी। इस दौरान टीकाकरण अभियान तो जोर शोर से चला पर वह अन्य बीमारियों के स्थान पर कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन और उसके पहली और दूसरी डोज पर ही केन्द्रीत रहा। दुनिया के देशों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाना पहली प्राथमिकता रही। कोरोना वैक्सीनेशन के

लिए भारत ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया। परिणाम सामने हैं। आज कोरोना का आतंक लगभग समाप्त हुआ है। पर करोना के साइड इफेक्ट आज भी सामने हैं। हांलाकि कोरोना में मौत को नजदीक से देखने और कोरोना के कारण लाचारगी के बावजूद दुनिया के देशों में जो समझ आनी चाहिए थी वह कोसों दूर है। रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, चीन की दादागिरी सहित दुनिया के देशों में संघर्ष, आतंकवादी घटनाएं बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है। हांलाकि यहां विचार करना विषयांतर होगा।दरअसल कोरोना काल ही ऐसा था कि उस समय वर्षों से चले आ रहे अभियान लगभग ठहर ही गए थे। बल्कि यों कहा जाए कि उस समय सारी दुनिया का ध्यान सबसे हटकर कोरोना त्रासदी से बचाव की और ही रह गया था। कोरोना प्रोटोकाल और कोरोना वायरस के संक्रमण के तरीके ने ही हिला कर रख दिया था। मास्क, सेनेटाइजर, सोशियल डिस्टेंस उस समय का धर्म था तो अस्पताल तो दूर की बात घर से निकलते भी भय लगता था। ऐसे में टीकाकरण अभियान बाधित होना ही था। इसके साथ ही कोरोना वैक्सीन की और सबका ध्यान होने से अन्य वैक्सीन के उत्पादन और उपलब्धता प्रभावित होना स्वभाविक था। पर अब जो अध्ययन सामने आया है और जो देखने को मिल रहा है वह चिंतनीय है। खसरा, हैजा, तपेदिक, हैपेटाइटिस बी सहित 14 प्रकार के टीके जो समय पर लगाये जाने आवश्यक होते हैं वह प्रभावित हुए हैं। खसरा और फ्लू के नित नए वैरियंट सामने आ रहे हैं। स्वाइन फ्लू, पैरट फीवर, रुबेला, न्यूमोनिया और ना जाने क्या क्या जानलेवा बीमारियां असर दिखाने लगी है। हैजे के दो साल में ही बढ़ते मामलों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी चिंता जता चुका है। केवल हैजे के ही 2022 की तुलना में 2023 में करीब 48 प्रतिशत अधिक मामलें सामने आना अत्यधिक चिंता का कारण हैं। लोगों के इम्यूनेशन पॉवर में कमी आना बेहद चिंतनीय है। मौसम के जरा से बदलाव के साथ ही डॉक्टरों के यहां कतार लग जाना और नित नए वैरियंट में बीमारियां होना अपने आप में गंभीर हो जाता है।

चिकित्सा विज्ञान में शोध व अध्ययन कर रहे शोधार्थियों के लिए हालात चिंतनीय होते जा रहे हैं। उलटा होने यह लगा है कि जो बीमारियां लगभग समाप्ती की और थी उनके नए वैरियंट भी दिखाई देने लगे हैं। तपेदिक इसका जीता जागता उदाहरण है। अब हालात सामने हैं। कोरोना के कारण जो हालात बने उसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता है। अब हो हालात और चुनौती सामने हैं उसी को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य की रणनीति तैयार करनी होगी। कोरोना के कारण प्रभावित वैक्सीनेशन से निपटने की योजना बनानी होगी। ऐसे समन्वित प्रयास करने होंगे ताकि टीकाकरण नहीं होने के कारण जो हालात बन रहे हैं उसका कोई सार्थक समाधान खोजा जा सके। यह किसी एक देश या एक कौम की चिंता नहीं है अपितु दुनिया के 112 देशों के अध्ययन का परिणाम हैं। हालात मुंह बाएं सामने हैं। जो होना था वह तो हो गया पर अब इसका संभावित उपाय खोजने के लिए वैज्ञानिकों को जुट जाना होगा। वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि 1937 से 2021 तक टीकाकरण अभियान का ही परिणाम रहा कि इन जानलेवा बीमारियों पर काफी हद तक अंकुश पाया जा सका। पर अब टीकारण अभियान में आये व्यवधान के कारण हालात में थोड़ा बदलाव आया है जिसे ध्यान में रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। चुनौतियां दो तरह की सामने है। एक और इन बीमारियों के फैलाव या यों कहें कि संक्रमण को रोकना है तो दूसरी और इनसे प्रभावितों के सही ईलाज की चुनौती सामने है। दुनिया के देशों को इसके लिए जुट जाना होगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी गंभीर चिंतन मनन के साथ ही कारगर रणनीति तैयार करनी होगी।

कठिन चुनौती है वर-वधू का चुनाव

मीता और मोहन दोनों ने प्रेम विवाह किया और विवाह के कुछ समय बाद दोनों में तलाक हो गया। रीता और रमेश दोनों का विवाह माता-पिता ने अपनी पसंद से किया लेकिन उनमें भी नहीं बनी और उनका भी तलाक हो गया। अब प्रश्न उठता है कि वर-वधू का चुनाव किस तरह किया जाए कि उनका वैवाहिक जीवन सफल व खुशियों से भरा-पूरा हो।

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है। अब न तो माता-पिता के भरोसे वर-वधू का चुनाव छोड़ा जाए और न ही पूर्णत: लड़के-लड़कियों के भरोसे।

वर्तमान समय में ये दोनों ही व्यवस्थाएं अपने आप में अपूर्ण हैं। वैवाहिक जीवन की गाड़ी लड़के-लड़की द्वारा ही चलेगी, माता-पिता द्वारा नहीं। इसलिए यह जरूरी है कि मध्य मार्ग का अनुसरण करते हुए वर और वधू को शादी से पहले एक-दूसरे के विचार, पसंद, नापसंद, भावनाएं, रुचियां, शिक्षा-दीक्षा और संस्कार आदि को भली प्रकार जानने-समझने की आवश्यकता होती है।

इस समस्या को हल करने के लिए कोई बीच का रास्ता अपनाया जाए। लड़के-लड़कियों को एक-दूसरे को जानने, समझने का मौका दिया जाए, एक-दूसरे की रूचियों, स्वभाव, संस्कार आदि सभी बातों को अच्छी तरह समझ लिया जाए पर यह स्वतंत्र रूप से नहीं वरन माता-पिता की सहमति से ही होना चाहिए।

इस संबंध में एक उदाहरण ध्यान देने योग्य है देवदास गांधी (महात्मा गांधी के पुत्र) और राजगोपालाचारी की पुत्री, दोनों के निकट संपर्क होने के कारण प्रेम हो गया और दोनों ने शादी की इच्छा जतलाई। गांधीजी और राजगोपालाचारीजी ने इस समस्या पर विचार कर यह निर्णय दिया कि यदि आगे पांच साल

आधुनिक युग में जिस तेजी से तलाक की घटनाएं बढ़ रही हैं, उन्हें देखते हुए चाहे प्रेम विवाह हो अथवा माता-पिता की सहमति से वर-वधू एक-दूसरे को पसंद कर शादी करें पर इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं कि दोनों का वैवाहिक जीवन सफल ही हो। माता-पिता द्वारा वर-वधू को पसंद कर की गई शादी तो अब दूर की बात हो गई है।

तक दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर देंगे। दोनों ने पांच साल तक प्रतीक्षा की और पवित्र जीवन बिताया। इस परीक्षा के बाद जब दोनों का प्रेम स्थायी रहा तो विवाह कर दिया गया। इस तरह हम देखते हैं कि जब तक प्रेम की परीक्षा न हो जाए, वह आंतरिक और शुद्ध न हो तब तक प्रेम विवाह को टालना ही हितकारी है। भावावेश में लिया गया निर्णय कभी वास्तविक प्रेम नहीं हो सकता।

अनुभवहीन लड़के

लड़कियां, बिना जाने-समझे आस-पड़ोस या कहीं निकट संपर्क में आने पर इस तथाकथित प्रेम के चक्कर में फंसकर प्रेम-विवाह कर लेते हैं तो आगे चलकर कुछ समय बाद उनका वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी ही बीतता है।

वर-वधू का चुनाव करते समय एक महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखने योग्य है कि इसमें धन को विशेष महत्व न दिया जाए। इस दृष्टि से विवाह करना कि वर पक्ष अधिक धन-संपत्ति वाला है या वधू पक्ष से अधिक दहेज मिलेगा, यह बहुत बड़ी भूल है। अधिकांश लोग धन के लालच में पड़कर वर या वधू के न तो गुण, कर्म, स्वभाव, स्वास्थ्य या योग्यता को महत्व देते हैं और न ही उनके चरित्र, संस्कार व आदर्शों को।

परिणामस्वरूप ऐसा वैवाहिक जीवन प्राय: कष्टकारी, नारकीय अथवा असफल जैसा ही हो जाता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वर-वधू का चुनाव करते समय देखने वाली महत्वपूर्ण बाते ये हैं कि दोनों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य उत्तम हो। दोनों के आचार-विचार मिलते हों, जरूरी समझ और पैनी दृष्टि हो। इसके अतिरिक्त शिक्षा-दीक्षा, उत्तम संस्कारों का मेल एवं सूझबूझ वर-वधू के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

क्या बारिश में आपके भी तौलिए से बदबू आती है? कैसे दूर करें

बारिश के दौरान अक्सर तौलिए में से बदबू आने लगती है जिससे पूरा मूड ऑफ हो जाता है। इतना ही नहीं त्वचा की निखार पर भी असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि गिले या नमी वाले तौलिये में बैक्टीरिया पनप जाते हैं। इस वजह से त्वचा संबंधित परेशानी भी हो सकती है। तो आइए जानते हैं कैसे आसान तरीकों से तौलिए से आ रही बदबू को भगाएं।

- सबसे पहली बात, कई लोग टॉवेल को ठीक करके उन्हें बाथरूम में रख देते हैं। लेकिन नमी के कारण उनमें बैक्टीरिया पनप जाते हैं। और वह बदबू मारने लगते हैं। इसके बाद वहीं टॉवेल का उपयोग त्वचा संबंधित कुछ भी परेशानी हो सकती है। इसलिए तौलिए को बारिश के दिनों में सुखी जगहों पर ही रखें।
- अक्सर नहाने के बाद लोग तौलिए को कहीं भी डाल देते हैं। ऐसे में बहुत बदबू आने लगती है। मौसम कोई-सा भी हो नहाने के बाद तौलिए को हमेशा किसी भी स्टैंड या रस्सी पर ही डालें। जिससे टॉवेल का गीलापन सुख जाएगा और बदबू भी नहीं आएगी।
- बारिश में दो तौलिए का इस्तेमाल कीजिए। और तौलिए को हर 2 दिन में धोते रहिए। जिससे बदबू नहीं आएगी और बैक्टीरिया भी नहीं पनपेंगे। मानसून सीजन में धूप बहुत कम निकलती है लेकिन जब भी धूप निकलती है तो गीले कपड़ों को धूप में जरूर डालें। इससे किसी भी कपड़ों में से बदबू नहीं आएंगी। साथ ही तौलिए को धूप में जरूर रखें।
- बारिश के सीजन में कपड़ें अगर नहीं सूखते हैं तो उन्हें आप पंखे की हवा में सुखा लीजिए। इससे बदबू नहीं आएगी।
- बारिश के दौरान सर्फ का इस्तेमाल थोड़ा अधिक कर लीजिए। इससे कपड़ों में से सर्फ की सुगंध के बीच बदबू दब जाएगी। साथ ही आप कपड़ों को धोने के दौरान हल्का सा डेटॉल का प्रयोग भी कर सकते हैं इससे भी कपड़ों में से बहुत कम दुर्गंध आएंगी। हल्की बदबू आने पर आप हल्का स्प्रे भी कर सकते हैं।

हाल ही में सोशल मीडिया में एक पति का लिखा वो पत्र लोगों को भावुक कर गया, जिसमें उसने अपनी पत्नी को समर्पण के लिए शुक्रिया कहा और कृतज्ञता जताई। पति ने लिखा कि एक गृहिणी होने के नाते मुझे लगता था कि मेरी पत्नी घर पर रहती है तो उसके पास काम ही क्या है? इसलिए मैंने उसे कभी उसके काम का क्रेडिट नहीं दिया। वह दिनभर घर और बच्चे की देखभाल में थकी रहती। लेकिन मुझे घर लौटने पर हमेशा अपनी ही थकान दिखती।

गृहिणियों का श्रम भी मान का हकदार

ऑफिस से लौटकर मैं उसे अक्सर यही कहता कि तुमने क्या किया दिनभर? लेकिन अब गंभीरता से सोचने पर लगता है कि यह महिला कितनी गजब की है। जो बच्चे और घर की अनगिनत जिम्मेदारियां अकेले ही संभालती है। इतना सोचा तो खुद पर ही गुस्सा आया। इसलिए सबसे कहूंगा कि अपने बच्चों की मां का सम्मान करें। जो घर-परिवार के लिए अपनी हर खुशी से नाता तोड़ लेती हैं।

हर मोर्चे पर है डटी

चिंता में डूबी पत्नी, नसीहतें और समझाइशें देती मां, बड़ों की देखभाल का जिम्मा उठाने वाली बहू और नाते रिश्तेदारी के बुलावे और दिखावे की रीति-नीति निभाने वाली एक जिम्मेदार स्त्री। वह हर मोर्चे पर डटी रहती है। भागती है, दौड़ती है, हांफती है, थकती है। भीतर ही भीतर जूझती भी है। बस, मन की नहीं कहती कभी। गृहिणी जो है। सामाजिक-पारिवारिक छवि कुछ ऐसी कि वह सब कुछ करती है पर कुछ नहीं कहती। वाकई, गृहिणी के रूप में स्त्री की यह भूमिका साधारण होकर भी कितनी असाधारण है। रोजमर्रा की अनगिनत जिम्मेदारियों को निभाते हुए समय के साथ कितना कुछ रीत जाता है गृहिणियों के मन के भीतर। लेकिन इसे समझने का अवकाश ना उसे मिलता है और ना ही उसके अपनों को।

बदलते समय में बढ़ी जिम्मेदारियां

समय के साथ गृहिणी की भूमिका भी बदल गई है। लेकिन उसके हिस्से आई जिम्मेदारियां कम नहीं हुई हैं। आज हर काम के लिए घरों में मशीनें मौजूद हैं पर उसकी भागमभाग अब भी जारी है। पहले जिम्मेदारियां तो थीं लेकिन दायरा सीमित था। मगर आज दायरा असीमित है घर से लेकर बाहर की जिम्मेदारी के अलावा बच्चों की पढ़ाई से लेकर फ्यूचर इंवेस्टमेंट की तैयारियों में वह जुटी रहती है। फिर भी वह हर बात में तालमेल बैठा ही लेती है।

सबके लिए कुछ न कुछ

चाहे गांव हो या शहर सुबह सबसे पहले बिस्तर छोड़ने और रात को सबके बाद अपने आराम की सोचने वाली महिलाएं पति, बच्चों और घर के अन्य सदस्यों की देखरेख में इतनी व्यस्त हो जाती हैं कि खुद को हमेशा दोयम दर्जे पर ही रखती हैं। दूसरों की शर्तों, इच्छाओं और खुशियों के लिए जीने की उन्हें न केवल आदत-सी हो जाती है बल्कि किसी काम में जरा-सी भी कमी रह जाए तो, वे अपराधबोध से ग्रस्त हो जाती हैं। लेकिन फिर भी देखने में आता है कि उन्हें ताने ही सुनने को मिलते हैं। उनके काम का श्रेय और सम्मान उनके हिस्से नहीं आता। कुल मिलाकर कहा जाए तो वो एक ऐसा 'सपोर्ट सिस्टम है जो हमें जीने का हौसला देती है। न कोई छुट्टी ना कोई वेतन। सच कहें तो कोई गृहिणी वेतन चाहती भी नहीं। पर वो अपनों की जो सेवा सहायता करती है उसके बदले सम्मान की अपेक्षा तो करती ही है जो कि उसका मानवीय हक भी है। एक राष्ट्रीय सर्वे के मुताबकि 45 प्रतिशत ग्रामीण और 56 प्रतिशत शहरी महिलाएं जिनकी उम्र पंद्रह साल या उससे ज्यादा है पूरी तरह से घरेलू कार्यों में लगी रहती हैं। यह आंकड़ा हैरान करने वाला है कि 60 साल से ज्यादा की उम्र वाली एक तिहाई महिलाएं ऐसी हैं, जिनका सबसे ज्यादा समय इस आयु में भी घरेलू कार्यों को करने में ही जाता है।

भागीदारी का आर्थिक पहलू

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ भारत में ही महिलाएं दिनभर में 352 मिनट अवैतनिक कार्यों को करने में बिताती हैं। यानी इन कामों के लिए उन्हें कोई आर्थिक लाभ नहीं मिलता। जबकि कुछ सालों पहले अमेरिका में हुए एक अध्ययन ने वहां गृहिणियों द्वारा किए गए घरेलू कामों की सालाना कीमत 57 लाख रुपए के बराबर आंकी थी। गौरतलब है कि पश्चिमी देशों में घर की जिम्मेदारियां केवल महिलाओं के हिस्से नहीं हैं। इसलिए वहां गृहिणी के रूप में भी महिलाओं के श्रम और आर्थिक भागीदारी के पक्ष को महत्व दिया जाता है। जबकि हमारे यहां का रहन-सहन और सामाजिक ढांचा कुछ इस तरह का है कि घर पर रहने वाली महिलाओं के हिस्से में काम विकसित देशों से ज्यादा हैं और सुविधाएं कम हैं। सबसे बड़ी बात तो यह है कि हमारे यहां घरेलू कार्य का जिम्मा पूरी तरह से महिलाओं का ही होता है। पुरुषों का सहयोग नाममात्र को ही मिलता है। हमारे यहां घरेलू कामकाज में पुरुषों की भागीदारी प्रतिदिन केवल 19 मिनट है।

अनदेखी की शिकार

गृहिणी हर परिवार की पृष्ठभूमि तैयार करती है। किसी कलाकृति को उकेरने के लिए जो स्थान कैनवास का होता है घर के सदस्यों के जीवन में वही भूमिका होती है गृहिणियों की। ये बात और है कि तस्वीर बन जाने पर वे भी कैनवास की तरह ही कहीं पीछे छुप जाती हैं। शायद यही वजह है कि इस रूप में महिलाओं की भागीदारी को हर जगह और हर हाल में अनदेखा करने की ही कोशिश की जाती है। घर का कोई भी सदस्य किसी भी समय कह देता है कि 'तुम दिन भर घर में करती ही क्या हो?'

मनोवैज्ञानिक आधार

मनोवैज्ञानिक रूप से देखा जाय तो यह अनदेखी एक अपराधबोध के भाव को जन्म देती है। वे सबके साथ होकर भी अकेली हो जाती हैं। उनके मन में सब कुछ करके भी खुद को कुछ भी करने योगय ना समझने का भाव इतना गहरा जाता है कि वे तनाव और अवसाद की शिकार बन जाती हैं। एक हालिया अध्ययन में भी सामने आया है कि 96 फीसद महिलाएं दिन में कम से कम एक बार खुद को दोषी या अपराधी मानती हैं। अपराधबोध से जुड़ा उनका यह भाव अधिकतर मामलों में बच्चों की परवरिश या परिवार की संभाल से ही जुड़ा होता है। इसके बावजूद उनके कार्यों का आकलन ठीक से नहीं किया जाता है।

पेरेंट्स को शर्मिंदगी से बचाती है टॉयलेट ट्रेनिंग, और भी कई काम आती है ये सीख

छोटे बच्चों यानि टॉडलर एज में बच्चों को पॉटी ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें बच्चों को खुद टॉयलेट जाना सिखाया जाता है। आप 8 से तीन साल के बच्चे को पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग सिखा सकते हैं। 18 महीने के होने के बाद बच्चे का अपने ब्लैडर यानि मूत्राशय पर कंट्रोल आता है। इसलिए एक साल के होने बाद ही आप बच्चे को पेशाब और पॉटी करना सिखाना शुरू कर दें।

बच्चे के लिए क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

बच्चे के लिए उसकी उम्र के हिसाब से पॉटी सीट लाएं। इन्हें बच्चे के कंफर्ट के हिसाब से ही डिजाइन किया जाता है। हालांकि, बच्चे को ये ट्रेनिंग देने के लिए आपको बहुत समय और धैर्य की जरूरत होगी।

कैसे दें पॉटी ट्रेनिंग

आप ध्यान दें कि बच्चा दिन में कितनी बार पेशाब या पॉटी करता है और उसका समय क्या है। क्या पेशाब या पॉटी आने से पहले कोई आवाज करता है या मुंह बनाता है। जब आप इस पैटर्न को समझ जाएंगे, तब आसानी से बच्चे को ट्रेन कर पाएंगे।

साउंड का करें इस्तेमाल

जब बच्चे को पॉटी आती है, तो आप एक आवाज निकालें। बच्चे को सिखाएं कि ये आवाज सुनने पर उसे पॉटी करनी है। कई लोग बच्चे को पेशाब करने के लिए 'स्स्स्स्' की आवाज निकालते हैं। जब भी बच्चे को टॉयलेट जाना हो, तो आप ऐसी आवाज निकालें।

थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट ले जाएं

बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में टॉयलेट लेकर जाएगा। सुबह उठने के बाद या खाना खाने के बाद बच्चे को टॉयलेट लेकर जाएं। ऐसा करने पर बच्चे को समझ आने लगेगा कि टॉयलेट में आने पर उसे पेशाब या पॉटी करनी है। टॉयलेट में आपको बच्चे

बच्चों को अगर टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाए, तो इससे पेरेंट्स का काफी काम आसान हो जाता है। बच्चे कभी भी कहीं भी पेशाब या पॉटी नहीं करते हैं जिससे घर साफ रहता है।

से बात भी करनी है। उसे गाना सुनाएं या उसकी पसंद का खिलौना दें। उसकी पसंद की चीज पर ध्यान देने से बच्चा पॉटी ट्रेनिंग की प्रक्रिया को आसानी से समझ पाएगा।

साइन आएंगे काम

जब भी बच्चे को पेशाब या पॉटी आए तो आप कुछ साइन यानि संकेतों का इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चा जल्दी ही इन संकेतों को समझने लग जाएगा और पेशाब या पॉटी आने पर आपको इन संकेतों की मदद से बता देगा।

क्यों जरूरी है पॉटी ट्रेनिंग

जन्म के बाद शुरुआती कुछ महीनों में शिशु दूध पीता है और थोड़ी-थोड़ी देर में पॉटी करता है। लेकिन जब बच्चा थोड़ा बड़ा हो जाता है और खेलने-कूदने लगता है या आपके साथ कहीं बाहर या किसी के घर जाने लगता है, तो उसे पॉटी या टॉयलेट ट्रेनिंग देनी बहुत जरूरी होती है। सोचिए, आप अपने बच्चे को किसी रिश्तेदार या दोस्त के घर लेकर गईं हैं और वहां पर बच्चे ने उनके सोफे या पलंग पर ही पेशाब या पॉटी कर दी तो आपको कितनी शर्मिंदगी महसूस होगी। इस तरह की परिस्थितियों से बचने के लिए ही बच्चों को टॉयलेट ट्रेनिंग दी जाती है। टॉयलेट ट्रेनिंग के बाद बच्चे खुद ही कुछ संकेतों की मदद से आपको बता देंगे कि उन्हें टॉयलेट जाना है।

5 मिनट में तैयार करें नेल सीरम बढ़ जाएगी हाथों की खूबसूरती

बड़ें और मजबूत नाखून हाथों की शान को बढ़ा देते हैं। नाखून लंबे होने पर उंगलिया भी लंबी लगती है और नाजुक दिखती है। साथ ही हाथ खूबसूरत लगते हैं। अक्सर लड़कियां अपने नाखूनों पर लंबे वक्त तक नेल पेंट लगाकर रखती है। इतना ही नहीं नेल आर्ट भी दो या तीन महीने के लिए करवाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं चेहरे की तरह नाखून की केयर करना भी जरूरी है। वरना नाखून भी बेजान हो जाते हैं और वह टूटने लगते हैं। जरूरी यह भी नहीं है कि हमेशा महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर नाखून को सुंदर बनाया जा सकता है। दादी - नानी के नुस्खें आज भी बहुत कारगर है। तो आइए जानते हैं कैसे घर पर नेल सीरम तैयार करें ताकि नाखुनों को भी चेहरे की तरह ग्लो मिले।

सामग्री - 1 छोटा चम्मच एलोवेरा जेल, 2 विटामिन ई कैप्सूल, 1 छोटा चम्मच नारियल तेल

विधि - सभी को एक कटोरी में मिलाएं।

- इसके बाद किसी कंटेनर में भर लें।
- आपका सीरम तैयार है। अब इसे फ्रीज में स्टोर कर सकते हैं।

नेल सीरम लगाने का तरीका

- सबसे पहले अपने नाखून को अ से धो कर पोंछ लें।
- इसके बाद एक कच्ची लहसुन की कली लें, छिलकर।
- उसे हल्के हाथों से रगड़े। क्योंकि तेज रगड़ने पर जलन भी हो सकती है।
- 10 मिनट के लिए छोड़ दें।
- इसके बाद तैयार नेल सीरम से मसाज करें।
- 10 मिनट लगा रहने दे और बाद में धो लें।
- फिर देखिए आपके नेल कितने साफ और सुंदर दिखेंगे।

नेल सीरम के फायदे

- नेल सीरम लगाने के बाद नाखूनों की सफाई होती रहेगी।
- नाखूनों की चमक बढ़ेगी।
- वह मजबूत होंगे और सुंदर दिखेंगे।

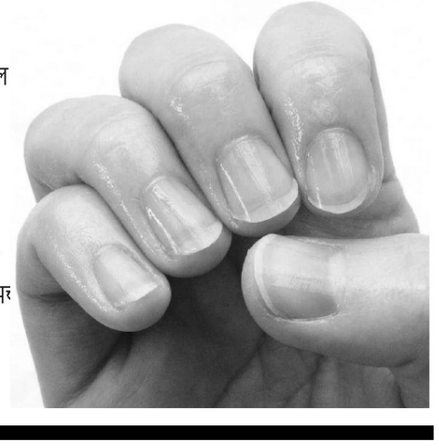

रसोई में छुपा है सेहत का खजाना

आधुनिक किचन में भी सेहत का खजाना छुपा है। चरक संहिता ने देश में पैदा होने वाली हर वनस्पति को औषधि माना है। यह और बात है कि हम उगने वाली कई सब्जियों और मसालों को कई कारणों से अपने आहार में शामिल नहीं कर पाते। मसलन लहसुन और प्याज अनेक धार्मिक समुदायों में वर्जित मानकर नहीं खाया जाता। लहसुन से उच्च रक्तचाप नियंत्रित किया जा सकता है, यह आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मान चुका है। भारतीय आहार में सदियों से शामिल नमक से लेकर राई, जीरा, हल्दी, धनिया, मेथीदाना जैसे मसालों के चिकित्सकीय गुण-दोषों से हम बहुत कम वाकिफहैं। देशी नुस्खों के नाम पर नाक-भौं सिकोड़ने वाले नहीं जानते कि कई असाध्य बीमारियों को केवल खान-पान के बदलाव से ही नियंत्रित किया जा सकता है। उच्च रक्तचाप भी इनमें से एक है, लेकिन जरा रुकिए! बात उतनी सरल भी नहीं है, जितनी दिखाई दे रही है। उच्च रक्तचाप जैसे जिद्दी घोड़े पर सिर्फवैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों से ही लगाम नहीं लगाई जा सकती है।

यह सच है कि खानपान और नियमित कसरतों से रक्तचाप नियंत्रित होता है, लेकिन सिर्फ युवावस्था में ही। समस्या तो तब शुरू होती है, जब आप बुजुर्ग हो जाते हैं। जैसे-जैसे हमारा शरीर बूढ़ा होता जाता है हमारी रक्त नलिकाएँ सख्त होती जाती हैं। उच्च रक्तचाप की समस्या का मुख्य कारण भी यही है यानी रक्त नलिकाओं का सख्त हो जाना। समझने वाली बात यह है कि हमें एक लचीला कार्डियोवैस्कूलर सिस्टम चाहिए। दूसरे शब्दों में कहें तो हैल्दी लाइफस्टाइल चाहिए, जब तक आप अपने लिए हैल्दी लाइफस्टाइल की खोज करें तब तक खड़ा अनाज, मैग्नेशियम, विटामिन सी और पोटेशियम की भारी खुराक लेना शुरू कर दें। आप देखिए कि किचन में आपके मतलब का क्या है, मसलन लहसुन, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, फल और केले हैं या नहीं, यदि नहीं हैं तो आप इन्हें मँगवा लें, क्योंकि हम अब आपके लिए उच्च रक्तचाप पर नियंत्रण का कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं।

मैग्नेशियम

300 से 500 मिलीग्राम मैग्नेशियम प्रतिदिन खाना चाहिए। इसके दो विकल्प हैं, या तो आप भरपूर हरी पत्तेदार सब्जियाँ खाएँ या फिर इसकी गोलियाँ ले लें।

हेल्थ प्लस

मैग्नेशियम क्या करेगा? रक्त नलिकाएँ नर्म मांसपेशियों के बीच रहती है। मैग्नेशियम मांसपेशियों को शिथिल करता है। जब मांसपेशियाँ शिथिल होती हैं तो रक्तनलिकाओं को फैलने का अवसर मिल जाता है। इससे स्वत: रक्तचाप नियंत्रित होता है। अधिकांश लोगों में मैग्नेशियम की कमी पाई जाती है, जबकि इलाज आपके किचन में मौजूद है।

पोटेशियम

केला पोटेशियम का बड़ा स्त्रोत है। आप याद कीजिए कि केला आपने कब खाया था। आमतौर पर वजन पर नजर रखने वाले केले से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वे भूल जाते हैं कि यह कितना महत्वपूर्ण है। यदि आप पहले से ही उच्च रक्तचाप के मरीज हैं और चिकित्सक की सलाह पर दवाएँ ले रहे हैं तो जान लीजिए कि चिकित्सक ने आपको पोटेशियम की खुराक पर्चे पर लिखी होगी। यदि गोलियों के रूप में पोटेशियम नहीं खाना चाहते हैं तो आपको हरी सब्जियों और केले की खुराक बढ़ा देना चाहिए। किडनी के मरीजों को पोटेशियम की खुराक लेने से पहले चिकित्सक की सलाह जरूर लेना चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि उन्हें मूत्रवर्धक दवाएँ दी जा रही हों।

नमक

किचन का सबसे बड़ा दोस्त नमक है, जो उच्च रक्तचाप के रोगियों का उतना ही बड़ा दुश्मन है। नमक की रोजाना की खुराक में नियमित कमी करें। नमक कम करने का सबसे अच्छा उपाय है पैकेज्ड फूड से तौबा करना। अचार, पापड़, चाइनीज फूड सभी में नमक अधिकता से वापरा जाता है। किचन में ऑर्गेनिक फूड साल्ट ले आएँ। सब्जियाँ या दालें जब पक जाएँ, तब ऑर्गेनिक फूड साल्ट डालें। भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए रसदार फलों का प्रयोग शुरू करें, मसलन मौसंबी, नीबू, चकोतरा आदि। कच्चा नमक बंद कर दें। सब्जी या दाल में नमक कम लगे, तब भी कम से ही काम चला लें।

लहसुन

लहसुन खूब खाएँ, लेकिन कच्चा हो तो बेहतर। वजह यह है कि लहसुन को पकाने पर इसमें मौजूद 'एलिसिन' कम हो जाता है। जाहिर है कि यदि आप खूब सारा कच्चा लहसुन खाएँगे तो आपके पास बैठने वाले दोस्तों की संख्या कम ही रहेगी। खैर, यदि आप लहसुन के कैप्सूल ले रहे हों तो आपको चिकित्सक की सलाह मानना चाहिए। लहसुन ही क्यों तो इसका जवाब है कि अनेक शोधों से तय हुआ है कि इससे रक्तचाप कम होता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो आपको मालूम होना चाहिए कि लहसुन से रक्तशर्करा भी घटती है। इसलिए मधुमेह के रोगियों को लहसुन की वैकल्पिक चिकित्सा के दौरान उच्च रक्तचाप की मॉनिटरिंग भी करनी चाहिए। यदि आपने हैल्दी लाइफस्टाइल जीने का मन बना ही लिया है तो खड़े अनाज का आहार भी शुरू कर दिया होगा। यदि नहीं तो आप कई महत्वपूर्ण पौष्टिक तत्वों से महरूम हो रहे होंगे, जो आपके लिए निहायत जरूरी है।

क्या करें जब...

परिस्थितियाँ कभी भी कहकर नहीं आती हैं। बच्चे की सामान्य देखभाल में पूरा ध्यान देने के बाद भी कई बार आप ऐसी स्थिति में उलझ जाते हैं, जब परिस्थिति से निपटने का साध न आपको मालूम होना चाहिए। इस लेख का उद्देश्य यही है कि जब आकस्मिक स्थितियों से आपका सामना हो तो आपको क्या करना चाहिए।

बच्चे को तेज बुखार हों

टेपिड स्पंजिंग अर्थात सामान्य नल के पानी अथवा हलके कुनकुने पानी से बच्चे के शरीर को पोंछें। अक्सर पालक बच्चे के सिर पर ठंडे पानी की पट्टी रख देते हैं, जो गलत होता है। तेज बुखार की अवस्था में बच्चे के कपड़े उतारकर पूरे शरीर को गीले कपड़े से पोंछें।

जब कोई पालतू या आवारा जानवर बच्चे को काट ले

- यदि काटे गए स्थान से खून बह रहा हो तो सबसे पहले उसे रोकें। इसके लिए उस जगह को सख्ती से दबाकर रखें। उसके बाद घाव को 10 मिनट तक साबुन और पानी से खूब अच्छी तरह से धोएँ। यह सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- इसके बाद डॉक्टर को दिखाकर उनसे समझ लें कि बच्चे को किसी तरह के टीकाकरण की आवश्यकता है या नहीं?

बच्चा कोई जहरीला पदार्थ छू या चख ले

- सबसे पहले उस जहरीले पदार्थ-को बच्चे के मुँह में से या शरीर पर से निकालने की कोशिश करें। यदि बच्चे की समझ अच्छी है तो उसे थूकने को कहें या मुँह में उँगली डालकर निकालने की कोशिश करें।
- इसके बाद यदि संभव हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से फोन पर सलाह लें कि उसे उल्टी करवाना ठीक है या नहीं। याद रखें सभी जहरीले पदार्थ को उल्टी करवाकर उसे निकालना ठीक नहीं होता है विशेष तौर पर बच्चे ने यदि एसिड अथवा बर्तन साफकरने का लिक्विड पी लिया हो तो उसे उल्टी नहीं करवाना चाहिए।
- यदि जहरीला पदार्थ शरीर से छू रहा है तो कपड़े हटाकर उसे पानी से अच्छी तरह से धोएँ। जो भी जहरीला पदार्थ उसने उल्टी में निकाला हो अथवा आपको मालूम हो कि उसने जो खाया है तो उसे संभालकर रखें। इसके तुरंत बाद बच्चे को अस्पताल ले जाएँ।

जब बच्चे को डायपर रैश हो रहे हों

- सबसे महत्वपूर्ण है शिशु की नैप्पी गंदी होते ही तुरंत बदल दी जाए।
- डिस्पोजेबल डायपर के बजाय कपड़े की नैप्पी का प्रयोग अधिक करें।
- बाहर आते-जाते समय भी शिशु को कपड़े की नैप्पी पहनाएँ एवं उसके ऊपर प्लास्टिक का कवर लगाएँ। नैप्पी के गीला होने पर उसे तुरंत बदलें।
- शिशु के मल-मूत्र विसर्जन करने के बाद उसके निचले हिस्से को पानी से धोयें लेकिन उस पर साबुन न लगाएँ।
- जब तक शिशु की त्वचा पूरी तरह सूख न जाए दूसरा डायपर न पहनाएँ।
- डायपर को शरीर पर थोड़ा ढीला बाँधें।
- कपड़े के डायपर को साबुन/डिटर्जेंट से धोने के बाद कम से कम 3-4 बार सिर्फ साफ पानी से धोएँ ताकि साबुन पूरी तरह से निकल जाए।
- शिशु की कपड़े की नैप्पी को धोने के बाद प्रेस करें तो बेहतर होगा। प्रेस करने से नैप्पी में मौजूद नमी स्वत: ही खत्म हो जाएगी।
- शिशु को कुछ समय के लिए बगैर नैप्पी के रहने दें। हवा लगने पर रैश जल्दी ठीक होंगे। टैल्कम पावडर का उपयोग न करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां आज पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय के अच्छे योग बनेंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आमोद-प्रमोद का दिन होगा। व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। शुभांक-6-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आत्मचिंतन करें। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। योग्यताएं सम्मान दिलायेगी। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-6-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। यात्रा परिणाम सुखद रहेगा। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेगी। शुभांक-5-8-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। मन उदास रहेगा। कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-1-2-3

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-2-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-7-8

काकुरो पहेली - 2020

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

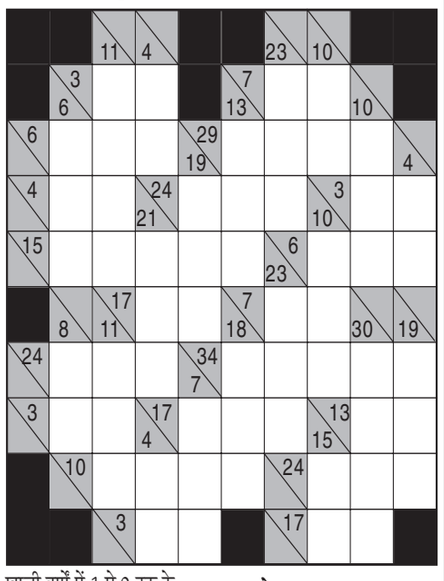

उदाहरणत:

11 / 7 → 1 2 3 5; ↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

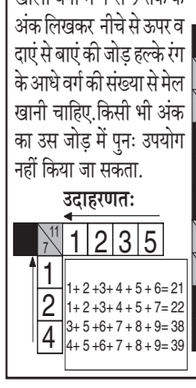

काकुरो - 2019 का हल

लॉफिंग ज़ोन

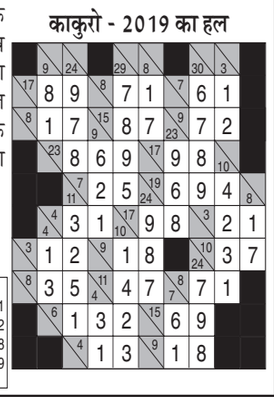

गीता (अपने प्रेमी से)- रमन देखो! सामने खिड़की में जो तोता-मैना बैठे हैं, दोनों रोजाना यहाँ आते हैं। साथ-साथ बैठते हैं, प्यार भरी मीठी-मीठी बाते? करते हैं और चहचहाते रहते हैं और एक हम हैं कि हमेशा लड़ाई-झगड़ा करते ही रहते हैं।

प्रेमी (प्रेमिका से)- हाँ सही है! लेकिन तुमने उनकी एक खास बात पर ध्यान नहीं दिया, देखो यहाँ बैठने वाले जोड़े में से रोजाना तोता तो वही होता है, पर मैना रोज नई-नई होती है।

□ □ □

एक बार एक कार्यस्थल पर तीन छोटे-छोटे बंदर उधम मचाते हुए अंदर घुस गए। उनके गले में तीन तख्तियाँ टंगी हुई थी, जिनमें लिखा हुआ था, बुरा देखो, बुरा सुनो और बुरा बोलो। वहाँ बैठे एडिटर साहब गाँधीजी के तीन वाक्यों का अनादर होते देख उबल पड़े और बोले- ये वाक्य उल्टे कैसे हो गए?

तभी एक शरारती बंदर बोला- आप जानते नहीं अब हम भी एडिटर हो गए है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 2020

बायें से दायें:-

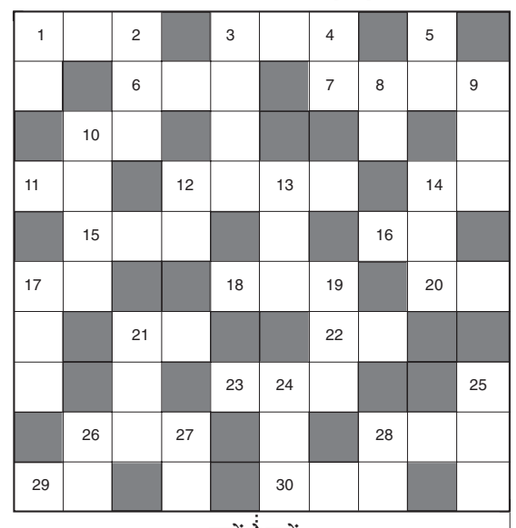

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2019

सं	गी	त		भा	भी		दी	दा	र
ग्रा		ह	स्ती		गी	ता		स्ता	
म	ह	ल		ही	रा		जा	न	म
		का	श		त	मि	ल		न
शो	ले		गु	ड्डू		थु			मौ
र		शा	न		जा	न	की	बा	जी
	डॉ	न		स	नी			द	
क		दा	सी		दु		स	ल	मा
सौ		र		दु	श्म	न			चि
टी	ना		माँ		न		पा	र	स

सूडोकु -2020

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

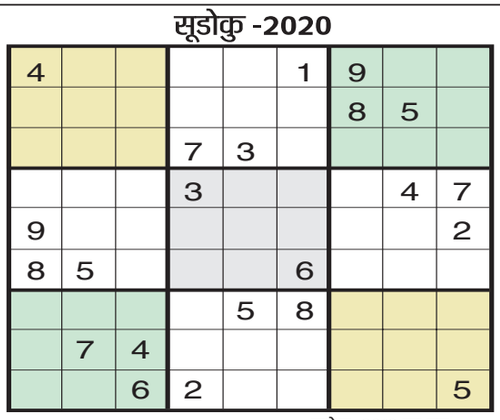

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2019 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 2020

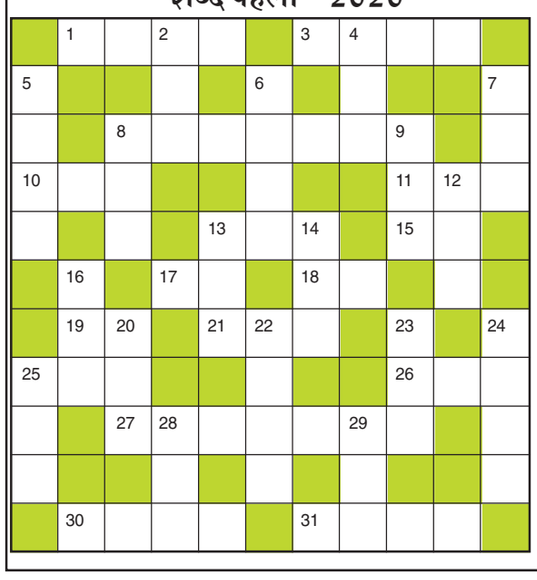

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -2019 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

बिहार के छह जिलों में बारिश का अलर्ट

पटना। बिहार में मौसम लगातार बदल रहा है। कई जिलों में बारिश के चलते किसानों की फसल को काफी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने बुधवार को ताजा अलर्ट जारी किया है, जिसके मुताबिक बिहार के 6 जिलों में बारिश के आसार हैं। इन जिलों में किशनगंज, अररिया, भागलपुर, पूर्णिया, पटना और गया के कुछ हिस्से शामिल हैं। यहां लोगों को सावधान रहने के लिए कहा गया है। मौसम विभाग ने लोगों को चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वे अलर्ट के मुताबिक सतर्क और सावधान रहें। यदि दे आप खुले में हो तो शीघ्रताशीघ्र किसी पक्के मकान की शरण लें। ऊंचे पेड़ और और बिजली के खंभों से से दूर रहें। किसान अपने खेतों में न जाए एवं मौसम सामान्य होने की प्रतीक्षा करे।

नहर में स्नान करने गए युवक की डूबने से मौत

अररिया। अररिया जिले के फारबिसगंज में होली की खुशियां उस समय मातम में तब्दील हो गई जब फारबिसगंज के कोठीहाट नहर पर अपने दोस्तों के साथ स्नान करने के लिए गए फारबिसगंज वार्ड संख्या तीन सुलतान पोखर के रहने वाले मनोज गुप्ता के बड़े पुत्र राज गुप्ता मंगलवार

को स्नान करने के क्रम में नहर में डूब गये।डूबने के बाद उसके दोस्तों ने उसे काफी खोजने का प्रयत्न किया लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। दोस्तों ने वहां मौजूद लोगों को जानकारी दी,जिसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी शव ने मिला।

राज गुप्ता अपने दोस्तों के साथ नहर में रंग छुड़ाने के लिए गया हुआ था।स्नान करने के क्रम में ही वह गहरे पानी में चला गया।स्थानीय लोगों ने सांसद और विधायक समेत प्रशासनिक अधिकारियों को फोन किया,लेकिन थानाध्यक्ष और एसडीपीओ के अतिरिक्त किसी के फोन रिसीव नहीं करने से मौजूद लोगों में काफी आक्रोश है।सूचना के बाद मौके पर फारबिसगंज थाना पुलिस पहुंची है और लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया और लापता हुए युवक के अपने स्तर से तलाश की।करीबन तीन घटने के प्रयास के बाद स्थानीय लोगों के द्वारा युवक का शव बरामद किया गया। बता दें कि डूबे युवक का पिता मनोज गुप्ता भी करीबन दो सालों से लापता है और काफी खोजबीन करने के बाद उसका कहीं पता नहीं चला।

मुख्यमंत्री ने रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष स्वामी स्मरणानंद महाराज के निधन पर जताया दुख

भोपाल। रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के अध्यक्ष श्रीमत स्वामी स्मरणानंद महाराज का मंगलवार देर रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 95 साल के थे। उनके निधन पर मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दुख जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अपने शोक संदेश में लिखा रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन, बेलूर मठ के अध्यक्ष, परम श्रद्धेय, पूज्य स्वामी स्मरणानंद जी महाराज जी द्वारा शरीर त्याग देने का समाचार अत्यंत दुखद है, हृदय को व्यथित करने वाला है। देश ने आज ऐसा महान मार्गदर्शक खो दिया, जिनकी शिक्षाओं और आध्यात्मिक चेतना ने असंख्य श्रद्धालुओं को नया जीवन दिया। इस दुखद क्षण में संपूर्ण विश्व में शोकाकुल आपके भक्तों, श्रद्धालुओं और साधकों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। ।।? शांति।।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने महान संत तुकाराम को जयंती पर किया सादर नमन

भोपाल। महान संत तुकाराम की बुधवार को जयंती है। संत तुकाराम वारकरी संप्रदाय के संत और कवि थे। उन्होंने अपने अभंग (जिन्हें भक्ति गीत कहा जाता है) और कीर्तन के ज़रिए बड़े पैमाने पर लोगों को जागृत करने का काम किया था। कहा जाता है कि संत तुकाराम ने ही महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन की नींव डाली थी। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने इस अवसर पर उन्हें स्मरण कर विनम्र नमन किया है।मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा तुका बड़ो न मानूं, जिस पास बहुत दाम। बलिहारी उस मुख की, जिस ते निकसे राम।। भक्ति परंपरा के संवाहक, महान संत, श्रद्धेय तुकाराम जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ। आपके विचारों की मंगलकारी ज्योत युगों-युगों तक मानवता का कल्याण करती रहेगी।

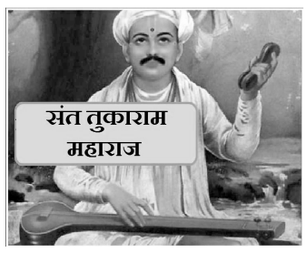

यूपी कैडर में वापस भेजे गये आईपीएस पीवी रामाशास्त्री

लखनऊ। केंद्र में तैनाती की तय अवधि के बीच में ही तेज तर्रार व सीनियर आईपीएस अधिकारी पीवी रामा शास्त्री को यूपी कैडर में वापस भेजा गया है। उत्तर प्रदेश में सीनियर आईपीएस पीवी रामाशास्त्री ने पूर्व में वाराणसी जोन के एडीजी, एडीजी लॉ एंड आर्डर, डीजी विजलेंस जैसे महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी निभाते हुए उत्कृष्ट कार्य किए हैं।

उप्र शासन की ओर से सीनियर आईपीएस और तत्कालीन डीजी विजलेंस पीवी रामा शास्त्री को 31 मई 2025 तक के लिए कार्यमुक्त किया था। बीएसएफ के एडीजी पद पर तैनाती के कारण आईपीएस पीवी

रामाशास्त्री उत्तर प्रदेश से अपने कार्यक्षेत्र को चले गये थे। अभी पीवी रामा शास्त्री की वापसी को लेकर कई प्रकार के कयास लगाये जा रहे हैं।

जानकारी हो कि आंध्र प्रदेश के गोदावरी जिले के मूल निवासी सीनियर आईपीएस पीवी रामा शास्त्री 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

पीवी रामा शास्त्री ने भारत सरकार में भी दायित्व ज्वाइंट सेक्रेटरी कन्ज्यूमर अफेयर्स, एनआईए में आईजी जैसी सेवाएं दी हैं। गुजरात पुलिस के रहते हुए पीवी रामा शास्त्री का नाम तेजतर्रार अधिकारियों में शुमार हो गया था।

लोकसभा निर्वाचन कार्यक्रम की अधिसूचना 29 अप्रैल को

प्रयागराज। जिला निर्वाचन अधिकारी नवनीत सिंह चहल ने बताया है कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 का निर्वाचन कार्यक्रम की अधिसूचना 29 अप्रैल को जारी होगी। नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 06 मई एवं जांच 07 मई को होगी तथा नाम वापसी की अंतिम तिथि 09 मई निर्धारित है। मतदान 25 मई एवं मतगणना 04 जून को होगी।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी पूजा मिश्रा ने बताया कि 16 मार्च से ही आदर्श आचार संहिता लागू है। आदर्श आचार संहित के उल्लंघन की रिपोर्टिंग के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सीविजिल ऐप चालू किया गया है। जो

नागरिकों को जिला नियंत्रण कक्ष, रिटर्निंग अधिकारी और फील्ड यूनिट फ्लाइंग स्क्वायड निगरानी दलों के साथ जोड़ता है। उन्होंने बताया कि शिकायत दर्ज होने पर त्वरित जांच करायी जाती है और घटना सही पाये जाने पर सूचना भारत निर्वाचन आयोग के राष्ट्रीय पोर्टल पर अग्रिम कार्रवाई के लिए भेजा जाता है। एंड्रॉयड के लिए प्ले स्टोर तथा फोन के लिए ऐप स्टोर से सीविजिल ऐप को डाउनलोड करें। तत्पश्चात् ऐप को ओपेन तथा मोबाइल नम्बर से ओटीपी प्राप्त कर लॉग इन करें। किसी भी स्थान पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन होने पर सीविजिल ऐप के माध्यम से फोटो, वीडिया, ऑडियो को ऐप पर अपलोड कर शिकायत दर्ज कराया जा सकता है। शिकायतकर्ता ऐप के माध्यम से शिकायत की स्थिति को देख भी सकता है।

बुलेट ट्रेन परियोजना: हवा की गति की निगरानी के लिए स्थापित होगा एनीमोमीटर

वाराणसी। मुम्बई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर देश के पश्चिमी भाग में तटीय क्षेत्रों से होकर गुजरेगा, जहां कुछ क्षेत्रों में हवा की गति विशेष रूप से अधिक रहती है। इन तेज हवाओं का प्रभाव ट्रेन परिचालन पर पड़ सकता है।

ऐसे में इस समस्या के निवारण के लिये 14 स्थानों पर (गुजरात में 09 एवं महाराष्ट्र में 05) स्थित पुलों पर एनीमोमीटर लगाने के लिये चिन्हित किया गया है। ये जानकारी पूर्वोत्तर रेलवे के जनसम्पर्क अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि नदी पर बने पुलों तथा अचानक तेज हवा की संभावना वाले क्षेत्रों पर ये उपकरण (डिवाइस) विशेष रूप से हवा के गति की निगरानी करेंगे। ये स्थान गुजरात के दमन गंगा नदी, पर नदी, नवसरीसुबर्ब, तापी नदी, नर्मदा नदी, भरोच-बड़ोदरा रेल खंड के

मध्य में माही नदी, बरेजा, साबरमती नदी तथा महाराष्ट्र में देसाई खादी, उल्हास नदी, बंगला पाड़ा, वैतरना नदी एवं दहनुसुवर्व में चिन्हत किये गये हैं।

उन्होंने बताया कि एनीमोमीटर एक प्रकार की आपदा निवारण प्रणाली है, जिसे जीरो से 360 डिग्री तक जीरो से 252 किमी. प्रतिघंटा की सीमा के अन्दर वास्तविक समय में हवा की गति का डेटा प्रदान करने के लिये तैयार किया गया है। यदि हवा की गति 72 से 130 किमी. प्रतिघंटा होती है, तो तद्नुसार ट्रेन की गति निर्धारित की जायेगी। विभिन्न स्थानों पर स्थापित एनीमोमीटर के माध्यम से आपरेशन कंट्रोल सेन्टर हवा की निगरानी करेगा।

नामांकन भीड़ से तस्वीर साफ, 400 पार की मोदी मुहिम के साथ जनता : दुष्यंत गौतम

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम ने उम्मीदवारों के नामांकन से तस्वीर साफ हो गई हैं और जनता ने प्रधानमंत्री मोदी की 400 पार मुहिम को अब अपने हाथ में ले लिया है। प्रदेश मीडिया सेंटर में पौड़ी और देहरादून में हुए नामांकन के बाद राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम ने पत्रकारों से बातचीत में यह बातें कहीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के कामों का असर आज दोनों जगह लोगों के उत्साह में स्पष्ट नजर आया।

उन्होंने कहा कि मोदी के 400 पार का अभियान अब जनता ने स्वयं अपने हाथों में ले लिया है। जहां एक ओर मोदी सरकार ने चौमुखी विकास के साथ दुनिया में भारत की साख को बढ़ाया और उसके सामर्थ्य का लोहा मनवाया, वहीं राज्य की धामी सरकार के काम देश में नजीर बने हैं। उन्होंने अफसोस और नाराजगी जताते हुए कहा, जब मोदी और धामी मातृ शक्ति के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए अनेकों निर्णय लिए हैं। ठीक उसी समय कांग्रेस और विपक्षी नेताओं का महिलाओं का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत की कंगना रनौत को लेकर की गई सोशल मीडिया पोस्ट को शर्मनाक और कांग्रेस पार्टी की मातृ शक्ति के प्रति वास्तविक सोच बताने वाला करार दिया। इस पर कड़ी आपत्ति दर्ज करते हुए उन्होंने कहा कि बयान पर तमाम साफ सफाई या बयान से किनारा करने का कोई बहाना नहीं चलेगा।

पुराने विवाद में खंभे में बांधकर युवक की पिटाई, मां ने थानाध्यक्ष से की कार्रवाई की मांग

अररिया। जिले के घुरना थाना क्षेत्र डुमरबन्ना में पूर्व से चले आ रहे विवाद में युवक की बिजली के खंभे में बांधकर बुरी तरह पिटाई की गई।मामला सोमवार के दोपहर का है।जिसको लेकर पीड़ित युवक की मां सुनीता देवी ने घुरना थानाध्यक्ष को आवेदन दिया है। आवेदन में सात लोगों को नामजद बनाया गया है।खंभे में पिटाई का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है।

अपने आवेदन में सुनीता देवी पति - स्व.अमलेश कुमार मेहता ने बताया कि उनका पुत्र अमित कुमार मेहता और रामानंद मेहता के बीच पूर्व से विवाद चल रहा था।सोमवार के दोपहर करीबन डेढ़ बजे उनका पुत्र अमित कुमार मेहता राजेंद्र चौक की ओर जा रहा था कि इसी क्रम में रामानंद मेहता,सुरेश कुमार मेहता,राजेश कुमार मेहता,रामदेव मेहता,आनंद कुमार मेहता,रवि कुमार शर्मा,सरिता देवी आदि ने पुत्र को पकड़कर बिजली के खंभे में बांधकर बुरी तरह पिटाई कर दी।

आवेदन में उन्होंने कहा कि उसी समय वह अपने देवर के पुत्र अभिषेक कुमार मेहता के साथ इलाज कराकर घर लौट रही थी तो पुत्र को बांधकर मरते देख रुक गई।इसी दौरान सरिता देवी,राजेश कुमार मेहता दोनों भतीजा के साथ हाथापाई करते हुए मोबाइल छीन ली।उन्होंने अपने आवेदन में आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।मामले में घुरना थानाध्यक्ष ने आवेदन मिलने की बात करते हुए जांच कर कार्रवाई की बात कही।

कांग्रेस पार्टी ने ब्राह्मणों का अपमान किया है, कांग्रेस का बायकॉट करेंगे : पं. सुरेश मिश्रा

जयपुर। राजस्थान में आगामी लोकसभा चुनाव में ब्राह्मण समाज के वोटों की कांग्रेस पार्टी को जरूरत नहीं है। ये बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण है कि पूरे प्रदेश में कांग्रेस पार्टी ने एक भी ब्राह्मण उम्मीदवार नहीं उतारा है। आजादी के बाद से आज तक हर बार राजनीतिक पार्टियां ब्राह्मण समाज को कम से कम 2 से 3 सीट उम्मीदवार के रूप में देती थी। परन्तु इस बार कांग्रेस पार्टी ने ब्राह्मण समाज का अपमान और अनादर किया है तथा पूरे प्रदेश में एक ब्राह्मण भी इस योग्य नहीं लगा कि उसे उम्मीदवार बनाया जा सके। यहां तक की जयपुर लोकसभा में एक ब्राह्मण उम्मीदवार बनाया गया, पता उसने ऐसा क्या पाप किया कि उसे अपमानित करके टिकट वापिस छीन लिया। पुरा ब्राह्मण समाज इस बात से आहत है कि कांग्रेस के नेता पाकिस्तान जाकर भारत विरोधी बयान देते है। उनको कांग्रेस पार्टी सम्मानित करती है और ब्राह्मण समाज के व्यक्ति को अपमानित करके टिकट छीन लिया जाता है। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने बताया कि राजस्थान प्रदेश में ब्राह्मण समाज की आबादी 1 करोड़ के आस पास है तथा राजस्थान के प्रत्येक गांव, तहसील, ढाणी में ब्राह्मण समाज के लोग बडी संख्या में रहते है और ब्राह्मण सबको साथ लेकर चलने की बात करता है। ऐसे ब्राह्मण समाज को राजनीतिक रूप से दरकिनार करना कांग्रेस पार्टी को महंगा पडेगा। ब्राह्मण समाज अपने हको के लिये लोकतंत्र में अपनी बात कहने के लिए कटिबद्ध है। प्रदेश में सभी लोकसभाओं में ब्राह्मण समाज हार जीत का फैसला करेगा और इसके लिए एक अभियान चलाया जाएगा कि ब्राह्मण वोट करें और कांग्रेस को हराये। जिस पार्टी को हमें प्रतिनिधित्व नहीं देना है और हमारे वोट की कीमत नहीं समझते है तो ऐसे में उसके साथ समाज का एक भी व्यक्ति खड़ा नहीं होगा। राजस्थान प्रदेश में जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, अलवर, कोटा ब्राह्मण बाहुल्य सीटें हैं। यहां पर भी किसी ब्राह्मण उम्मीदवार पर चर्चा भी नहीं कि गई। इससे साफ जाहिर होता है कि कांग्रेस ब्राह्मणों को दरकिनार करना चाहती है। ऐसे में हमने तय किया है कि सर्व ब्राह्मण महासभा की अलग-अलग टोलियों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाएंगे और कांग्रेस बायकाट का संकल्प लेगें।

अब तक 58 हजार से अधिक बुजुर्गों- दिव्यांगों मतदाताओं ने घर से मतदान का विकल्प चुना

जयपुर। प्रदेश में 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार लोकसभा आम चुनावों में होम वोटिंग की पहल की गई है। इसके प्रति बुजुर्गों और दिव्यांगों में भारी उत्साह है। अब तक करीब 58 हजार पात्र मतदाताओं ने घर से मतदान करने का विकल्प चुना है। इनमें 43 हजार 638 वरिष्ठ नागरिक और 14 हजार 385 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। प्रदेश के सभी 25 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा होम वोटिंग के लिए इच्छुक पात्र मतदाताओं के पंजीकरण का कार्य किया जा रहा है। लोकसभा क्षेत्रों के लिए अभ्यर्थियों के नाम तय हो जाने के बाद घर-घर जाकर मतदान करवाया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रथम चरण के मतदान वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए 27 मार्च तक पंजीकरण किया जाएगा। अब तक 35 हजार 542 लोगों ने होम वोटिंग के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें 26 हजार 371 वरिष्ठ नागरिक और 9 हजार 171 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। निर्वाचक अधिकारी होम वोटिंग का विकल्प चयन करने वाले मतदाताओं की सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को 1 अप्रैल तक उपलब्ध करवाएंगे। इसके बाद होम वोटिंग के विशेष मतदान दल गठित कर उनके प्रशिक्षण की सभी प्रक्रिया 4 अप्रैल तक पूरी कर ली जाएगी। ये विशेष टीमें राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों की मौजूदगी में पंजीकृत मतदाताओं के घर पहुंचकर पोस्टल बैलेट के जरिए मतदान करवाएंगे। होम वोटिंग के लिए मतदान प्रक्रिया 5 अप्रैल से शुरू होकर 14 अप्रैल तक चलेगी। किसी कारण से मतदाता के होम वोटिंग के लिए अनुपस्थित या वंचित रह जाने पर दूसरा चरण 15 से 16 अप्रैल के बीच होगा।

गुप्ता ने बताया कि दूसरे चरण में जिन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा, वहां होम वोटिंग के लिए 2 अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। अब तक करीब 22 हजार 500 पात्र मतदाओं ने पंजीकरण कराया है। इनमें 17 हजार 324 वरिष्ठ नागरिक और 5 हजार 222 दिव्यांग मतदाता शामिल हैं। निर्वाचक अधिकारी होम वोटिंग का विकल्प चयन करने वाले मतदाताओं की सूची सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को 8 अप्रैल तक उपलब्ध कराएंगें।

275 सहायक मतदान केन्द्रों का निर्वाचन आयोग ने किया अनुमोदन

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग ने प्रदेश में 275 नये सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1370 सहायक मतदान केन्द्रों की स्थापना को मंजूरी दी है। ये सहायक मतदान केन्द्र राज्य के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के उन मतदान केन्द्रों पर बनाए जाएंगे जहां मतदताओं की संख्या 1450 से अधिक है। ये मतदान केन्द्र मूल मतदान केन्द्र के साथ उसी भवन में स्थापित किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि आयोग ने प्रथम चरण में 1095 सहायक मतदान केदो की स्थापना की मंजूरी दी, इसके बाद अब द्वितीय चरण के लिए 275 सहायक मतदान केदों की मंजूरी दी है। उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 51756 मूल मतदान केन्द्र आयोग द्वारा अनुमोदित है, अब कुल 1370 सहायक मतदान केन्द्रों के बाद 53126 मतदान केन्द्र हो गए हैं। यह केंद्र यथासंभव उसी भवन में बनेंगे और मतदाताओं की संख्या का विभाजन दोनों केंद्रों पर इस प्रकार किया गया है जिससे मतदान के दौरान लोगों को अधिक समय लाइन में खड़े रहने की आवश्यकता नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन्स के अनुरूप सुगम, सहज, सुरक्षित मतदान के लिए मतदान केन्द्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं एवं सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर टॉयलेट्स, पेयजल, बिजली, वॉलन्टियर्स, व्हीलचेयर, रैम्प सहित सभी बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता रहेगी।

उन्होंने कहा कि मतदाताओं की सहूलियत के लिए मतदान केन्द्रों पर साइनेज और हेल्प डेस्क की उचित व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निर्वाचन विभाग द्वारा राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक के बाद 275 नये सहायक मतदान केन्द्रों का प्रस्ताव भारत निर्वाचन आयोग को भेजा गया था, जिसका अनुमोदन प्राप्त हो गया है।

किश्तवाड़ में भाजपा ने की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें

जम्मू। जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव अशोक कौल ने महासचिव और पूर्व मंत्री सुनील शर्मा के साथ जिला किश्तवाड़ में पार्टी कार्यालय में 3 संगठनात्मक बैठकों की अध्यक्षता की और आगामी लोकसभा चुनावों के लिए रणनीतियों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष किश्तवाड़ चुनी लाल, प्रदीप परिहार, तारिक कीन और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी बैठक को संबोधित किया।बैठकों को संबोधित करते हुए अशोक कौल ने संसदीय चुनाव के मद्देनजर खासकर जिले के सुदूरवर्ती इलाकों में जमीनी स्तर पर काम करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के विकास कार्य सुदूर क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे हैं, जिन्हें एनसी, कांग्रेस और पीडीपी के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों ने सभी क्षेत्रों में विकास के मामले में नजरअंदाज कर दिया था। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि पहले के राजनीतिक दलों ने इन क्षेत्रों की बुनियादी जरूरतों को भी नजरअंदाज कर दिया। कौल ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी नेताओं को लोगों को उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को ऊपर उठाने और उनके क्षेत्र में विकास के सपने को हकीकत में लाने के लिए मोदी सरकार द्वारा उठाए गए सभी कल्याणकारी कदमों के बारे में बताने के लिए हर क्षेत्र तक पहुंचना होगा।

उत्तराखंड में पहाड़ की चुनौतियों से पार पाने की कोशिश में जुटा निर्वाचन आयोग

देहरादून। भारतीय लोकतंत्र में चुनाव दर चुनाव मतदान का तरीका और मतदान केंद्रों की तस्वीर बदलती गई। ऐसे में इस बार भी भारत निर्वाचन आयोग उत्तराखंड में पहाड़ की चुनौतियों से पार पाने की कोशिश में जुटा है और हर स्तर पर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने के साथ लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाताओं की राह आसान बना रहा है। इस बार चुनाव आयोग का 75 प्रतिशत मतदान का लक्ष्य है, लेकिन अगली बार बंपर मतदान की तैयारी है। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी विजय कुमार जोगदंडे ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में प्रेस ब्रीफिंग करते हुए कहा कि मतदान प्रक्रिया सुगम बनाने के लिए राज्य में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए घर पर जाकर मतदान की व्यवस्था होगी। 85 वर्ष से अधिक आयु के राज्य में 65 हजार 160 मतदाता हैं। ऐसे सभी मतदाताओं को फार्म उपलब्ध कराए गए थे, जिनमें से 10 हजार 390 आवेदन प्राप्त हुए हैं। राज्य में 80 हजार 330 दिव्यांग (पीडब्ल्यूडी) मतदाता हैं। उनमें से पांच हजार 576 मतदाताओं ने पोस्टल बैलेट से वोटिंग के लिए आवेदन किया है। 25 मार्च को आवेदन करने की अंतिम तिथि थी। इसके बाद आने वाले आवेदन पर जिला निर्वाचन अधिकारी इन सभी मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराएंगे। जनपद स्तर पर टीम डोर-टू-डोर मतदाता से संपर्क करेगी। राज्य में घर-घर जाकर पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान प्रक्रिया आठ अप्रैल से प्रथम चरण में तीन दिन के लिए प्रारंभ किया जाएगा। यदि जो मतदाता इन तिथियों में अपने घर पर उपलब्ध नहीं होंगे, उनके लिए 10 अप्रैल के बाद से द्वितीय चरण शुरू किया जाएगा।अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राज्य में 11729 मतदेय स्थलों में 97 से 98 प्रतिशत मतदेय स्थलों पर मतदाताओं के लिए रैंप, पेयजल, फर्नीचर, शेड की व्यवस्था उपलब्ध है। कुछ मतदेय स्थलों पर रैंप, पेयजल, फर्नीचर, शेड आदि की वैकल्पिक व्यवस्था की जाएगी।

सभी दिव्यांग श्रेणी के चिन्हित मतदाताओं और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए भारत निर्वाचन आयोग की ओर से सक्षम एप की व्यवस्था की गई है। राज्य में सक्षम एप के माध्यम से 1524 व्हीलचेयर के लिए अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

ऑरेंज ऑन टॉप

मौसम के बदलते मिजाज का असर फैशन की दुनिया में भी नजर आने लगा है। गर्मी की दस्तक के साथ ही आनंद और स्फूर्ति का अहसास देने वाले रंगों के प्रति बढ़ने लगा है आकर्षण। इस लिहाज से परफेक्ट है ऑरेंज कलर। इन दिनों फैशन में भी टॉप पर है ऑरेंज कलर। चूंकि रेड और यलो से मिलकर बनता है ऑरेंज कलर, इसलिए इसमें समाए हैं उन दोनों के गुण। गौरतलब है कि खुशी, गर्मजोशी और ऊर्जा को प्रतिबिंबित करता है रेड कलर, वहीं यलो कलर प्रतीक है आनंद और उल्लास का। इस तरह दोनों के

गुणों को समाहित करने वाला ऑरेंज कलर प्रतिबिंबित करता है जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण व खुशमिजाज रवैया। जब आप ऑरेंज रंग की ड्रेस पहनेंगी तो आपके व्यक्तित्व में भी दिखेगा नित नयी चुनौतियों से जूझने का उत्साह और आत्मविश्वास। यही वजह है कि किसी न किसी रूप में इस रंग को जीवन में शामिल करना है बेहतरीन विचार। ड्रेस ही नहीं ऑरेंज कलर की एक्सेसरीज का फैशन भी है जबर्दस्त। ऑरेंज कलर की फुटवेयर, सनग्लासेस के फ्रेम, हेयर एक्सेसरीज, नेल पॉलिश इत्यादि का चुनाव भी आपको देगा स्मार्ट व जिंदगी के प्रति पॉजिटिव आउटलुक।

कलर्ड हेयर रहें हेल्दी

मौसम ने करवट ले ली है। गर्मियां दस्तक दे चुकी हैं। इस मौसम का स्वागत करने के लिए क्या आपके बाल तैयार हैं? अगर आपने बालों को कलर कराया है तो गर्मी का मुकाबला करने के लिए उनकी खास देखभाल की जरूरत होगी। यहां हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब बता रहे हैं केमिकल ट्रीटेड और कलर्ड बालों की देखभाल के लिए कुछ खास उपाय।

1. बालों को कलर कराने से पहले यह ध्यान देना जरूरी है कि आपके बाल किस हाल में हैं। यानी उनकी कंडिशन कैसी है। कहीं बाल दोमुंहे या अत्यधिक रूखे तो नहीं हैं। ऐसी स्थिति में कलर कराने से बचना चाहिए। बालों में किसी भी प्रकार का ट्रीटमेंट (केमिकल ट्रीटमेंट) कराने के लिए उन्हें स्वस्थ होना जरूरी है। सप्ताह में एक बार डीप कंडिशनिंग ट्रीटमेंट लेने से बालों को पोषण मिलेगा।
2. एंटी डैंड्रफ या क्लेरिफाई हेयर शैंपू का इस्तेमाल भूल कर भी न करें। कलर्ड हेयर के लिए ख़ास तौर पर बना शैंपू ही इस्तेमाल करें। बेहतर होगा कि आप कलर ब्रूस्टिंग एंड क्लेयर फॉर्म्युला प्रयोग करें।
3. कलर ट्रीटेड हेयर के लिए वॉल्यूमाइजिंग शैंपू कभी न प्रयोग करें। यह क्यूटिकल्स से कुदरती तेल निकाल देगा।
4. कलर किए हुए बालों को धूप के सीधे संपर्क में आने न दें। धूप में अधिक देर तक रहना हो तो हैट, स्कार्फ या बेसबॉल कैप लगाएं। आप एसपीएफ युक्त हेयर स्प्रे भी कर सकती हैं।
5. गर्मियों में जहां तक हो सके ब्लो ड्राई और हीट ट्रीटमेंट/ स्टाइलाइजिंग से बचें। स्ट्रेटनिंग या आयरनिंग वगैरह के बजाय बालों को नैचरल स्टाइल में रहने दें। आकर्षक चोटी, पोनीटेल या मेसी बन बना सकती हैं।
6. सप्ताह में एक बार बालों में मेथी दाना पैक लगाएं। इससे उनका पीएच बैलेंस बना रहेगा और वे हेल्दी भी रहेंगे।

गर्मियों के लिए तैयार करें त्वचा

जैसे-जैसे मौसम बदलता है त्वचा की देखभाल का तरीका भी बदलता है। सर्दियों में जहां त्वचा रूखी हो जाती है, वहीं गर्मियों में धूप से मुरझा जाती है। लेकिन मौसम बदलने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो त्वचा संबंधी कई समस्याओं से बचा जा सकता है। यहां त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. अक्षय बत्रा बता रहे हैं कि गर्मियों का सामना करने के लिए आप अपनी त्वचा को कैसे तैयार करें।

20-30 वर्ष

बनी रहे कोमल त्वचा

इस उम्र की स्त्रियां ज्यादातर समय बाहर बिताती हैं। कॉलेज या निजी काम के लिए लंबी दूरी तय करती हैं। व्यस्त दिनचर्या के चलते वे एक अहम तथ्य को नजरअंदाज करती हैं और वह है नियमित अंतराल पर पानी पीते रहना। गर्मियों में पसीने के रूप में शरीर से काफी मात्रा में पानी बाहर निकल जाता है। ऐसे में यदि लंबे समय के लिए घर से बाहर रहना या नियमित व्यायाम करना है तो शरीर में पर्याप्त मात्रा में पानी का होना बहुत जरूरी है। इससे त्वचा कोमलता भी बरक़रार रहती है।

धूप से सुरक्षा

दोपहर की धूप सबसे नुकसानदेह होती है। संभव हो तो सुबह 11 से दोपहर 3 बजे के बीच बाहर निकलने से बचें। इस समय सूर्य की किरणें सबसे तेज होती हैं और त्वचा पर बुरा असर डालती हैं। इसलिए बाहर निकलने से 30 मिनट पहले चेहरे व त्वचा के खुले हिस्सों पर सनस्क्रीन लगाना न भूलें।

तली चीजों से परहेज

यही वह उम्र है जब फास्टफूड बहुत भाते हैं। अधिक वसायुक्त या तली चीजें खाने से सुस्ती आती है, यह पाचन प्रक्रिया को सुस्त बना देते हैं। पाचन क्रिया बिगडने का सीधा असर त्वचा पर पड़ता है। जहां तक हो सके बाहर के खाने से बचें। बहुत जरूरी हो तो फल या ताजे फलों का जूस पी सकती हैं।

कम चाय व कॉफी

डाइयुरेटिक होने के कारण अधिक चाय एवं कॉफी पीने से यूरिन की समस्या हो सकती है। साथ ही यह त्वचा में मौजूद जरूरी पानी भी कम करते हैं, जिस कारण त्वचा रूखी हो सकती है। ग्रीन टी इसका अच्छा ऑप्शन है। ये न सिर्फ अतिरिक्त वसा कम करेगी, बल्कि त्वचा पर चमक भी लाएगी।

एयरेटेड पेय से रहें दूर

इनमें शक्कर की मात्रा अधिक होती है, जो न त्वचा और न ही सेहत के लिए अच्छा है। प्यास बुझाने के लिए फ्रेश लाइम, ताजे फलों का जूस या नारियल पानी पीना समझदारी होगी।

क्लींजिंग है जरूरी

सोने से पहले माइल्ड फेसवॉश से चेहरा साफ करने के बाद एसपीएफ युक्त मॉयस्चराइजर लगाएं। चेहरा साफ करने के लिए गुलाबजल का इस्तेमाल करें। इससे ताजगी मिलेगी। खीरे का रस या नारियल पानी भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

टैनिंग से छुटकारा

2-2 चम्मच बेसन व दही में 1/4 नीबू का रस मिलाकर लगाएं। सूखने पर मलते हुए छुड़ाएं। नीबू व दही के सिट्रस गुण टैनिंग हटाते हैं।

30-40 वर्ष

जलयुक्त मॉयस्चराइजर

मॉयस्चराइजिंग रुटीन का सख्ती से पालन करें। यदि नियमित मॉयस्चराइजर अधिक तैलीय है तो वॉटर बेस्ड मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। ताकि त्वचा की कुदरती नमी बरकरार रहे।

टोनर है जरूरी

त्वचा के रोमछिद्रों को बंद रखने और ताजगी बनाए रखने के लिए टोनर का इस्तेमाल बहुत जरूरी है। इसके लिए गुलाब जल का प्रयोग कर सकती हैं। इसमें स्वभाविक कूलिंग के गुण होते हैं जो गर्मियों के उत्तम है। टोनर इसलिए जरूरी है, क्योंकि गर्मियों में लू चलती है और धूल-मिट्टी त्वचा पर चिपक जाती है। अगर क्लींजिंग के बाद छिद्र बंद न हों तो धूल-गंदगी त्वचा के भीतर चली जाएगी और उससे संक्रमण होने का खतरा रहेगा।

एक्सफोलिएशन

मृत त्वचा को हटाने और चेहरे की त्वचा का रक्त संचार बढ़ाने के लिए एक्सफोलिएशन जरूरी है। इसके लिए बाजार में उपलब्ध कॉस्मेटिक स्क्रब का चुनाव कर सकती हैं या घर पर भी इसे बना सकती हैं। घर पर स्क्रब बनाने के लिए 4-5 चम्मच बेसन, चुटकी भर हल्दी, 5-6 बूंद गुलाब जल और दूध या दही लें। इसे एक पेस्ट की तरह मिक्स करके चेहरे पर लगाएं। 10 मिनट बाद मलकर हटाएं। इसके बाद फेसमास्क और मॉयस्चराइजर लगाना न भूलें।

फेसपैक लगाएं

रंगत निखारने के लिए घरेलू फेसपैक का प्रयोग करें। पपीता प्राकृतिक गुणों से भरपूर होता है और इसका इस्तेमाल घर पर फेसपैक बनाने के लिए भी कर सकती हैं। दो चम्मच पके हुए पपीते को अच्छी तरह मसलें। इसमें एक चम्मच शहद और एक अंडे की सफेदी मिलाएं। इस मिश्रण को 15 मिनट तक चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। साफ पानी से धो लें।

त्वचा को दें ठंडक

आधा खीरा और एक चम्मच दही को एक साथ पीस कर पैक बना सकती हैं। इसे 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर ठंडे पानी से धो लें। यह त्वचा को ठंडक प्रदान करेगा और जलन कम करेगा।

40-50 वर्ष

त्वचा को दें पर्याप्त नमी

उम्र जैसे-जसे बढ़ती है, त्वचा के लिए नमी के स्तर को बनाए रख पाना मुश्किल होता जाता है। इस तरह समय से पहले ही त्वचा अधिक बूढ़ी नजर आने लगती है। इस उम्र में त्वचा अपना प्राकृतिक लचीलापन और मॉयस्चराइज र खो देती है। ऐसे में क्रीम रिच मॉयस्चराइजर का इस्तेमाल करें। यह भी सुनिश्चित करें कि आपके मॉयस्चराइजर एसपीएफ 30 के साथ ब्रॉड-स्पेक्ट्रम सन स्क्रीन युक्त है या नहीं।

मुंहासों से छुटकारा

हॉर्मोंस असंतुलन के कारण 40 पार भी मुंहासों की समस्या हो जाती है। इसे नजरअंदाज न करें। त्वचा रोग विशेषज्ञ की राय लें ताकि मुंहासों का सही इलाज हो सके। यदि त्वचा में गंभीर पिग्मेंटेशन, रैशेज, झुर्रियां, लाल निशान या ढीलेपन की समस्या है तो आप इन उपचारों को भी अपना सकती हैं -

स्किन रिन्युवल ट्रीटमेंट :

एंटी एजिंग से मुक़ाबला करने के लिए यह उपाय अपना सकती हैं। साथ ही मृत त्वचा को हटाने और त्वचा की असमान रंगत को सुधारने के लिए भी यह उपाय अपना सकती हैं।

क्लैरिटी ट्रीटमेंट :

यह उपचार बांह, छाती, गर्दन और चेहरे पर मौजूद पिग्मेंटेशन को हटाने के लिए अपना सकती हैं।

स्किन टाइटनिंग :

हाथ, गर्दन और चेहरे की ढीली त्वचा में कसाव लाने के लिए स्किन टाइटनिंग उपचार की मदद ले सकती हैं। यह उपचार त्वचा का लचीलापन लाने वाले कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करता है।

डाइट का रखें ध्यान

आहार में अमीनो एसिड्स, ग्लुकोसैमाइन, विटमिन बी6, सहित एंटीऑक्सिडेंट्स, विटमिन ए, सी, डी, और ई शामिल करना जरूरी है। इसके लिए डाइट में स्किम्ड मिल्क, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित दालें और मेवे शामिल करें।

परफेक्ट एक्सेसरीज

इसमें कोई शक नहीं कि पहनावे से झलकता है हमारा व्यक्तित्व। इस ओर ध्यान देना जरूरी है, पर इसके साथ एक्सेसरीज भी समान रूप से मायने रखती हैं। फैशन और अवसर के अनुरूप एक्सेसरीज के चयन से आप जोड़ सकती हैं व्यक्तित्व में अनूठा आकर्षण

स्टड्स

खूबसूरत डिजाइन में सिंगल डायमंड स्टडेड ईयरिंग्स देते हैं नीट लुक। आप चाहें तो दूसरी डिजाइन में अपनी पसंद के टॉप्स खरीद भी सकती हैं। अगर आप ऐसे ईयरिंग्स के कई पेयर नहीं खरीदना चाहती हैं तो न्यूट्रल कलर स्टोन्स के खूबसूरत स्टड्स खरीदें।

सनग्लासेज

ये सिर्फ आपकी आंखों को सूर्य की हानिकारक किरणों से ही नहीं बचाते, बल्कि स्टाइलिश दिखने के लिए लिहाज से भी इसका इस्तेमाल है परफेक्ट। इन दिनों चलन में हैं डबल शेडेड सन ग्लासेज। टर्टल शेल फ्रेम्स में डबल शेडेड ग्लासेज काफी स्टाइलिश लुक देते हैं।

शैंडेलियर ईयरिंग्स

इससे आपके कूल लुक में जुड़ता है जबर्दस्त आकर्षण। टू टियर या थ्री टियर में लटकन स्टाइल शैंडेलियर ईयरिंग्स परफेक्ट लगते हैं। यहां इस बात का ख्याल रखें कि ये ईयरिंग्स बहुत ज्यादा भड़कीले न हों।

लंबी चेन

पहनावा इंडियन हो या वेस्टर्न, उसके साथ परफेक्ट एक्सेसरी है लंबी चेन। मोती, स्टोन्स, गोल्ड या फिर किसी अन्य मेटल की लंबी माला या चेन आप अपनी पसंद से चुन सकती हैं। यह न सिर्फ हर पहनावे के साथ जंचती है, बल्कि इसे आप कई प्रकार से धारण कर सकती हैं। गले में इसे आप सिंगल या डबल करके डाल सकती हैं। चाहें तो ब्रेसलेट की भांति हाथ में पहन सकती हैं। हर तरह से यह खूबसूरत लगेगी।

कॉकटेल रिंग

कुछ परिधान ऐसे होते हैं, जिनके साथ भारी नेकलेस या ईयरिंग्स की जरूरत नहीं होती। सिर्फ एक कॉकटेल रिंग ही काफी होती है। स्टोन स्टडेड ओवरसाइज खूबसूरत रिंग जब आपकी अंगुली में होगी तो सबका ध्यान सिर्फ उसी ओर होगा।

हैंडबैग

ओवरसाइज हैंड बैग होना भी है बेहद जरूरी। अक्सर हमें पहले से पता नहीं होता और अचानक कहीं जाने का प्रोग्राम बन जाता है। ऐसे में अगर आपके पास बड़ा हैंड बैग होगा तो उसमें जरूरत का सारा सामान, जैसे बुक, मेकअप पाउच, छोटा टॉवल इत्यादि रखकर साथ कैरी कर सकती हैं। ब्लैक, ब्राउन या किसी अन्य न्यूट्रल शेड में हैंड बैग खरीदें, जो सभी के साथ मैच कर सके।

रिस्ट वॉच

आजकल फैशन है दो टोन वाली रिस्ट वॉच का। यह रिस्ट वॉच अगर ओवरसाइज हो तो और भी बेहतर है। स्टोन्स स्टडेड, मेटल या लेदर के स्ट्रैप वाली रिस्ट वॉच में से आप अपनी पसंद के अनुरूप रिस्ट वॉच चुन सकती हैं, पर इसे अपने एक्सेसरीज कलेक्शन में अवश्य शामिल करें।

बूट्स

इसमें मौजूद हैं ढेरों डिजाइन्स। लांग बूट, शॉर्ट बूट्स, फर या हील वाले बूट्स में से आप क्या चाहती हैं, यह खुद तय करें। जब कभी फुटवेयर को लेकर संशय हो तो निश्चिंत होकर इन्हें धारण कर सकती है। हर पहनावे के साथ ये बूट्स जंचेंगे।

स्टिलटोज

स्मार्ट स्टिलटोज के बगैर आपका वार्डरोब अधूरा है। ब्लैक या न्यूड शेड्स में स्टिलटोज का एक पेयर अवश्य खरीदें, जो आपके सभी भारतीय और वेस्टर्न पहनावे के साथ मैच कर जाएंगे। चूंकि इनमें पतली हील होती है, इसलिए इन्हें पहनते समय सावधानी बरतनी चाहिए। एक बार आपको इन्हें पहनने की प्रैक्टिस हो गयी, फिर चिंता की कोई बात नहीं।

वेज हील

आप हील पहनने की चाह रखती हैं, पर अपने पांवों को जरा भी तकलीफ नहीं देना चाहती तो आपके लिए बेस्ट हैं वेज हील। ये इतनी आरामदायक होती है कि आपको यह महसूस ही नहींहोगा कि आपने हील पहन रखी है।

क्लच

पार्टी या अन्य किसी खास मौके के लिए तैयार हो रही हैं तो एक्सेसरी के तौर पर हाथ में क्लच बैग लेना न भूलें। यदि आप बहुत अधिक क्लच बैग खरीदने में रुचि नहीं रखती हैं तो भी न्यूट्रल शेड में कम से कम एक क्लच तो आपके पास होना ही चाहिए, ताकि उसे

आईपीएल 2024 : धीमी ओवर गति के कारण शुभमन गिल पर लगा 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में मंगलवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मुकाबले के दौरान धीमी ओवर गति के कारण गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल द्वारा बुधवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, 'न्यूनतम ओवर गति अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह शुभमन गिल की टीम का सीज़न का पहला अपराध था, इसलिए कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

राउंडग्लास स्पोर्ट्स ने भारत के नंबर-वन गोल्फर शुभांकर शर्मा को बनाया ब्रांड एंबेसडर

मोहाली। एक और ऐतिहासिक पहल के रूप में राउंडग्लास स्पोर्ट्स ने आज भारत के नंबर एक गोल्फर शुभांकर शर्मा को ब्रांड एंबेसडर के रूप में अनुबंधित करने की घोषणा की है। एक दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है, जिसके दौरान राउंडग्लास स्पोर्ट्स चंडीगढ़ के इस 27 वर्षीय गोल्फर का प्राथमिक प्रायोजक होगा। शुभांकर डीपी वर्ल्ड टूर (पूर्व यूरोपीय टूर) पर दो बार विजेता रहे हैं और अब तक उन्होंने 8 करियर ख़िताब हासिल किये हैं। राउंडग्लास स्पोर्ट्स के अलावा, शुभांकर राउंडग्लास के विभिन्न वर्टिकल्स जैसे राउंडग्लास फाउंडेशन और राउंडग्लास गोल्फ अकादमी, जो दो सालों में ऑपरेशनल होने की उम्मीद है, को भी बढ़ावा देंगे। यह साझेदारी राउंडग्लास स्पोर्ट्स के मिशन का विस्तार है। राउंडग्लास स्पोर्ट्स ऐसे अव्वल खिलाड़ियों को समर्थन और बढ़ावा देना चाहता है जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और जीतने की प्रतिभा रखते हैं।

मैं पूरी कोशिश करूंगा की आईपीएल में पर्पल कैप मुरादाबाद के लिए लेकर आऊं : पीयूष चावला

मुरादाबाद। मुरादाबाद में जन्मे क्रिकेट की बारीकियां सिखाने वाले क्रिकेटर पीयूष चावला ने कहा कि इस बार आईपीएल में मैं पूरी कोशिश करूंगा की पर्पल कैप मुरादाबाद के लिए लेकर आऊं। आईपीएल की टीम मुंबई इंडियंस ने क्रिकेटर पीयूष चावला को 50 लाख रुपये में खरीदा है। पीयूष ने आईपीएल 2023 में अपनी फिरकी से गजब का कमाल दिखाया था। वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने मुंबई के लिए 16 मैचों में 22 विकेट लिए थे। पीयूष पहले स्थान पर रहे मोहम्मद शमी से मात्र 6 विकेट पीछे थे। मुरादाबाद मंडल के अमरोहा जनपद निवासी शमी ने गुजरात की ओर से खेलते हुए 17 मैचों में 28 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की थी। पीयूष चावल एक बार फिर अपनी फिरकी का कमाल आईपीएल में दिखाना चाहते हैं। बातचीत करते हुए पीयूष चावला ने कहा कि आईपीएल को लेकर अभ्यास सत्र के दौरान उन्होंने दोगुनी मेहनत पिछली बार की अपेक्षा की है। इस बार कोशिश है कि वह अपनी टीम के लिए पहले से भी ज्यादा सफल साबित हों। उन्होंने कहा कि मेरा सात वर्षीय बेटा आदिक क्रिकेट में बचपन से ही बहुत रुचि रखता है। जब वह मुझे अच्छा खेलते हुए देखता है तो उसकी खुशी का ठिकाना नहीं होता। मैं इस बार पर्पल कैप हासिल करके उसे गिफ्ट दूंगा।

अगले सात साल तक न्यूजीलैंड क्रिकेट का घर बना रहेगा सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया

नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया (एसपीएनआई) ने अगले सात वर्षों के लिए भारत और उससे जुड़े क्षेत्रों में न्यूजीलैंड के ब्लैककैप्स और व्हाइट फर्न्स के मैचों को प्रसारित करने और स्ट्रीम करने के लिए टेलीविजन और डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं। 1 मई 2024 से 30 अप्रैल 2031 तक के इस ऐतिहासिक करार में 2026-27 और 2030-31 की गर्मियों में भारत के न्यूजीलैंड दौरे के अलावा इस अवधि के दौरान न्यूजीलैंड में खेले जाने वाले सभी अन्य द्विपक्षीय टेस्ट, वनडे और टी20 मैच शामिल होंगे।

सभी मैचों का प्रसारण और स्ट्रीमिंग क्रमशः एसपीएनआई के खेल चैनलों पर की जाएगी और सोनी लिव पर लाइवस्ट्रीम की जाएगी। यह एसपीएनआई पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा, जिसमें पहले से ही इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के साथ करार शामिल हैं। भारत में एसपीएनआई के डिजिटल अधिकार 2024-25 और 2025-26 सीज़न के लिए आमेजन प्राइम के साथ को-एक्सक्लूसिव होंगे। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एनपी सिंह ने कहा, हम न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ अपनी नई साझेदारी की घोषणा करते हुए रोमांचित हैं। न्यूजीलैंड अपनी असाधारण खेल भावना और मैदान पर अपनी ताकत के लिए प्रसिद्ध है। यह विश्व स्तर पर सबसे सम्मानित

क्रिकेट टीमों में से एक है। इस प्रतिष्ठित टीम और भारत में इसके उत्साही फ्रैन बेस के बीच के बंधन को गहरा और पोषित करना हमारा सौभाग्य है। न्यूजीलैंड क्रिकेट की अध्यक्ष डायना पुकेटापु-लिंडन ने कहा, यह दोनों संगठनों के लिए एक रोमांचक समय है। अपने पोर्टफोलियो में विश्व स्तरीय खेल टूर्नामेंटों के साथ, सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया भारत में प्रीमियर स्पोर्ट्स कंटेंट प्रोवाइडर्स में से एक है और हम अपने सहयोग के लिए तत्पर हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वेनिंक ने कहा, हम इस समझौते से बहुत खुश हैं। यह देखते हुए कि यह साझेदारी स्वाभाविक रूप से फिट थी, दोनों संगठन समान मूल्यों को साझा करते हैं। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क इंडिया एक महत्वाकांक्षी, अभिनव और आगे की ओर केंद्रित व्यवसाय संगठन है जो तेजी से बदलती दुनिया में कुशल और टिकाऊ होने पर गर्व करता है। यह अपने कंज्यूमर्स को सबसे पहले रखता है और जितना हो सके उतना बेहतर बनने की कोशिश करता है - ऐसे मूल्य जिनसे एनजेडसी बहुत मजबूती से जुड़ा हुआ है।

एनजेडसी के जीएम कमर्शियल क्रिस स्मिथ ने कहा, भारत एनजेडसी के लिए एक प्रमुख बाजार था और एसपीएनआई के साथ साझेदारी निकट रूप से जुड़े हितों का परिणाम थी। यह कहना उचित है कि यह एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक समझौता है। सोनी की भारतीय बाजार में लीनियर और डिजिटल दोनों प्लेटफार्मों पर बड़ी उपस्थिति है और हम एक लंबी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं। इस करार को अंतिम रूप देते समय सोनी टीम के साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा।

आईएफए ने योसी बेनायून को राष्ट्रीय टीम के महाप्रबंधक पद से हटाया

जेरूसलम। इज़राइल फुटबॉल एसोसिएशन (आईएफए) ने मंगलवार रात एक बयान में कहा कि पूर्व फुटबॉल स्टार योसी बेनायून इज़राइली राष्ट्रीय टीम के महाप्रबंधक नहीं रहेंगे। यह निर्णय पिछले सप्ताह क्वालीफाइंग प्लेऑफ सेमीफाइनल में बुडापेस्ट में आइसलैंड से 4-1 से हारने के बाद यूईएफए यूरो 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करने में इज़राइल की विफलता के बाद लिया गया है।

लिवरपूल, चेल्सी और आर्सेनल जैसे शीर्ष क्लबों के लिए मिडफील्डर के रूप में खेलने वाले 43 वर्षीय बेनायून ने दो और के विकल्प के साथ दो साल के अनुबंध पर मार्च 2022 में राष्ट्रीय टीम के साथ अपना पद संभाला। लेकिन नुकसान के कारण, आईएफए ने अब बेनायून को विस्तार विकल्प का उपयोग न करने के निर्णय के बारे में सूचित किया है। इज़राइली खेल मीडिया ने बताया कि आईएफए टीम के मुख्य कोच एलोन हज़ान से भी अलग हो जाएगा और सर्बियाई चैंपियन रेड स्टार बेलग्रेड के मुख्य कोच के रूप में की थी, लेकिन

बराक बाचर को उत्तराधिकारी नियुक्त करेगा। 44 वर्षीय बाचर ने हापोएल बीयर शेवा और मैकाबी हाइफ़ा के साथ 2016 और 2023 के बीच छह इज़राइली प्रीमियर लीग खिताब जीते। उन्होंने मौजूदा सीज़न की शुरुआत पिछले साल दिसंबर के अंत में उन्हें निकाल दिया गया था।इज़राइल का अगला अभियान यूईएफए नेशंस लीग के लीग ए में सितंबर और नवंबर के बीच होगा, जहां वे फ्रांस, बेल्जियम और इटली के खिलाफ खेलेंगे।

ला लीगा: सीजन के अंत में ओसासुना से अलग हो जाएंगे कोच जगोबा अर्रासाटे

मैड्रिड। कोच जगोबा अर्रासाटे ला लीगा के इस सीजन के अंत में ओसासुना से अलग हो जाएंगे। अर्रासाटे ने कहा कि वह अगले सीजन में ओसासुना के कोच के रूप में काम जारी नहीं रखेंगे, इसके साथ ही ओसासुना में पिछले छह सीजन से चला आ रहा उनका कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। 45 वर्षीय अर्रासाटे ने क्लब के अध्यक्ष लुइस सबाल्ज़ा और स्पोर्टिंग डायरेक्टर ब्राउलियो वाज़क्वेज़ के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उक्त घोषणा की।

अर्रासाटे के कोचिंग में पिछले सीज़न में ओसासुना ला लीगा में सातवें स्थान पर रही और यूईएफए यूरोपा कॉन्फ्रेंस लीग के लिए क्वालीफाई किया, लेकिन क्वालीफाइंग चरण में बेल्जियम की ओर से क्लब ब्रुग से हार गई।

प्रेस के सामने अपनी उपस्थिति में भावुक नजर आ रहे कोच ने आगे कहा, मुझे खुद के प्रति ईमानदार रहना होगा और अपने भविष्य को लिए बेहतर है कि चीजों को और न बढ़ाया जाए।

देखना होगा। मैं खुद के साथ शांति और सुकून महसूस करते हुए जा रहा हूं और मैं संभावित वापसी के लिए दरवाजा खुला छोड़ रहा हूं। .

उन्होंने कहा, मैं कभी भी इस तरह से कहीं नहीं जा रहा हूं, यहां तक कि शहर, खिलाड़ियों और प्रशंसकों के लिए भी नहीं, लेकिन यह सभी के लिए बेहतर है कि चीजों को और न बढ़ाया जाए।

अंत में, उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें दूसरे क्लब में जाने की कोई जल्दी नहीं है, उन्होंने कहा, मैं केवल इस बारे में सोच रहा हूं कि जितना संभव हो सके सीजन को खत्म किया जाए। मुझे अपने प्रति ईमानदार रहना होगा और मुझे लगता है कि अलविदा कहने का समय आ गया है।

श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा महिला एशिया कप 2024, आठ टीमें लेंगी हिस्सा

दुबई। महिला एशिया कप 2024 टी20 प्रारूप में 19 से 28 जुलाई तक दांबुला में खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें पिछले संस्करण की तुलना में एक अतिरिक्त टीम शामिल होगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी।

टूर्नामेंट में मेजबान श्रीलंका, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ, महिला प्रीमियर कप 2024 के सेमीफाइनलिस्ट संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल, थाईलैंड और मलेशिया की टीमें भी शामिल हो गई हैं। पिछली बार के विपरीत, जब सभी टीमें सेमीफाइनल से पहले एक बार एक-दूसरे से खेलती थीं, इस साल उन्हें दो समूहों में विभाजित किया जाएगा। भारत ग्रुप ए में पाकिस्तान, यूएई और नेपाल के साथ शामिल हो गया है, जबकि श्रीलंका, बांग्लादेश, थाईलैंड और मलेशिया ग्रुप बी में हैं। भारत बनाम पाकिस्तान मैच 21 जुलाई को निर्धारित है।प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो

टीमें 28 जुलाई को होने वाले खिताबी मुकाबले से पहले 26 जुलाई को सेमीफाइनल में हिस्सा लेंगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष, जय शाह ने एक आधिकारिक बयान में टूर्नामेंट के विस्तार के बारे में कहा, हम टीमों के बीच बढ़ती भागीदारी और प्रतिस्पर्धा को देखकर उत्साहित हैं, जो महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और महत्व को दर्शाता है। यह विस्तार, 2018 में छह टीमों से 2022 में सात और अब आठ, महिलाओं के खेल और एशियाई क्रिकेट में बढ़ते प्रतिभा पूल के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है।एसीसी के एक बयान में यह भी पुष्टि की गई कि, सिलहट में आयोजित पिछले संस्करण की तरह, इस टूर्नामेंट में केवल महिला अंपायर ही शामिल होंगी।

एशिया कप सितंबर में बांग्लादेश में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में जाने वाली टीमों के लिए ड्राई रन के रूप में काम करेगा। एशिया कप में, भारत सात खिताब जीत के साथ गत चैंपियन और सबसे सफल टीम है। 2012 के बाद से, टूर्नामेंट टी20 प्रारूप में खेला जाता है, हालांकि 2020 में कोरोना महामारी के दौरान टूर्नामेंट को पहले स्थगित किया गया और फिर रद्द कर दिया गया।इस साल, एशिया कप का उत्तरार्ध इंग्लैंड में महिला हंड्रेड प्रतियोगिता की शुरुआत के साथ टकराएगा, जो 23 जुलाई से शुरू होगी। इससे स्मृति मंधाना (साउदर्न ब्रेव), चमारी अटापट्टू (ओवल इनविंसिबल्स) और ऋचा घोष (बर्मिंघम फीनिक्स) की भागीदारी प्रभावित हो सकती है।

राजस्थान रॉयल्स 15 और 19 मई को गुवाहाटी में खेलेगी आईपीएल मैच

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग के पहले सीजन में राजस्थान रॉयल्स दो मैच गुवाहाटी में खेलेगी। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में पहला मैच 15 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ, जबकि दूसरा मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 19 मई को खेलेगी। विश्व क्रिकेट में आईपीएल से असम और पूर्वोत्तर को पहली बार पिछले साल जोड़ा गया था। राजस्थान रॉयल्स के चेयरमैन असम के रंजीत बरठाकुर के कारण असम को गुवाहाटी में आईपीएल मैच की मेजबानी करने का मौका मिला है। राजस्थान रॉयल्स ने पिछले आईपीएल सीजन में बरसापारा स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ दो घरेलू मैच खेले थे। रंजीत बरठाकुर ने कहा कि पिछले सीजन में दो मैचों की सफल मेजबानी के बाद हम खुश हैं और इस सीजन में आईपीएल के दो मैच पूर्वोत्तर में होंगे। हमें उम्मीद है कि इस बार भी खेल प्रेमियों का शत-प्रतिशत सहयोग देखने को मिलेगा। उन्होंने असम क्रिकेट संघ के प्रति आभार जताया, जिन्होंने बरसापारा स्टेडियम में मैच खेलने की अनुमति दी। इस बार कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की टीम गुवाहाटी आएगी। असम के खेल जगत के लिए ये दो खास दिन होंगे। तीनों टीमों के पास विश्व क्रिकेट के सितारे हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने गुजरात टाइटंस को 63 रन से हराया, अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंची सीएसके

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के सातवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने गुजरात टाइटंस को 63 रनों से हरा दिया है। लगातार दूसरी जीत के साथ सीएसके अंकतालिका में सबसे ऊपर पहुंच गयी है। चेन्नई की जीत के हीरो जहां बल्लेबाजी में रचिन रविंद्र और शिवम दूबे रहे, वहीं गेंदबाजी में दीपक चहर, तुषार देशपांडे और मुस्तफिजुर रहमान का कमाल रहा। चेन्नई की ओर से मिले 207 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत ठीक नहीं रही। टीम को पहला झटका कप्तान गिल के रूप में लगा, जो तीसरे ओवर में 8 रन बनाकर आउट हुए। फिर पांचवें ओवर में टीम को दूसरा झटका रिद्धिमान साहा के रूप में लगा, जिन्होंने 21 रन बनाए। इसके बाद विजय शंकर (12 रन) और डेविड मिलर (21 रन) भी तेज गति से रन बनाने के चक्कर में आउट हो गए। हालांकि लंबे समय से दूसरा छोर संभाले रहे साई सुदर्शन भी ज्यादा कुछ नहीं कर सके और 37 रन बनाकर आउट हो गए। सुदर्शन के आउट होने के बाद गुजरात के जीत की उम्मीद भी दम तोड़ गई। इसके बाद सिर्फ बल्लेबाज आते और जाते रहे। अज़मतुल्लाह उमरज़ई 11 रन, राशिद खान 01 रन और राहुल तेवतिया 06 रन बनाकर पवेलियन लौटे। चेन्नई के लिए दीपक चाहर, मुस्तफिजुर रहमान और तुषार देशपांडे ने 2-2 विकेट झटके। इसके अलावा डेरिल मिचेल और मथिशा पथिराना को 1-1 सफलता मिली। इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई की टीम में 207 रन बनाए। चेन्नई की शुरुआत शानदार रही थी। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और रचिन रवींद्र ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों ने 32 गेंद पर 62 रन की साझेदारी की। इसमें रचिन का योगदान 20 गेंद में 46 रन का रहा। रचिन के आउट होने पर बल्लेबाजी करने आए अजिंक्य रहाणे फिर फ्लॉप रहे। रहाणे 12 गेंद में 12 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ ने 46 रन का योगदान दिया। जबकि टीम के लिए रनों का अंबार लेकर आए शिवम दुबे ने मात्र 22 गेंदों में अर्धशतक लगाया। दुबे ने 23 गेंद में 51 रन की पारी खेली। दुबे के बाद समीर रिजवी ने छोटी मगर उपयोगी पारी खेली। रिजवी ने छह गेंद में 14 रन बनाए। जबकि डेरिल मिचेल 24 रन बनाकर नाबाद रहे। गुजरात की ओर से राशिद ने दो विकेट लिए। वहीं, साई किशोर, स्पेंसर जॉनसन और मोहित शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

पाकिस्तान में पीटीवीसी और टॉवर स्पोर्ट्स को मिले आईसीसी क्रिकेट प्रसारण अधिकार

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2025 के अंत तक पाकिस्तान में आईसीसी क्रिकेट प्रसारण अधिकार पाकिस्तान टेलीविजन कॉर्पोरेशन (पीटीवीसी) और टॉवर स्पोर्ट्स (टेन स्पोर्ट्स पाकिस्तान के लैंडिंग राइट्स लाइसेंस धारक) को प्रदान किए हैं।

पाकिस्तान टेलीविजन कॉर्पोरेशन और टॉवर स्पोर्ट्स ने 2025 के अंत तक छह पुरुषों और महिलाओं के आईसीसी विश्व आयोजनों के लिए गैर-अनन्य अधिकार सुरक्षित कर लिए हैं। टीवी अधिकारों के साथ-साथ दोनों पक्षों

के पास पैकेज के हिस्से के रूप में डिजिटल अधिकार भी होंगे।

दोनों सौदों में शामिल कार्यक्रम आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2024, आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024, आईसीसी अंडर-1919 महिला टी-20 विश्व कप 2025, आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025, आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2025 और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 शामिल हैं।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने एक आधिकारिक बयान में कहा, हमें अगले दो वर्षों के लिए प्रसारण भागीदारों के हमारे पोर्टफोलियो में पीटीवीसी और टॉवर स्पोर्ट्स का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। पाकिस्तान विश्व क्रिकेट के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार है, जहां एक बड़ा और उत्साही प्रशंसक आधार है और हम देश में अधिक से अधिक लोगों तक आईसीसी आयोजनों को ले जाने में सक्षम होने के लिए रोमांचित हैं। पीटीवीसी के प्रबंध निदेशक, सैय्यद मुबाशर तौकीर शाह ने कहा, अगले दो वर्षों के लिए आईसीसी विश्व आयोजनों के अधिकार सुरक्षित रखना पीटीवीसी के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम पाकिस्तान भर में लाखों प्रशंसकों के घरों में आईसीसी विश्व कप लाने के लिए रोमांचित हैं। यह हमारे लिए प्रीमियम खेल सामग्री प्रदान करने और देश भर में क्रिकेट प्रशंसकों के साथ जुड़ने की अटूट प्रतिबद्धता का आधार है।

आईएसएल ने मौके नहीं दिए होते तो मैं आज यहां नहीं होता: लालियानजुआला छांगटे

नई दिल्ली। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 में उन्नीस मैचवीक मुकाबले खेले जा चुके हैं, और मुम्बई सिटी एफसी 41 अंकों के साथ तालिका के शीर्ष पर विराजमान है। मुम्बई की अब तक की सफलता के पीछे प्रमुख खिलाड़ियों में से एक मौजूदा आईएसएल गोल्डन बॉल विजेता लालियानजुआला छांगटे हैं।

छांगटे ने चार गोल करने के साथ पांच में सहायता प्रदान की है और अग्रिम पंक्ति के अपने साथियों के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाया है, जो नियमित रूप से विपक्षी टीमों और उनकी डिफेंस को प्रभावशाली ढंग से भेद रही है। वह विपक्षी टीम के बॉक्स के अंदर 21 सफल ड्रिबल और 79 टच दर्ज कर चुके हैं, और फाइनल थर्ड में हमेशा मौजूद रहते हैं, जिससे उनकी टीम ने इस आईएसएल सीजन में अब तक 36 गोल दागे हैं। आइलैंडर्स इस मामले में मोहन बागान सुपर जायंट (38) के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

मिजोरम के लुंगलेई में जन्मे, छांगटे ने 2016 में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की तरफ से आईएसएल में पदार्पण किया था। तब से वह चेन्नइयन एफसी और आइलैंडर्स के लिए खेल चुके हैं, साथ ही वह ब्लू टाइगर्स की मुख्य टीम के नियमित सदस्य हैं। आठ साल बाद, वह आईएसएल के प्रति आभारी हैं, क्योंकि लीग ने उन्हें देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं के खिलाफ अपनी योग्यता साबित करने का मौका प्रदान किया है।

छांगटे ने लीग को दिये एक साक्षात्कार में कहा, मैंने अपने पहले क्लब नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के साथ 2016 के आईएसएल सीजन में पेशेवर करियर शुरू किया था। अगर क्लब और आईएसएल ने मुझे खुद को साबित करने का मौका नहीं दिया होता, तो मैं आज यहां नहीं होता, क्योंकि उन्होंने एक खिलाड़ी व इंसान दोनों के रूप में मुझे अपना हुनर निखारने और चरित्र को मजबूत बनाने में मदद की है। मैं धीरे-धीरे अधिक परिपक्व होता चला गया। मुझे मौका देने, मुझ पर भरोसा करने और मेरी क्षमताओं पर विश्वास करने के लिए मैं लीग को धन्यवाद दूंगा।

विंगर ने आगे कहा, लीग बेहतर तरीके से विकसित हो रही है और उम्मीद है कि अधिक क्लबों के शामिल होने और अधिक मैच खेलने के मौके मिलने से हमें बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद मिलेगी। जब आप अधिक मैच खेलते हैं तो इससे आपको राष्ट्रीय टीम में मदद मिलती है। आईएसएल बहुत अच्छा काम कर रही है, उम्मीद है कि वो ऐसा करना

जारी रखेगी, मेरे जैसे युवा खिलाड़ियों को हर दिन विकसित होने में मदद करती रहेगी, जो राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का सपना देखते हैं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन ऐसा आएगा, जब हमें अन्य देशों से भी अधिक मान्यता मिलेगी।

छांगटे उन शानदार खिलाड़ियों में से एक हैं जिनकी सफलता की कहानियां क्लब फुटबॉल के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी छाई रही हैं। उन्होंने दिसम्बर 2015 में साउथ एशियन फुटबॉल फेडरेशन (एसएएफएफ) चैम्पियनशिप के दौरान श्रीलंका के खिलाफ सीनियर टीम में अपना पदार्पण किया था। तब से लेकर, छांगटे ब्लू टाइगर्स के लिए 34 मुकाबले खेल चुके हैं और और सात गोल कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय टीम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। छांगटे टीम के उन साथियों को बड़े प्यार से याद करते हैं जिन्होंने ऐसे समय में उनका साथ दिया था जब वह मुश्किल हालात में थे।

छांगटे ने कहा, मैं 18 साल का था जब मैंने पहली बार राष्ट्रीय टीम के लिए खेला था। उसके बाद कुछ असफलताएं मेरे हाथ लगीं। मैं राष्ट्रीय टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था, और कई बार ऐसा भी हुआ कि मैं (संभावितों की) सूची में नहीं था। मैं बहुत मेहनत करता रहा। सुनील भाई, संदेश भाई, गुरप्रीत जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों ने उस समय भी बहुत मदद की जब मैं टीम के अंदर नहीं था। उन्होंने मुझे क्लब स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि जब आप क्लब की तरफ से अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका मिलता है। राष्ट्रीय टीम के वर्ल्ड कप क्वालीफायर के लिए अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के पूरा होने के बाद, इंडियन सुपर लीग 30 मार्च, 2024 को एक्शन में लौट आएगा।

तापसी पन्नू

को Kangana Ranaut ने बताया था बी ग्रेड एक्ट्रेस, कहा था- दूसरों की रोटियों पर पलने वाले...

एक्ट्रेस कंगना रनोट ने बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में खूब धाक जमाई है। बड़े पर्दे के साथ-साथ रियल लाइफ में भी एक्ट्रेस ने बेबाकी के साथ हर जगह खुद को प्रेजेंट किया। चाहे फिल्म इंडस्ट्री के खिलाफ बोलने की बात हो या अकेले नेपोटिज्म के खिलाफ मोर्चा खोलना हो, कंगना ने निडर होकर अपनी हर बात कही है। अब वो फिल्म लाइन से निकलकर राजनीति में हाथ आजमाने को तैयार हैं।

कंगना और तापसी के बीच हुई थी तू तू मैं मैं कंगना रनोट हिमाचल प्रदेश की मंडी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। उनके जन्मदिन (23 मार्च) के मौके पर जैसे ही ये घोषणा हुई, सोशल मीडिया पर तब से वह ट्रेंड कर रही हैं। इस बीच एक्ट्रेस का एक पुराना बयान भी वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने तापसी पन्नू को बी ग्रेड एक्ट्रेस कहने के साथ-साथ बहुत कुछ कहा था। सोशल मीडिया पर तापसी और कंगना के बीच जुबानी जंग छिड़ी, जो एक्ट्रेस से जुड़ी कंट्रोवर्सी के इतिहास में आज भी याद की जाती है।बात तब की है, जब किसान आंदोलन का मुद्दा चर्चा में था। तब रिहाना ने किसान समर्थन में एक ट्वीट किया था, जिसे कई सेलेब्स ने सपोर्ट किया था। कंगना उनके ट्वीट पर भी तंज कसने से बाज नहीं आई थीं। तब तापसी पन्नू ने बिना नाम लिए ट्वीट किया था, जिस पर कंगना काफी भड़क गई थीं और तापसी को बी ग्रेड एक्ट्रेस कह दिया था। तापसी भी कहां चुप रहने वाली थीं। उन्होंने भी कंगना को मुंहतोड़ जवाब देकर इस बात को वहीं खत्म करना चाहा।

इशारों इशारों में तापसी ने कही थी ये बात

तापसी ने ट्वीट किया था, अगर एक ट्वीट से आपकी एकता भंग होती है, एक जोक से आपका विश्वास डगमगाता है या एक शो से आपकी धार्मिक भावनाएं भंग होती है, तो यह सिर्फ आपको अपने वैल्यू सिस्टम को मजबूत करने पर काम करना चाहिए न कि अन्य लोगों के लिए प्रोपेगेंडा टीचर।

तापसी को कंगना ने बताया था बी ग्रेड एक्ट्रेस

इस ट्वीट में उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन कंगना इस बात पर काफी भड़क गई थीं। उन्होंने तापसी को आड़े हाथ लेते हुए कहा था, बी ग्रेड लोगों की बी ग्रेड सोच, हम सभी को अपने देश और परिवार के विश्वास के लिए एक साथ खड़ा होना चाहिए, यही कर्म है यही धर्म भी है.. फ्री फंड का सिर्फ खाने वाले मत बनो...इस देश का बोझ...इसीलिए मैं इन्हें बी ग्रेड बुलाती हूं...इन मुफ्तखोरों पर ध्यान मत दें।

अंकिता लोखंडे

ने फ्री में की रणदीप हुड्डा की स्वतंत्र वीर सावरकर, जानिए एक्ट्रेस ने क्यों नहीं लिए पैसे?

रणदीप हुड्डा की बहुचर्चित फिल्म स्वतंत्र वीर सावरकर हाल ही में बड़े पर्दे पर रिलीज हुई है। सिनेमाघरों में इस मूवी को ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है। खासतौर पर मूवी में रणदीप के साथ-साथ बिग बॉस 17 फेम अंकिता लोखंडे ने कमाल की अदाकारी से वाह-वाही लूटी है। इस फिल्म में अंकिता ने वीर सावरकर की पत्नी यमुनाबाई सावरकर का किरदार अदा किया।

इस बीच खबर आ रही है कि इस फिल्म के लिए अंकिता ने कोई फीस नहीं ली है। इस बात का खुलासा स्वतंत्र वीर सावरकर के निर्माता संदीप सिंह ने किया है। आइए जानते हैं कि अंकिता ने आखिर ऐसा क्यों किया।

इसलिए स्वतंत्र वीर सावरकर के लिए अंकिता ने नहीं ली फीस

सलमान खान के रियलिटी शो बिग बॉस 17 में ग्रैंड फिनाले का सफर तय करने के बाद अंकिता लोखंड़े ने सीधा सिल्वर स्क्रीन पर वापसी की है। लंबे वक्त से स्वतंत्र वीर सावरकर को लेकर अंकिता का नाम चर्चा में था। अब जब ये फिल्म रिलीज हो गई है तो उनकी अदाकारी सुर्खियां का विषय बन गई है।

इस बीच स्वतंत्र वीर सावरकर के प्रोड्यूसर संदीप सिंह इंडिया टुडे से कहा है- इस मूवी से पहले मैं कई बड़ी मूवीज के साथ ही जुड़ चुका हूं। मैंने संघर्ष के दिनों को भी देखा है, लेकिन उस वक्त अगर कोई मेरा साथ था तो वह मेरी दोस्त अंकिता लोखंडे थीं। अंकिता और उनकी दोस्त कंगना रनोट ने हमेशा मेरा सहयोग किया है। उन्होंने कहा की मुझे डायरेक्टर बनना चाहिए और जब भी मैं फिल्म बनाऊं तो वे उसमें एक्टिंग करेंगी।लेकिन जब मेरे जहन में वीर सावरकर का ख्याल आ तो कोई मेरे साथ काम नहीं करना चाहता था कि मैं कई मीडिया ट्रायल से गुजरा था। लेकिन जब मैंने इस फिल्म को लेकर अंकिता लोखंडे से बात की तो उन्होंने मुझसे कहा कि मैं एक शर्त पर काम करूंगी और वो ये है कि इस मूवी के लिए कोई फीस चार्ज नहीं करूंगी। इसके बाद मैंने उनसे कहा की तुम मेरी हर फिल्म के लिए साइन हो।

अंकिता की हो रही है तारीफ

इस फिल्म में जिस तरह से अंकिता लोखंडे ने यमुनाबाई का किरदार निभाया है, उसके लिए उनकी जमकर प्रशंसा की जा रही है। अनुमान ये भी लगाया जा रहा है कि अंकिता आने वाले समय में और भी कई मूवीज में दिख सकती हैं।

अक्षय कुमार ने दिशा पाटनी को लेकर ऐसा क्या कहा कि फैन्स बोल उठे- तरीका थोड़ा कैजुअल है

अक्षय कुमार 'बड़े मियां छोटे मियां' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म में अक्षय के साथ टाइगर श्रॉफ भी लीड रोल में नजर आने वाले हैं. आज यानी 26 मार्च को इस फिल्म का दमदार ट्रेलर रिलीज किया गया. ट्रेलर रिलीज के इवेंट में अक्षय कुमार ने टाइगर श्रॉफ के साथ एक मज़ाक कर डाला. इस मज़ाक को सुनकर वहां मौजूद तमाम लोग हंसने लगे. आखिर अक्षय ने ऐसा कौन स जोक क्रैक कर दिया? क्या है पूरा मामला?' बड़े मियां छोटे मियां' का फैन्स बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं. इसी बीच मुंबई में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया. ट्रेलर लॉन्च इवेंट में अक्षय से एक सवाल किया गया. ये सवाल टाइगर श्रॉफ से जुड़ा था. क्या था ये सवाल? चलिए जानते हैं.

अक्षय कुमार ने टाइगर को दिया ऐसा सुझाव

'बड़े मियां छोटे मियां' के इवेंट में अक्षय से पूछा गया कि वो यंग स्टार टाइगर को क्या सलाह देना चाहेंगे. इस सवाल के जवाब में अक्षय ने ऐसी मजेदार लाइन कही जिसे सुनकर हर कोई हंस पड़ा. अक्षय ने कहा मैं टाइगर से ये कहूंगा कि वो हमेशा एक ही दिशा में रहें. ये सुनते ही टाइगर श्रॉफ समेत पूरी स्टार कास्ट हंसने लगी. अब अक्षय की इस लाइन के अलग-अलग मतलब निकाले जा रहे हैं. लोग इस 'दिशा' को दिशा पाटनी से जोड़ते हुए देख रहे है. खबरों की मानें तो एक समय पर टाइगर और दिशा के बीच खास दोस्ती थी. ऐसा भी कहा जाता है कि दोनों रिलेशनशिप में थे.

अक्षय और टाइगर की ये क्लिप सोशल मीडिया पर छाई हुई है. फैन्स इसपर फिरकी लेते हुए तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं. एक यूजर ने हंसने वाली इमोजी के साथ लिखा- दिशा बताने का तरीका तोड़ा कैजुअल है. अन्य ने लिखा- लगता है अक्षय ने टाइगर और दिशा का पैच-अप करवा दिया. 'बड़े मियां छोटे मियां' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. इस फिल्म को अली अब्बास जफर ने डायरेक्ट किया है.

जब इस फिल्म में रिप्लेस किए जाने पर सुपरस्टार राजेश खन्ना को होने लगी थी अमिताभ बच्चन से जलन, खुद बताया था

राजेश खन्ना को भारत का पहला सुपरस्टार माना जाता है. भारत में उन्हीं को सबसे पहले सुपरस्टार से संबोधित किया गया. इससे पहले ये टर्म यूज नहीं होता था. लेकिन उनका ये स्टारडम ज्यादा लंबा नहीं रहा. उन्हीं के आने के कुछ सालों के बाद सदी के महानायक अमिताभ बच्चन का उदय हो चुका था. वे साल 1973 में जंजीर फिल्म से एंग्री यंग मैन की छवि में खरे उतर गए थे और एक कॉमन मैन से दिखने के कारण उन्हें ऐसे ही रोल्स मिलने लगे जिसके साथ लोगों ने जुड़ना शुरू कर दिया. राजेश खन्ना का रोमांस उन्हें टक्कर दे रहा था लेकिन इसका फर्क तब समझ में आया जब एक बड़ी फिल्म में अमिताभ बच्चन को राजेश खन्ना की जगह कास्ट कर लिया गया था.

यश चोपड़ा की पसंद थे राजेश खन्ना

फिल्म का निर्देशन यश चोपड़ा कर रहे थे. इससे पहले यश चोपड़ा ने राजेश खन्ना के साथ रोमांटिक फिल्म दाग बनाई थी. ये फिल्म हिट साबित हुई थी. दोनों के बीच ट्यूनिंग अच्छी थी. यही वजह थी कि इस फिल्म में भी यश चोपड़ा की पहली पसंद राजेश खन्ना ही थे. उस समय राजेश खन्ना का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में था और उनकी 13 फिल्में लगातार सुपरहिट रही थीं. सब कुछ राजेश खन्ना के पक्ष में था सिवाय एक चीज के.

जब जिद पर अड़ गए थे सलीम-जावेद

दरअसल फिल्म के स्क्रीनप्ले राइटर जावेद अख्तर और सलीम खान का ऐसा मानना था कि इस फिल्म में अमिताभ बच्चन को होना चाहिए था और दोनों जंजीर फिल्म से ही अच्छी ट्यूनिंग जमा चुके थे. और उन्होंने ये फिल्म भी अमिताभ बच्चन को ध्यान में रखकर लिखी थी. इसलिए यश चोपड़ा को भी इस फिल्म के लिए अमिताभ बच्चन को कास्ट करना पड़ा.

राजेश खन्ना ने क्या कहा था ?

इस मुद्दे पर राजेश खन्ना ने भी अपनी प्रतिक्रिया एक पुराने इंटरव्यू में दी थी. बॉलीवुड शादीज डॉट कॉम की रिपोर्ट की मानें तो राजेश खन्ना ने एक बेहद पुराने इंटरव्यू में ये बात कुबूली थी कि इस फिल्म में रिप्लेस किए जाने के बाद से उन्हें अमिताभ बच्चन से जलन होने लग गई थी. राजेश ने कहा था- सलीम-जावेद और मेरे बीच वैचारिक मतभेद थे. उन्होंने यश चोपड़ा को फिल्म की स्क्रिप्ट देने से ही मना कर दिया था क्योंकि वे ये फिल्म सिर्फ अमिताभ बच्चन के साथ ही करना चाहते थे. शायद ऐसा इसलिए होगा क्योंकि वे चाहते होंगे कि रोल में अमिताभ बच्चन ज्यादा फिट बैठ रहे हैं. यश जी मुझे दीवार में लेना चाहते थे लेकिन उनके पास कोई ऑप्शन नहीं बचा था.